P-12

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

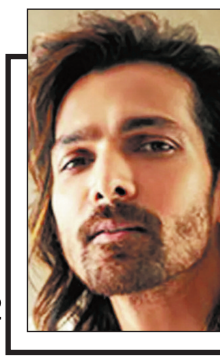
P-12

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

वर्ष : 14 अकं: 46 नई दिल्ली, रविवार, 17 मई 2026 Email.timesofpedia@gmail.com पृष्ठ: 12 मूल्य : 01./-

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता में सड़क पर नमाज को लेकर तनाव

● पुलिस ने खाली कराया इलाका भारी सुरक्षा बल तैनात

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के राजाबाजार इलाके में शुक्रवार को उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब कुछ लोगों ने सड़क पर नमाज अता करने की कोशिश की। हाल ही में सुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगाई है। स्थिति तब बिगड़ गई जब सड़क खाली कराने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों ने इसका विरोध किया। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि यह पुरानी परंपरा है। जबकि प्रशासन का तर्क था कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सार्वजनिक रास्तों को खाली रखना जरूरी है। बाद में पुलिस ने सड़क खाली करा दी और ट्रैफिक को सामान्य कर दिया गया। अधिकारियों ने

बताया कि फिलहाल इलाके में स्थिति नियंत्रण में है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान तैनात किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, पुलिस की ओर से अब तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि ममता बनर्जी सरकार के दौरान सड़कों पर नमाज और अन्य धार्मिक गतिविधियों की अनुमति थी लेकिन नई सरकार ने इससे आम लोगों को होने वाली असुविधा को देखते हुए सख्त रुख अपनाया है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि नमाज केवल मस्जिदों के भीतर ही अता की जाए और सड़कों पर इस तरह की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद राज्य की पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी को सोशल मीडिया साइट एक्स से अनफॉलो कर दिया है। राज्य की पुलिस अब अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से केवल 44 लोगों को ही फॉलो करती है, जो राज्य में सत्ता परिवर्तन की सच्चाई बयां कर रही है। कोलकाता पुलिस अब नए मुख्यमंत्री और कुछ अन्य लोगों को एक्स पर फॉलो करती है।

ईरान पर अगले हफ्ते दोबारा हमले की तैयारी में अमेरिका

● 50 हजार सैनिक और युद्धपोत तैनात, ट्रम्प के फैसले का इंतजार

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका अगले हफ्ते ईरान पर दोबारा सैन्य हमले की तैयारी कर रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेंटागन ने हमले के कई विकल्प तैयार किए हैं और अब अंतिम फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को लेना है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की योजना तैयार है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, हमले के विकल्पों में ईरान के सैन्य और इंफ्रास्ट्रक्चर ठिकानों पर बड़े हवाई हमले शामिल हैं। एक विकल्प अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशन

फोर्सेज को जमीन पर उतारकर इस्फहान परमाणु साइट में दबे परमाणु सामग्री यानी एनरिच्ड यूरेनियम तक पहुंचने का भी है। हालांकि अधिकारियों ने माना कि ऐसा ऑपरेशन बेहद जोखिम भरा होगा और इसमें भारी सैन्य नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में 50 हजार से ज्यादा सैनिक तैनात रखे हैं। इसके अलावा दो एयरक्राफ्ट कैरियर, एक दर्जन से ज्यादा नेवी डेस्ट्रॉयर और बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान भी क्षेत्र में मौजूद हैं। करीब 5 हजार मरीन और 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के 2 हजार पैराट्रूपर्स भी आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

महंगाई सिर्फ युद्ध की वजह से नहीं

ईरान के गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने माना है कि देश में सामानों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है और इसके पीछे सिर्फ युद्ध नहीं, बल्कि घरेलू आर्थिक कमियां भी जिम्मेदार हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता अली जैनिवंद ने कहा कि कुछ चीजों की कीमतें बेहद ज्यादा बढ़ी हैं और इसे नकारा नहीं जा सकता। सरकार ने ऐसे कई क्षेत्र चिन्हित किए हैं जहां कीमतों को नियंत्रित किया जा सकता है और जिनका सीधा संबंध युद्ध से नहीं है।

● मां वाग्देवी की पूजा हुई, श्रद्धालु बोले-सालों बाद बिना रोक-टोक दर्शन हो रहे

हाईकोर्ट के फैसले के बाद

भोजशाला में हनुमान-चालीसा पाठ

धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने धार स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला परिसर को राजा भोज के समय का वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर माना है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष को यहां पूजा का अधिकार दे दिया है। फैसले के बाद शनिवार सुबह श्रद्धालुओं और अलग-अलग समितियों के पदाधिकारियों ने शांतिपूर्ण माहौल में भोजशाला पहुंचकर दर्शन और पूजा-अर्चना की। लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि हाईकोर्ट ने 7 अप्रैल 2003 के आदेश को आंशिक रूप से निरस्त कर दिया है। इस आदेश में मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार को तय अवधि के लिए नमाज की अनुमति दी गई थी।

पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना- शनिवार सुबह सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच श्रद्धालु और भोज उत्सव समिति के पदाधिकारी परिसर पहुंचे। इनमें संरक्षक विश्वास पांडे, भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा, श्रीश दुबे, केशव शर्मा और अशोक जैन शामिल थे। सभी ने मां वाग्देवी के स्थान और यज्ञ कुंड के पास पुष्प अर्पित कर दंडवत प्रणाम किया।

श्रद्धालु बोले- भोजशाला मंदिर थी, है और रहेगी

दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने कहा कि सालों बाद उन्हें बिना रोक-टोक पूजा करने का अवसर मिला है। भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा, भोजशाला का कण-कण यह दर्शाता है कि यह एक मंदिर है। मुस्लिम पक्ष की आगे की कानूनी कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाने की पूरी स्वतंत्रता है, लेकिन भोजशाला मंदिर था, मंदिर है और हमेशा मंदिर ही रहेगा। फिलहाल पूरे धार शहर और भोजशाला परिसर की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट में 2 कैविएट याचिकाएं दायर की है

मुस्लिम पक्ष के सुप्रीम कोर्ट जाने की संभावना को देखते हुए हिंदू पक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय में 2 कैविएट याचिकाएं दायर की हैं। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि हाईकोर्ट ने लंदन के एक संग्रहालय में रखी वाग्देवी की मूल मूर्ति वापस लाने की मांग पर भी विचार किया है। शनिवार को धार पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया गया। मार्च प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। एडिशनल एसपी विजय डावर ने बताया कि शहर में करीब 1000 पुलिस बल तैनात है। वहीं, भोजशाला परिसर में 100 से अधिक जवानों की तैनाती की गई है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल नजर बनाए हुए है। लोगों से भी शांति और सौहार्द्र बनाए रखने की अपील की है।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा तेज

● छूटे राज्यों के नेताओं को मिल सकती है जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर और केंद्र सरकार में एक बड़े फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, नए नियुक्त किए गए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा अपनी नई टीम की घोषणा के बाद सरकार में भी बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। केंद्र में अपने दम पर बहुमत से चूकने के बाद भाजपा ने सहयोगियों के समर्थन से सरकार बनाई थी।

● **21 मई की बैठक ने बढ़ाई हलचल-** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 21 मई 2026 को होने वाली मंत्रिपरिषद की बैठक ने इन अटकलों को और हवा दे दी है। हालांकि, एक सरकारी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित अंतरालों पर होती रहती हैं। इस समय देश मध्य पूर्व के संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपट रहा है, इसलिए ऐसी बैठक होना कोई असामान्य बात नहीं है।

नितिन नवीन के सामने संतुलन की चुनौती

इसी साल जनवरी में भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष बने 45 वर्षीय नितिन नवीन से उम्मीद की जा रही है कि वे अपनी नई टीम में अनुभवी दिग्गजों और युवा चेहरों के बीच एक बेहतरीन संतुलन बिठाएंगे। मंत्रियों के संगठन में लौटने के सवाल पर एक अन्य नेता ने कहा कि जिन मंत्रियों की उम्र एक तय सीमा से अधिक हो चुकी है या जिनका राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उन्हें पार्टी की भूमिका सौंपी जा सकती है। हालांकि, मंत्रियों के कामकाज का आंकलन पूरी तरह से प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है, इसलिए अंतिम फैसला उन्हीं का होगा।

युवाओं और महिलाओं को मिलेगी तरजीह

भाजपा 2027 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में चुनावी मुकाबले का सामना करेगी। इनमें से पांच राज्यों में भाजपा पहले से ही सत्ता में है। वहीं पंजाब में, शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद, पार्टी सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के खिलाफ सीधे मुकाबले की तैयारी कर रही है। एक वरिष्ठ नेता ने बताया, केंद्रीय कैबिनेट और राष्ट्रीय टीम में उन पांच राज्यों के चेहरों को शामिल किया जा सकता है जहां अभी चुनाव संपन्न हुए हैं, साथ ही आगामी चुनावी राज्यों को भी प्रतिनिधित्व मिलेगा। चूंकि पार्टी अगले दशक की योजना बना रही है, इसलिए युवाओं की जरूरत है।

यह बेहद संवेदनशील मामला, हमें बहुत चिंता है

अरावली पहाड़ियों को लेकर बोले सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि उसे अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला में खनन को लेकर काफी चिंताजनक प्रतिक्रियाएं मिल रही है, जिसे देखते हुए वह फिलहाल खनन पट्टा धारकों के पक्ष में कोई आदेश पारित नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में विशेष पारिस्थितिकीय मुद्दे जुड़े हुए हैं और फरवरी में उसने पर्यावरण मंत्रालय तथा अन्य पक्षकारों से अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला की परिभाषा तय करने के लिए एक समिति के वास्ते संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों के नाम सुझाने को कहा था। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध मामले का उल्लेख किए जाने पर कहा, हम इस मामले की टुकड़ों में सुनवाई नहीं करेंगे। जब तक हम पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो जाते, तब तक किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं देंगे।

उपलब्धि:भारत में पहली बार पकड़ी गई 'जिहादी ड्रग'

● इसे खाकर आतंकी बन जाते हैं 'लड़ाकू मशीन'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट और टेरर फंडिंग के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने देश के इतिहास में पहली बार कैप्टागन नामक खतरनाक ड्रग की भारी खेप जब्त की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन रेजपिल के तहत 182 करोड़ रुपये की यह खेप पकड़ी गई है। इसे आतंकी नेटवर्क्स में जिहादी ड्रग के नाम से जाना जाता है। केंद्र की मोदी सरकार लंबे समय से नशामुक्त भारत अभियान चला रही है। इसी के तहत एनसीबी ने एक विशेष और गुप्त अभियान ऑपरेशन रेजपिल चलाया था। इस

ऑपरेशन के तहत एजेंसियों ने 182 करोड़ रुपये मूल्य का सिंथेटिक ड्रग कैप्टागन जब्त किया है। भारत के भीतर इस विशिष्ट ड्रग की यह अब तक की पहली जब्ती है। यह खेप भारत में खपत के लिए नहीं थी।

● ये आपदाओं का दशक, सामने है बड़ा खतरा

पीएम मोदी बोले-पहले कोविड, फिर युद्ध और अब ऊर्जा संकट

● भारत के चार बड़े लक्ष्य, पीएम ने कहा-हम बड़ा सपना देख रहे

हेग (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीदरलैंड के हेग शहर में प्रवासी समुदाय के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत के चार बड़े लक्ष्यों को लेकर बात की। साथ ही कहाकि भारत बड़े सपने देख रहा है। इस मौके पर पीएम ने ओलंपिक होस्ट करने और भारत के ग्रोथ इंजन बनने समेत चार लक्ष्यों का ऐलान किया। उन्होंने कहाकि आज यहां जो माहौल है उसे देखकर लग रहा है कि द हेग लिविंग सिंबल ऑफ इंडियन फ्रेंडशिप बन गया है। ये दिखाता है कि पासपोर्ट का रंग बदल सकता है, एड्रेस भी बदल सकता है, टाइम जोन भी बदल सकता है लेकिन मां भारती की संतानें नहीं।

● **कई सभ्यताएं मिट गईं, लेकिन भारतीय संस्कृति नहीं-** इससे पहले लोगों की जोरदार तालियों और नारों के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हेग में आयोजित सामुदायिक कार्यक्रम के मंच पर पहुंचे। उन्होंने कहाकि कई सभ्यताएं मिट गईं, लेकिन भारत की विविध संस्कृति आज भी लोगों के दिलों में धड़कती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहाकि आज से 12 वर्ष पहले 2014 में 16 मई 2014 कुछ खास हुआ था। 2014 में आज के ही दिन लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे।

● भयानक अलनीनो आ गया! मई से फरवरी 2027 तक ढाएगा कहर...

भीषण गर्मी, कम बारिश, कहीं सूखा तो कहीं बाढ़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इस साल सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच सुपर अल-नीनो भी एक्टिव हो सकता है। अमेरिकी मौसम एजेंसी 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (नोआ) के अनुसार यह मई-जुलाई के दौरान ही दस्तक दे सकता है। नोआ ने बताया कि प्रशांत महासागर का तापमान इस बार मई में सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यह गर्मी की स्थिति इस बार पूरे मानसून सीजन के दौरान बनी रह सकती है।

पिछले महीने जारी अनुमान में यह संभावना 61 फीसदी थी, जो अब बढ़कर 82 फीसदी हो गई है। भारतीय मौसम विभाग के चीफ मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि इसका सीधा असर मानसून की बारिश पर पड़ेगा। इससे देश में सूखे का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई, 2026 के आसपास जल्दी आगमन का आधिकारिक पूर्वानुमान लगाया है। यह सामान्य आगमन तिथि 1 जून से पहले है और 2025 सहित हाल के समय में मानसून के जल्दी आगमन की प्रवृत्ति को जारी रखता है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन के ईएनएसओ पूर्वानुमान के अनुसार, अलनीनो के जल्द ही विकसित होने की संभावना है।

अलनीनो के बारे में नए पूर्वानुमान ने डराया

14 मई को प्रकाशित एक नए पूर्वानुमान में, एजेंसी का अनुमान है कि आगामी अलनीनो के अक्टूबर से शुरू होने पर मजबूत या बहुत मजबूत श्रेणी में आने की 65 फीसदी संभावना है, जो इसे रिकॉर्ड किए गए इतिहास में सबसे मजबूत अलनीनो में से एक बना सकता है। अक्टूबर से फरवरी की अवधि के लिए अत्यंत शक्तिशाली अलनीनो यानी समुद्र की सतह के तापमान में 3.6 डिग्री फारेनहाइट (2 डिग्री सेल्सियस) की बढ़ोतरी, जिसे अनौपचारिक रूप से सुपर अलनीनो कहा जाता है। कुछ एक्सपर्ट तो इसे राक्षस तक कहते हैं।

2023-24 को अलनीनो ने बनाया सबसे गर्म साल

दुनिया का सबसे हालिया अलनीनो मई 2023 से मार्च 2024 तक चला और 2024 को अब तक का सबसे गर्म वर्ष बनाने के लिए आंशिक रूप से जिम्मेदार था। क्लाइमेट ब्रीफ के 21 अप्रैल को प्रकाशित जलवायु आकलन के अनुसार, यदि आगामी अलनीनो शक्तिशाली या अत्यंत शक्तिशाली होता है, तो 2027 पिछले रिकॉर्ड को पार कर सकता है। दरअसल, आने वाला अलनीनो खुद ही रिकॉर्ड तोड़ सकता है। अल्बानी विश्वविद्यालय में वायुमंडलीय और पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर पॉल राउंडी ने 5 मई को एक्स पर लिखा- 1870 के दशक के बाद से सबसे बड़े अल नीनो की संभावना को लेकर विश्वास स्पष्ट रूप से बढ़ रहा है।

मई से लेकर जुलाई के बीच सुपर अलनीनो आएगा

अब इस बात की भी 82 फीसदी संभावना है कि अलनीनो अब से जुलाई के बीच आ जाएगा और यह चरण फरवरी 2027 तक जारी रहने की प्रबल संभावना है। यह अप्रैल के पूर्वानुमान की तुलना में निश्चितता में लगभग 20 प्रतिशत अंकों की वृद्धि है, जिसमें कहा गया था कि अल नीनो निकट ही आने वाला है। अलनीनो की घटनाएं हर दो से सात वर्षों में होती हैं, जब उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में हवा और समुद्री धाराओं के पैटर्न में बदलाव के कारण समुद्र की सतह का तापमान ऐतिहासिक औसत से 0.9 फ़ारेनहाइट (0.5 डिग्री सेल्सियस) अधिक हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक जलवायु पर गहरा प्रभाव पड़ता है। दुनिया तेजी से तटस्थ अवस्था से बाहर निकल रही है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

नफरत की आग कब बुझेगी? अब कारपोरेट जिहाद

हाल में महाराष्ट्र का नासिक शहर दो बार अखबारों की सुर्खियों में रहा। पहली बार अशोक खरात के मामले को लेकर, जो एक ढ़ोंगी बाबा था और महिलाओं, खासकर समाज के उच्च वर्ग की महिलाओं, का यौन शोषण करता था। उसने अपनी छवि एक चमत्कारी बाबा की बनाने के लिए कुछ नए तरीके अपनाए। वह लोगों को उनका अतीत, वर्तमान और भविष्य बताकर प्रभावित करता था। वह महिलाओं को ब्रेन वाश कर उन्हें अपना अनुयायी बनाता था और उन्हें अपना सब कुछ उसे समर्पित कर देने के लिए राजी कर अपनी शारीरिक भूख मिटाता था। उसने सांप और अन्य जंगली जानवर पाले हुए थे और वह इन जानवरों से महिलाओं को डराकर कर उन्हें अपनी बात मानने के लिए मजबूर करता था। अंधश्रद्धा के इसी क्रम में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई, धीरेन्द्र शास्त्री, जिन्हें बागेश्वर धाम बाबा के नाम से जाना जाता है, से मिलने गए। यहां यह बताना प्रासंगिक होगा कि गवई यह दावा करते हैं कि वे डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के अनुयायी हैं। अम्बेडकर केवल और केवल तार्किकता में विश्वास रखते थे। इस मामले को मीडिया ने थोड़ा-बहुत कव्हर किया और बजरंग दल और उसके जैसे अन्य संगठन चुप्पी साधे रहे क्योंकि यह एक हिन्दू बाबा द्वारा हिन्दू महिलाओं के दैहिक शोषण का मामला था मगर चूंकि इसमें कोई

मुसलमान शामिल नहीं था।

लेकिन इसके कुछ ही दिनों बाद नफरती तत्वों को इसी नासिक से नफरत की आग भड़काने के लिए पुलिस की एक रिपोर्ट के रूप में भरपूर ईंधन मिल गया। इस रपट में एक हिंदू लड़की ने दावा किया था कि एक मुस्लिम कर्मचारी उसका यौन शोषण कर रहा है। इस मुस्लिम कर्मचारी का इस लड़की से अफेयर चल रहा था और लड़की के मुताबिक उस मुस्लिम युवक ने उससे शादी करने का वादा किया था, किंतु बाद में वह मुकर गया। पुलिस को की गई इस शिकायत से पुलिस और हिन्दुत्ववादी तत्वों को सक्रिय होने का अवसर मिल गया और पुलिस की एक गोपनीय कार्यवाही शुरू हुई। पुलिस की जांच, जिसकी सराहना राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस तक ने की, के अनुसार टाटा कन्सलटेंसी सर्विसिस (टीसीएस) में धर्मपरिवर्तन कराने की एक योजनाबद्ध साजिश को अमल में लाया जा रहा था। कुछ मुस्लिम कर्मचारी (जिनकी संख्या सात थी) हिंदू कर्मचारियों को लालच देकर और डरा धमका कर उनसे नमाज पढ़वाने और उन्हें गौमांस खिलाने का अभियान चला रहे थे। इस मामले से जुड़ी खबरें मीडिया में छाई हुई हैं और एक नया शब्द ह्यकारपोरेट जिहादद्ब गढ़ लिया गया है। इससे आशय यह है कि बड़ी कंपनियों में मुस्लिम कर्मचारी लव जिहाद और धर्मपरिवर्तन में जुटे हुए हैं। टीसीएस ने सभी आरोपी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया, और कहा कि कदाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। टाटा सन्स के प्रमुख एन. चन्द्रशेखरन ने इन आरोपों को ह्यअत्यंत चिंतानकद्ब बताया। सिटीजन्स कमेटी, मुंबई (एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्षन ऑफ सिविल राईट्स और पीयूसीएल की संयुक्त समिति), निरंजन टल्के और अन्यों ने इस मामले की जांच-पड़ताल की। जांच पूरी होने के बाद उन्होंने मुंबई में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। टल्के ने बताया कि पुलिस की जांच में कई गड़बड़ियां और कमियां हैं। पहली, यह कि निदा खान, जो एचआर विभाग की प्रमुख थी, महिला कर्मचारियों को मजबूर करके अपना शिकार बनाती थी। सच यह है कि निदा खान एचआर विभाग की प्रमुख नहीं बल्कि मात्र एक टेलिकालर थी। यह दावा कि इस साजिश पर पिछले चार सालों से अमल किया जा रहा था, बिल्कुल गलत है क्योंकि टीसीएस के नासिक कार्यालय से धर्मपरिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार करने का एक भी मामला सामने नहीं आया है। धर्म परिवर्तन की एक घटना जरूर हुई है जिसमें जोहाना नाम की एक ईसाई लड़की ने हिंदू धर्म ग्रहण किया है। समिति ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, वे अन्य लोगों को जबरदस्ती गौमांस खिलाते थे। क्या यह मुमकिन है कि थोड़े से कर्मचारी अन्य कर्मचारियों को, जिनकी संख्या उनसे कई गुना अधिक है, को कुछ भी खाने के लिए मजबूर कर सकें। इसके अलावा मुख्य आरोपी दानिश शेख पर दुष्कर्म और उस लड़की से अपनी वैवाहिक स्थिति छिपाने का जो आरोप लगाया गया है, वह भी सच नहीं लगता क्योंकि दानिश की पत्नि और तथाकथित पीड़ित लड़की के बीच व्हाटसएप पर संदेशों का आदान-प्रदान होता रहता था। साथ ही यह लड़की दानिश के साथ मोटरसाईकिल पर नासिक से 27 किलोमीटर दूर पर्यटन स्थल त्रयंबकेश्वर गई थी। यह सवाल किए जाने पर कि मुस्लिम कर्मचारियों की छवि बिगाड़ने की इस योजना का उद्धेश्य क्या है, टल्के ने कहा कि ऐसा लगता है कि इसका उद्धेश्य सभी मुसलमानों के प्रति नफरत बढ़ाना था। पत्रकार वार्ता में मौजूद तीस्ता सीतलवाड, जो मानवाधिकारों एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए अथक प्रयास करती रहती हैं, ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह सुनिश्चित करने का योजनाबद्ध प्रयास किया जा रहा है कि कंपनियां शिक्षित मुस्लिम युवाओं को नौकरी न दें। यह शिक्षित मुसलमानों पर उन्हें बदनाम करने के उद्धेश्य से किया गया हमला है। इस पूरे मामले को साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा इन दो लक्ष्यों की पूर्ति के लिए उठाया गया है। समिति के सदस्यों ने इस ओर भी ध्यान दिलाया कि मीडिया द्वारा तथ्यों की पुष्टि किए बिना दहशत पैदा करने का यह काम बहुत परेशान करने वाला है। निदा खान, जिसे इस पूरी साजिश का मुख्य पात्र बताया जा रहा है, का कई महीने वाले मुंबई कार्यालय में स्थानांतरण हो चुका था जहां वह अपने परिवार के साथ रह रही थी। ह्यहिंदू खतरे में हैंह्य की धारणा को एक बार फिर खाद-पानी दिया जा रहा है। धर्मपरिवर्तन और लव जिहाद का प्रोपेगेंडा इसके मुख्य हथियार नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही इसका उद्धेश्य टीसीएस जैसी कंपनियों में मुसलमानों को रोजगार मिलने की संभावना को कम करना भी है। यौन उत्पीड़न की घटनाओं के संबंध में अशोक खरात के मामले को दबाने और दानिश के मामले को बढ़ा-चढ़ाकर, झूठ का सहारा लेकर, उछालने का मीडिया का यह रवैया अत्यंत निंदनीय है। हम यहां से किस तरफ जाएंगे? साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा गढ़ा गया आख्यान कुछ ही घंटों में समाज को जकड़ लेता है जबकि पूरी सच्चाई सामने आने में कई दिन या हफ्ते लग जाते हैं। साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा स्थापित किया गया तंत्र, मीडिया की मदद और जांच एजेन्सियों का पक्षपातपूर्ण रवैया एक खतरनाक मिश्रण है जो नफरत बढ़ाता है और अल्पसंख्यक समुदाय को हाशिए की ओर धकेल देता है। जहां तक लव जिहाद की बात है, यह बांटने वाली ताकतों के हाथ आया बहुत बड़ा हथियार है जिसके जरिए वे हिंदू लड़कियों की आजादी पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाने में कामयाब हो रहे हैं। इस मामले में की गई गहन जांच-पड़तालों से यह निष्कर्ष निकलता है कि यह कपोल कल्पित प्रोपेगेंडा के अलावा कुछ नहीं है। हादिया (धर्मपरिवर्तन के पूर्व अखिला) के मामले सहित ऐसे ज्यादातर मामले जो न्यायालयों तक पहुंचे, में यह साबित हुआ लड़कियों द्वारा स्वतंत्रतापूर्वक, स्वेच्छा से फैसले लिए गए थे। ह्यकेरेला स्टोरीह्य फिल्म ने इस दिशा में प्रोपेगेंडा को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका अदा की। मुसलमान लव जिहाद और धर्मपरिवर्तन के जरिए अपनी जनसंख्या बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, यह आरोप इतनी बार दुहराया गया है कि लोग इसे सुनते-सुनते ऊब गए हैं। यह हिंदू राष्ट्रवादियों द्वारा अत्यंत कुशलता पूर्वक चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है जिसके निशाने पर मुस्लिम समुदाय है। अब वे योजनाबद्ध तरीके से टीसीएस जैसे मामले उठाकर मुस्लिम युवकों के रोजगार हासिल करने की राह में बाधाएं खड़ी कर रहे हैं। हमें याद है कि कोविड-19 महामारी के दौरान ह्यकोरोना जिहादद्ब जैसे शब्द गढ़े गए थे। उस समय यह प्रोपेगेंडा फैलाया गया था कि मुसलमान कोरोना फैला रहे हैं, इसलिए फेरी लगाकर सामान बेचने वाले मुसलमानों को कालोनियों में प्रवेश नहीं करने देना चाहिए। अब मुस्लिम दुकानदारों का बहिष्कार करने के आव्हान खुलेआम हो रहे हैं। कई लोग यह दावा कर रहे हैं कि साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाओं में गिरावट आ रही है और पिछले कुछ वर्षों में कोई बड़ा साम्प्रदायिक दंगा नहीं हुआ है। मगर हिंसा की छोटी-मोटी, विभिन्न इलाकों में छितरी हुई घटनाएं बड़ी संख्या में हो रही हैं

चौतरफा महंगाई

बृहस्पतिवार को जारी सरकारी आंकड़ों से पता चला कि एक माह के भीतर ही थोक महंगाई दर दुगनी हो गई है। जो कि पिछले 42 महीनों के उच्चतम स्तर पर जा पहुंची है। अब शुक्रवार को पेट्रोल व डीजल तथा सीएनजी के दामों में वृद्धि ने आम आदमी को व्यथित कर दिया। जाहिर है पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि से न केवल यातायात महंगा हो जाता है बल्कि मालभाड़ा बढ़ने से हर चीज के दामों में उछाल आ जाता है। वहीं रोजमर्रा का सामान बनाने वाली कंपनियां दुहाई दे रही हैं कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि से उनकी उत्पादन लागत में दस से बीस फीसदी की वृद्धि हुई है। फलतः इन कंपनियों ने छूट व प्रचार खर्च में कटौती कर-के भंडारण क्षमता व आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना प्राथमिक लक्ष्य बनाया है। अतः देश की एफएमसीजी रोजमर्रा के सामान की लागत बढ़ने व मुनाफे पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिये चरणबद्ध तरीके से वस्तुओं के दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। यह भी हकीकत है कि पिछली तिमाही में ये एफएमसीजी पहले ही तीन से पांच प्रतिशत की वृद्धि वस्तुओं की कीमतों में कर चुकी हैं। फलतः आम उपभोक्ता को अभी और महंगाई को झेलने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि रुपये के गिरते मूल्य ने भी कीमतें बढ़ाने का दबाव बनाया है। कंपनियां अपना मुनाफा बनाये रखने के लिये कीमतें बढ़ाने और पैकेटबंद उत्पादों की मात्रा घटाने की रणनीति पर काम कर रही हैं। आशंका जतायी जा रही है कि पेट्रोल व डीजल के दामों में तीन-तीन रुपये की वृद्धि के बाद टेलीकॉम कंपनियां रिचार्ज प्लान बढ़ा सकती हैं। उनका दावा है कि मोबाइल टॉवर को चलाने में आने वाला 40 फीसदी खर्च सिर्फ पेट्रोल और बिजली पर होता है। यह खर्चा टैरिफ बढ़ाकर ग्राहकों पर डाला जा सकता है। वहीं सरकारी तेल कंपनियां कह रही हैं कि होर्मुज स्ट्रेट बाधित होने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के बाद उन्होंने मामूली वृद्धि पेट्रोल व डीजल के दामों में की है। निश्चित रूप से पश्चिम एशिया संकट के चलते उपजे हालात ने बताया है कि भारत को ऊर्जा सुरक्षा नीति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रधानमंत्री द्वारा ईंधन की खपत को कम करने के आह्वान के कुछ दिन बाद ही पेट्रोल, डीजल व सीएनजी के दामों में बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी चार साल से अधिक समय में पहली बार की गई है। निस्संदेह, खाड़ी संकट से उपजे हालात में कीमतों में यह वृद्धि अनिवार्य लग रही थी। माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु आदि राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के चलते ही सरकार ने यह कदम देर से उठाया है। चुनाव परिणाम आने के बाद जब हैदराबाद में प्रधानमंत्री ने देशवासियों से ईंधन खपत में कटौती करने का आगाह किया था, तो संकेत माना गया कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि हो सकती है। सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान की ओर इशारा करते हुए मूल्य वृद्धि का बचाव किया है। रिपोर्ट बताती है कि देश के सार्वजनिक क्षेत्र के रिटेलर्स रोजाना एक हजार करोड़ का नुकसान उठा रहे हैं,जबकि कच्चे तेल की कीमत सौ डॉलर प्रति बैरल थी। निस्संदेह, पहले ही मुद्रास्फीति व स्थिर आय से जूझ रहे नागरिकों को सरकार की यह दलील गले नहीं उतरेगी। वैसे भी चुनावी रणनीति के मद्देनजर संचालित आर्थिक निर्णय सार्वजनिक विश्वास में कमी लाते हैं। जाहिर बात है कि करोड़ों मध्यम वर्गीय परिवार, किसान व छोटे व्यवसाय चलाने वाले लोगों के लिए बढ़ी ईंधन दरें जल्दी ही भोजन, परिवहन और आवश्यक वस्तुओं को महंगा बना देती हैं।

चिंतन-मनन

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।

केरल से कांग्रेस आलाकमान का संदेश: जमीनी नेताओं को मिलेगी कमान

दिलीप कुमार पाठक

केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की बंपर जीत के बाद कांग्रेस आलाकमान ने एक बहुत बड़ा और सकारात्मक राजनीतिक फैसला लिया है। दिल्ली दरबार ने किसी भी गुटबाजी के आगे न झुकते हुए केरल के लोकप्रिय नेता वी. डी. सतीशन को नया मुख्यमंत्री चुनकर देश भर के कार्यकताओं को एक ठोस संदेश दिया है। यह संदेश जनता की तरफ से नहीं, बल्कि खुद कांग्रेस नेतृत्व की ओर से आया है, जिसने यह जता दिया है कि अब पार्टी पुराने ढर्रे और गलतियों से सबक सीख चुकी है।

आलाकमान का यह कदम साफ इशारा करता है कि संगठन को मजबूत करने के लिए अब केवल जमीन पर पसीना बहाने वाले चेहरों को ही तवज्जो दी जाएगी।कांग्रेस के इतिहास में लंबे समय से एक बड़ी कमजोरी रही है, जहां जमीन पर रात-दिन काम करने वाले जनप्रिय नेताओं की जगह दिल्ली में लॉबिंग करने वाले नेताओं को कमान सौंप दी जाती थी। मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनावों में जनता और कार्यकर्ता दिल से चाहते थे कि ज्योतिरादित्य सिंधिया और सचिन पायलट जैसे ऊर्जावान युवाओं को मुख्यमंत्री बनाया जाए। लेकिन दिल्ली दरबार ने पुराने समीकरणों को प्राथमिकता देते हुए कमलनाथ और अशोक गहलोत के हाथों में सत्ता सौंप दी। नतीजा यह हुआ कि संगठन कमजोर होता गया और अंदरूनी कलह से राज्यों में बनी-बनाई सरकारें हाथ से निकल गईं या कमजोर हो गईं। ठीक ऐसा ही हाल आज कर्नाटक और हरियाणा में भी देखने को मिल रहा है। कर्नाटक में सिद्धासरमैया और डी. के. शिवकुमार के बीच की खींचतान और हरियाणा की आंतरिक गुटबाजी ने पार्टी संगठन को भारी नुकसान पहुंचाया है। केरल के ताजा फैसले से कार्यकताओं में यह बड़ी उम्मीद जगी है कि आलाकमान अब बहुत जल्द कर्नाटक और हरियाणा की इस आपसी लड़ाई को भी इसी कड़े नेतृत्व के साथ हमेशा के लिए दूर करेगा। पार्टी के शीर्ष नेताओं को अब बिना वक्त गंवाए इन दोनों राज्यों के मतभेदों को सुलझाना चाहिए ताकि वहां भी संगठन को एकजुट और मजबूत किया जा सके। केरल में लिया गया यह फैसला पूरी पार्टी के लिए एक बेहतरीन नजीर बन गया है।

वी. डी. सतीशन पिछले पांच सालों से विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में लगातार सरकार को घेर रहे थे और कार्यकताओं के सुख-दुख में साथ खड़े थे। आलाकमान ने जमीनी हकीकत को सर्वोपरि मानकर उनके नाम पर मुहर लगाई। इससे पैराशूट नेताओं का दौर खत्म हुआ है और कार्यकताओं में नया उत्साह जागा है। उन्हें यह भरोसा मिला है कि अब दिल्ली की पैरवी नहीं, बल्कि जमीन पर किया गया काम ही नेता तय करेगा। इस निर्णय के साथ ही विपक्ष का वह एजेंडा भी पूरी तरह हवा में उड़ गया, जिसमें दुष्प्रचार किया जा रहा था कि होने वाले मुख्यमंत्री इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के पसंदीदा हैं और कांग्रेस तुष्टिकरण के रास्ते पर चल रही है। सतीशन की धर्मनिरपेक्ष और बेदाग छवि ने इस पूरे राजनीतिक एजेंडे को ध्वस्त कर दिया है। क्यों कि मुख्यमंत्री पद की कमान संभालने से ठीक पहले, वी. डी. सतीशन ने तिरुवनंतपुरम के ऐतिहासिक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर जाकर भगवान विष्णु की पूरी विधि-विधान से पूजा-पाठ की और उनका आशीर्वाद लिया। पारंपरिक सफेद मुंडू और शॉल में उनकी मंदिर की ये तस्वीरें यह साफ करती हैं कि वे जनता की सांस्कृतिक आस्थाओं का कितना गहराई से सम्मान करते हैं और सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। कुल मिलाकर, केरल के बहाने कांग्रेस आलाकमान ने खुद को बदलने और सुधारने का एक बड़ा संदेश दिया है। अब पार्टी को बिना समय गंवाए कर्नाटक और हरियाणा जैसे राज्यों में चल रहे पुराने मकड़जाल को भी पूरी तरह साफ करना होगा। जब तक दिल्ली से थोपे जाने वाले फैसलों को बंद करके जमीनी संघर्ष करने वालों को हक नहीं मिलेगा, तब तक पूरे देश में संगठन मजबूत नहीं हो सकता। केरल का यह नया मॉडल ही कांग्रेस के भविष्य की असली राह है जिससे पूरे देश की राजनीति प्रभावित होगी।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

ललित गर्ग

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को ह्यसावधान रहनेह्व की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मयार्दा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएं एवं बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

सच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बाद सक्रिय होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। हर बार घटना के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों की बेटियां इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुरक्षा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि आखिर महिलाएं और बालिकाएं बार-बार ऐसे अत्याचारों का शिकार क्यों बन रही हैं? इसका कारण केवल अपराधियों की क्रूरता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता भी है। सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव दिखाई देता है। लोग तमाशबीन बन जाते हैं। कई बार पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है-उसके कपड़े, समय, जीवनशैली और व्यवहार पर सवाल उठाए जाते हैं। यह मानसिकता अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि समाज पूरी तरह पीड़िता के साथ खड़ा नहीं होगा। कब तक महिलाएं अपने ही शहरों, बसों, गलियों और कार्यस्थलों पर भय के साथ जीती रहेंगी? कब तक माता-पिता अपनी बेटियों के घर लौटने तक चिंता में डूबे रहेंगे? यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा का प्रश्न है। जिस समाज में आधी आबादी स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे, वह समाज वास्तव में सभ्य नहीं कहलाया जा सकता।

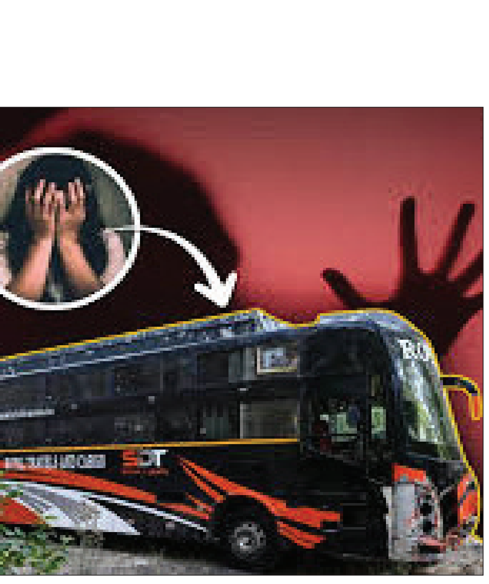

आज आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आत्ममंथन की है। कानून अपराधी को दंड दे सकता है, लेकिन समाज ही मानसिकता बदल सकता है। स्कूलों और परिवारों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। बेटियों को भय में जीना नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीना सिखाना होगा। फिल्मों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में स्त्री की वस्तुवादी छवि पर भी गंभीर विमर्श जरूरी है, क्योंकि संस्कृति और मनोरंजन भी समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। प्रशासन को भी केवल घटनाओं के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में रियल-टाइम जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन और नियमित निगरानी को पूरी कठोरता से लागू करना होगा। निजी परिवहन संचालकों और कर्मचारियों का गहन सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा कोई ह्यमहिला मुद्दाह्व नहीं, बल्कि मानवता और सभ्यता का प्रश्न है। जब तक स्त्री को समान सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक विकास के सारे दावे अधूरे रहेंगे।

नांगलोई की यह घटना केवल एक समाचार नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि अब भी हम नहीं जागे, तो निर्भया जैसी त्रासदियां बार-बार हमारे सामने आती रहेंगी और हर बार हमारी संवेदनहीनता, हमारी प्रशासनिक विफलता और हमारी विकृत मानसिकता हमें कठघरे में खड़ा करती रहेगी। प्रश्न यही है-आखिर कब तक? तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के बावजूद भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। ह्यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताद्ब- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे ह्यभोग की वस्तुद्ब समझकर आदमी ह्यअपने तरीकेद्ब से ह्यइस्तेमालद्ब कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

नोएडा में गारमेंट फैक्ट्री की दो फैक्ट्री में भीषण आग

नोएडा (एजेंसी) के सेक्टर-63 स्थित डी-140 इगल बिजनेस कॉरपोरेशन और डी 139 शौर्य एकसपोर्ट नाम की गारमेंट फैक्ट्री में शनिवार दोपहर को भीषण आग लग गई। दमकल की एक-एक करके16 गाड़ियों को भेजा गया। करीब दो घंटे मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग फैक्ट्री के ग्राउंड फ्लोर पर बने सेटबैक एरिया में लगी, जहां ऐसी में शॉट सर्किट हुआ। यही कंपनी का जनरेटर रखा था। इसी स्थान पर कंपनी ने गोदाम भी बना रखा था, जिसकी चपेट में आने से आग तेजी से फैल गई। इसी से ही दूसरी कंपनी में आग लग गई। दोनों ही कंपनियों में गारमेंट का काम होता है। इसलिए आग तेजी से फैली। फैक्ट्री में आग लगने की जानकारी मिलते ही वहां मौजूद कर्मचारी और अन्य लोग तुरंत बाहर निकल आए। राहत की बात यह रही कि आग में किसी के फंसे होने की सूचना नहीं है। हालांकि आग से फैक्ट्री में भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। आग की चपेट में पास की एक अन्य कंपनी भी आ गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं बताया जा रहा है कि आग करीब पौने दो बजे लगी। फैक्ट्री के गार्ड ने घटना की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 16 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने आसपास की इमारतों पर भी पानी का छिड़काव किया, ताकि आग को दूसरी इमारतों तक फैलने से रोका जा सके। आग से उठ रहा काला धुआं काफी दूर से दिखाई दे रहा था। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। शुरूआती आशंका शॉर्ट सर्किट की जताई जा रही है। वहीं जनरेटर के आसपास आग लगने की संभावना भी बताई जा रही है। दमकल विभाग की टीमें दोपहर बाद तक आग पर काबू पाने में जुटी रहीं।

नोएडा में मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती:प्रेम प्रसंग का है मामला

नोएडा (एजेंसी) सेक्टर-62 टोट मॉल रोड सी ब्लाक ग्रीन बेल्ट में लगे मोबाइल टावर पर युवती चढ़ गई। युवती की उम्र करीब 20 साल बताई जा रही है। युवती ने खुद ही डायल-112 नंबर पर फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग की टीम पहुंची। पहले युवती से बातचीत की गई उसे समझाया गया उसके बाद उसे नीचे उतारा गया। युवती का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। पुलिस ने बतया कि युवती का युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती दो साल से युवक के साथ मामूरा गांव में रह रही थी। दोनों ही एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करते है। हाल ही में युवक अपने गांव बिहार चला गया। वहां वो किसी अन्य युवती से शादी कर रहा है। ये बाद युवती को पता चली। जिसके बाद वो टावर चढ़ गई। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। काफी समझाने के बाद युवती को टावर से नीचे उतारा गया। टावर पर चढ़ने के साथ ही मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई। 30 मिनट तक पुलिस उसे समझाती रही। कई बार महिला कांस्टेबल ने युवती से बात की। बाद में युवती को सकुशल नीचे उतारा गया।

नोएडा प्राधिकरण ने लॉन्च की बड़ी प्लॉट स्कीम:इंडस्ट्री, अस्पताल, स्कूल और होटल के लिए जमीन आवंटित होगी

नोएडा (एजेंसी) प्राधिकरण ने एक साथ इंडस्ट्रियल, इंस्टीट्यूशनल और कमर्शियल श्रेणी की बड़ी स्कीम लॉन्च की है। इसके तहत इंडस्ट्री, अस्पताल, नर्सिंग होम, स्कूल, कॉरपोरेट ऑफिस और होटल के लिए प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। इच्छुक आवेदक 19 मई से आवेदन कर सकेंगे। प्राधिकरण के अनुसार, 9 जून शाम 5 बजे तक ईएमडी जमा की जाएगी, जबकि आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जून तय की गई है। इसके बाद ई-ऑक्शन और साक्षात्कार प्रक्रिया के जरिए प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। रिजर्व प्राइज से अधिक बोली लगाने वाले आवेदकों को प्लॉट आवंटित होंगे। नोएडा प्राधिकरण ने इंडस्ट्रियल श्रेणी में कुल 19 प्लॉट की स्कीम निकाली है। इन प्लॉट्स पर मैन्युफैक्चरिंग और प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की जा सकेंगी। ये प्लॉट सेक्टर-3, 6, 7, 9, 10, एचसी, 80, 162, 164, फेज-2 और सेक्टर-67 में स्थित हैं। प्लॉट का आकार 115 वर्गमीटर से लेकर 7997 वर्गमीटर तक है। इनका रिजर्व प्राइज करीब 65 लाख रुपए से लेकर 18 करोड़ रुपए तक रखा गया है। स्कूल, अस्पताल और नर्सिंग होम के लिए भी प्लॉट इंस्टीट्यूशनल श्रेणी में स्कूल, अस्पताल, नर्सिंग होम और कॉरपोरेट ऑफिस के लिए भी प्लॉट निकाले गए हैं। स्कूल के लिए सेक्टर-19 में 18 हजार वर्गमीटर का प्लॉट रखा गया है, जिसका रिजर्व प्राइज 143 करोड़ रुपए है। वहीं सेक्टर-42 में करीब 5 हजार वर्गमीटर का दूसरा प्लॉट है, जिसकी कीमत करीब 21 करोड़ रुपए तय की गई है। इन दोनों प्लॉट्स का आवंटन साक्षात्कार के जरिए किया जाएगा। अस्पताल के लिए सेक्टर-117 और सेक्टर-145 में 10-10 हजार वर्गमीटर के प्लॉट निकाले गए हैं। इनका आवंटन भी इंटरव्यू प्रक्रिया से होगा। वहीं नर्सिंग होम के लिए सेक्टर-41 और सेक्टर-47 में 1-1 हजार वर्गमीटर के दो प्लॉट रखे गए हैं। इनका आवंटन ई-ऑक्शन के जरिए किया जाएगा। होटल और कमर्शियल प्रोजेक्ट के लिए भी अवसर नोएडा प्राधिकरण ने कमर्शियल बिल्डर प्लॉट स्कीम भी लॉन्च की है। इसमें बड़े होटल और कमर्शियल प्रोजेक्ट के लिए कई प्लॉट शामिल किए गए हैं। 20 हजार वर्गमीटर से बड़े तीन प्लॉट सेक्टर-18, 96 और 93बी में निकाले गए हैं। इनका क्षेत्रफल 29 हजार से 37 हजार वर्गमीटर तक है। इसके अलावा 20 हजार वर्गमीटर से कम क्षेत्रफल वाले दो प्लॉट सेक्टर-18 और सेक्टर-94 में रखे गए हैं। होटल निर्माण के लिए सेक्टर-71, 124 और 142 में तीन प्लॉट उपलब्ध कराए गए हैं। इनका क्षेत्रफल 7500 से 12570 वर्गमीटर तक है। इनका आवंटन ई-ऑक्शन के माध्यम से किया जाएगा।

नोएडा में 21 मई तक चलेगी सेल्फ एन्यूमरेशन प्रक्रिया:घर-घर जाकर भी होगी जनगणना

नोएडा (एजेंसी) प्राधिकरण में जनगणना के बारे में जानकारी देते एसीईओ वंदना त्रिपाठी और ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह। नोएडा में जनगणना को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी ने मीडिया से बातचीत कर बताया कि 7 से 21 मई 2026 तक सेल्फ एन्यूमरेशन की प्रक्रिया चल रही है। नागरिक वेबसाइट पर जाकर खुद अपनी जनगणना संबंधी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। होगा। इससे नागरिकों और कर्मचारियों दोनों का समय बचेगा। प्राधिकरण के मुताबिक, जनगणना का सीधा संबंध विकास योजनाओं से होता है, इसलिए सभी लोगों से इसमें सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। सूचनाओं को रखा जाएगा गोपनीय इसके अलावा 22 मई से 20 जून 2026 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि नोएडा वासी जनगणना कर्मियों को सहयोग करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनगणना से जुड़ी सभी सूचनाएं पूरी तरह गोपनीय रहेंगी और उनका किसी भी प्रकार से दुरुपयोग नहीं किया जाएगा। बैठक में यह भी बताया गया कि इस समय प्रगणकों का प्रशिक्षण चल रहा है। बिना कारण अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अब ग्रीन फ्रेट कॉरिडोर की तैयारी; CM रेखा गुप्ता ने बताई भविष्य की योजनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी) मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि लॉजिस्टिक्स ईज अक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स (लीड्स) 2025 इंडेक्स में दिल्ली को देश की सबसे ऊंची इग्जेम्प्लर (उत्कृष्ट) श्रेणी में जगह मिली है। उन्होंने इसे राजधानी के लिए गर्व का क्षण बताया। दिल्ली ने लॉजिस्टिक्स और माल ढुलाई व्यवस्था में देशभर में नई पहचान बनाई है। लीड्स 2025 इंडेक्स में राजधानी को सर्वोच्च इग्जेम्प्लर श्रेणी मिलने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब दिल्ली को देश का सबसे आधुनिक, टिकाऊ और टेक्नोलॉजी आधारित लॉजिस्टिक्स हब बनाने की दिशा में तेजी से काम होगा। इसके तहत ग्रीन वेयरहाउसिंग, फ्रेट कॉरिडोर और मेट्रो-कार्गो जैसी योजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉजिस्टिक्स ईज अक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स (लीड्स) 2025 इंडेक्स में दिल्ली को देश की सबसे ऊंची इग्जेम्प्लर (उत्कृष्ट) श्रेणी में जगह मिली है। उन्होंने इसे राजधानी के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि ये उपलब्धि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल सिस्टम और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पर लगातार काम का परिणाम है। दिल्ली में अचीवर श्रेणी से ऊपर छलांग लगाई मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली ने 2023 और 2024 में अचीवर श्रेणी से आगे बढ़ते हुए इस बार देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। लीड्स इंडेक्स राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मूल्यांकन लॉजिस्टिक्स सेवाएं, इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल इंटीग्रेशन, नियामकीय व्यवस्था और स्थिरता जैसे मानकों पर करता है। दिल्ली का सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के तहत दिल्ली का सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार हो चुका है और जल्द अधिसूचित किया जाएगा। इससे शहरी माल परिवहन, अंतिम चरण की डिलीवरी और फ्रेट मैनेजमेंट अधिक व्यवस्थित होगा। पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर 46 में से 38 अनिवार्य लेयर्स का इंटीग्रेशन पूरा किया जा चुका है, जबकि 317 अतिरिक्त लेयर्स भी जोड़ी गई हैं। दिल्ली सिंगल विंडो सिस्टम और यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी) के जरिए लॉजिस्टिक्स निवेश और अनुमति प्रक्रियाओं को आसान बना रही है। एपीआई आधारित रियल टाइम मॉनिटरिंग से विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बन रहा है।नए प्रोजेक्ट बढ़ाएंगे स्पीड मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली मेट्रो के फेज-4 विस्तार, यूईआर-2, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे और आरआरटीएस नमो भारत कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट राजधानी को बड़े लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में बदल रहे हैं। इसके अलावा डीएमआरसी ने ब्लू डार्ट के साथ मिलकर मेट्रो-कार्गो पायलट प्रोजेक्ट भी शुरू किया है, जिसके तहत रात और नॉन-पीक घंटों में मेट्रो से पार्सल ढुलाई की जा रही है। जल्द आएगी नई वेयरहाउसिंग लॉजिस्टिक्स पॉलिसी मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार जल्द वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स पॉलिसी 2025 लागू करेगी। इसका मकसद शहर में ट्रैफिक और माल ढुलाई से जुड़ी अव्यवस्था को कम करना है। नीति के तहत ग्रीन वेयरहाउसिंग, डिजिटल फ्रेट सिस्टम और संगठित ट्रांसपोर्ट हब विकसित किए जाएंगे। मालवाहक ट्रैफिक के लिए फ्रेट कॉरिडोर सरकार अब समर्पित फ्रेट कॉरिडोर बनाने की दिशा में भी काम कर रही है, ताकि भारी मालवाहक ट्रैफिक को आम यातायात से अलग किया जा सके। मेट्रो और आरआरटीएस स्टेशनों के आसपास मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब भी विकसित होंगे, जहां इलेक्ट्रिक फीडर सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। ईवी पॉलिसी के तहत इलेक्ट्रिक बसों और चार्जिंग नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

नोएडा में लिफ्ट देकर लूटपाट करने वाले 5 गिरफ्तार:अर्टिगा कार में बिठाते

नोएडा (एजेंसी) नोएडा के थाना सेक्टर-39 पुलिस ने पांच बदमाशों को किया गिरफ्तार। नोएडा में लिफ्ट देने के बहाने लोगों से लूटपाट करने वाले एक गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। सेक्टर-39 थाना पुलिस ने शुक्रवार को गिरोह के सरगना समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी कार में लोगों को लिफ्ट देने के बहाने बैठाते थे। इसके बाद वे उनके साथ मारपीट करते और डराकर यूपीआई या एटीएम के जरिए पैसे ट्रांसफर करा लेते थे। पुलिस ने इनके पास से एक अर्टिगा कार, तमंचा और चाकू बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम नसीम अली, अभिषेक कुमार, विवेक, कार्तिक ठाकुर और मनोज कुमार हैं। सभी आरोपियों को स्टेलर ग्रीन पार्क के पास से पकड़ा गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे एनसीआर इलाके में घूम-घूमकर ऐसे लोगों को निशाना बनाते थे। आरोपी अपनी अर्टिगा कार में लोगों को लिफ्ट देने के बहाने बैठा लेते थे। कुछ दूर ले जाने के बाद वे यात्रियों को अवैध हथियार दिखाकर डराते-धमकाते थे और उनसे मोबाइल फोन के जरिए यूपीआई ट्रांसफर कराते थे। कई मामलों में पीड़ितों से एटीएम कार्ड लेकर रुपये भी निकलवाए जाते थे। विरोध करने पर आरोपियों द्वारा मारपीट भी की जाती थी। पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद आरोपी पीड़ितों को सुनसान इलाके में छोड़कर फरार हो जाते थे। आरोपियों ने कई लोगों को इसी तरीके से अपना शिकार बनाया था। पुलिस को लगातार ऐसी घटनाओं की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद थाना सेक्टर-39 पुलिस टीम को सक्रिय किया गया। जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कार पर लगाते थे फर्जी नंबर प्लेट आरोपी फर्जी नंबर प्लेट लगाकर पुलिस की नजर से बचने की कोशिश करते थे, ताकि वारदात के बाद उनकी पहचान न हो सके। कार के अंदर पुलिस को दो फर्जी नंबर प्लेट भी मिली है। सभी को गिरफ्तारी के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

किसान एकता संघ ने जेवर टोल घेरा:स्थानीय किसानों को टोल फ्री करने की मांग

नोएडा (एजेंसी) में किसान एकता संघ के कार्यकताओं ने शुक्रवार को जेवर टोल प्लाजा का घेराव किया। प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में किसानों ने यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रस्तावित टोल दर वृद्धि का विरोध किया और स्थानीय किसानों को पहचान पत्र के आधार पर टोल फ्री सुविधा देने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में किसानों ने प्रशासन और यमुना एक्सप्रेसवे प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा ने कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए किसानों ने अपनी जमीन दी थी, इसलिए उन्हें एक्सप्रेसवे पर आवागमन के लिए टोल नहीं देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि किसानों को उनके पहचान पत्र के आधार पर निशुल्क आवागमन की सुविधा दी जाए और टोल दरों में कोई बढ़ोतरी न की जाए। पंडित शर्मा ने यह भी बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे का 64.7 प्रतिशत मुआवजा अभी भी किसानों को दिया जाना बाकी है। किसानों का आरोप है कि संबंधित अधिकारी उनकी समस्याओं को लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। इसी के विरोध में किसान एकता संघ ने जेवर टोल मैनेजर को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें मांगों को पूरा करने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय के भीतर उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर श्रीकृष्ण बैसला, वीरेंद्र बैसोया, जगदीश शर्मा, विक्रम नागर, पप्पे नागर, जीतन नागर, सतीश कनारसी, सतवीर भाटी, अनिल नागर, उमेद एडवोकेट, अकरम खान, अरुण खटाना, सुमित भाटी, संतोष बालियान, नवनीत शर्मा और जितेंद्र श्यौरान सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मेट्रो की रफ्तार के साथ कदमताल करेगी दिल्ली, स्टेशनों के पास ही होंगे घर; दफ्तर और चमकते बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी) डीडीए ने ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) पॉलिसी के तहत राजधानी के 14 बड़े और प्राइम भूखंडों (प्लॉट्स) को विकसित करने की मेगा योजना तैयार कर ली है। इस पहल का सीधा मकसद दिल्लीवासियों के रहने, काम करने और मनोरंजन के तरीकों को मेट्रो कनेक्टिविटी से जोड़कर एक नया अर्बन लाइफस्टाइल देना है। दिल्ली के सुनहरे भविष्य की तस्वीर अब मेट्रो की पटरियों के साथ-साथ तैयार होगी। डीडीए ने ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) पॉलिसी के तहत राजधानी के 14 बड़े और प्राइम भूखंडों (प्लॉट्स) को विकसित करने की मेगा योजना तैयार कर ली है। इस पहल का सीधा मकसद दिल्लीवासियों के रहने, काम करने और मनोरंजन के तरीकों को मेट्रो कनेक्टिविटी से जोड़कर एक नया अर्बन लाइफस्टाइल देना है। टीओडी पॉलिसी नोटिफाई होने के बाद अब तक इस पर चार प्रस्ताव भी मिले हैं। इन 14 स्थानों पर न केवल रिहायशी इमारतें बनेंगी, बल्कि कॉमर्शियल हब, अस्पताल और शॉपिंग सेंटर भी विकसित किए जाएंगे। इससे ट्रैफिक, प्रदूषण और यात्रा का समय कम होगा, जबकि रोजगार और कारोबार के नए मौके भी बनेंगे। सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल बढ़ाने पर फोकस दिल्ली में निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी और लोग ज्यादा से ज्यादा मेट्रो व सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करेंगे। मेट्रो स्टेशनों के 500 से 800 मीटर दायरे में घना और योजनाबद्ध विकास किया जाएगा, ताकि लोग पैदल भी अपनी मंजिल तक पहुंच सकें। पूर्वी दिल्ली के 5 बड़े पॉइंट दायरे में पूर्वी दिल्ली में दिलशाद गार्डन, झिलमिल ताहिरपुर, कड़कड़डूमा, प्रीत विहार और मंडावली-फाजलपुर जैसे इलाकों को नए स्वरूप में विकसित किया जाएगा। दिलशाद गार्डन में रेड लाइन मेट्रो के पास खाली पड़े भूखंडों पर आधुनिक निर्माण की योजना है। झिलमिल ताहिरपुर में शॉपिंग सेंटर बनाया जाएगा, जबकि कड़कड़डूमा में ब्लू लाइन मेट्रो के पास बड़ा मिश्रित विकास प्रस्तावित है। प्रीत विहार और मंडावली में आवासीय परियोजनाओं पर जोर रहेगा। कॉमर्शियल हब बनेगा द्वारका द्वारका को टीओडी पॉलिसी के तहत बड़े कॉमर्शियल हब के रूप में तैयार करने की योजना है।

शाहदरा में रेलवे लाइन के किनारे एमसीडी पार्किंग में लगी आग, 10 कार समेत 13 वाहन जलकर खाक

नई दिल्ली (एजेंसी) सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब सवा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग में दस कारें, एक स्कूटी और दो बाइक जलकर खाक हो गई। शाहदरा के बिहारी कॉलोनी स्थित एमसीडी पार्किंग में शुक्रवार शाम एक कार में आग लग गई। आग तेजी से फैली और वहां खड़ी कई गाड़ियों को अपने चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब सवा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग में दस कारें, एक स्कूटी और दो बाइक जलकर खाक हो गई। आग लगने के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। दमकल विभाग के मुताबिक शुक्रवार शाम करीब 4.57 बजे आग लगने की जानकारी मिली। वहां कारों से आग की लपटें निकल रही थी। दमकल कर्मियों ने देखा कि आग वहां खड़ी कई वाहनों में लगी है और तेजी से फैल रही है। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब सवा घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। दमकल विभाग के मुताबिक, सुबह करीब 7.40 बजे अलीपुर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही आस पास के फायर स्टेशनों से दमकल की 18 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग बैंक्वेट हॉल में रखे टेंट और सजावटी सामान में लगी थी, जिसने कुछ ही देर में ही आग ने विकराल रूप ले लिया। दमकलकर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह लगभग 9 बजे आग पर काबू पा लिया। आग में बैंक्वेट हॉल के अंदर रखा फर्नीचर, टेंट का सामान और अन्य कीमती सामान जलकर खाक हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। समय रहते लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

महर्षि आश्रम ट्रस्ट की जमीन बेचने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय का छापा, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) निदेशालय ने दो आरोपियों जी रामचंद्र मोहन और आकाश मालवीय को गिरफ्तार किया है। जमीन की खरीद-फरोख्त में लगाई गई धनराशि का भी ब्यौरा खंगाला जा रहा है। नोएडा सेक्टर-110 में महर्षि आश्रम के ट्रस्ट की 3.36 हेक्टेयर जमीन बेचने समेत अन्य प्रकरण में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच शुरू कर दी है। निदेशालय की टीम ने बृहस्पतिवार और शुक्रवार को सेक्टर-105 और 100 में दो ठिकानों पर छापा मारा। निदेशालय ने दो आरोपियों जी रामचंद्र मोहन और आकाश मालवीय को गिरफ्तार किया है। जमीन की खरीद-फरोख्त में लगाई गई धनराशि का भी ब्यौरा खंगाल रही है। प्रकरण में ट्रस्ट की एसएलपी पर दो दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी जांच का आदेश दिया था। ईडी जांच में आया है कि स्पिरिचुअल रिजेनेरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया (एसआरएमएफ) ट्रस्ट की जमीन बेचना जमीन घोटाला है। आरोप है कि जी रामचंद्र मोहन इस घोटाले का सूत्रधार है। उसने 2010 में खुद को ट्रस्ट का फर्जी कोषाध्यक्ष बताकर मिलता-जुलते नाम से तैयार फर्जी पैन कार्ड के जरिये बैंक खाते खोले। इसमें उसका साथ आकाश मालवीय ने दिया। आकाश ने खुद को ट्रस्ट का कार्यकारी सदस्य बताकर फर्जी सेल डीड (बिक्री विलेख) पर हस्ताक्षर किए। जानकारी के मुताबिक नोएडा में गेझा तिलपताबाद के रकबे में आने वाली जमीन 2024-025 में सिंहवाहिनी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स को बेची गई थी। इस आधार पर जांच इस कंपनी के निदेशक प्रदीप सिंह तक पहुंची। निदेशालय ने प्रदीप की भी सक्रिय संलिप्तता पाई। ईडी ने जी रामचंद्र मोहन और आकाश मालवीय को गिरफ्तार किया है। ईडी की यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू की गई थी। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी, जाली बोर्ड प्रस्ताव और फर्जी प्राधिकरण पत्रों का इस्तेमाल कर ट्रस्ट की प्राइम लोकेशन वाली जमीनों को अवैध रूप से बेचा। इनकी कीमत सैकड़ों करोड़ रुपये आंकी गई है। जांच एजेंसी कुछ दस्तावेज भी कब्जे में लेकर गई। जांच के दौरान दोनों ही परिसर सुरक्षा घेरे में रहे। जांच में सामने आया कि सिंहवाहिनी इंफ्रा के निदेशक प्रदीप सिंह ने जानते हुए भी कि जमीन ट्रस्ट की है उसे खरीदा और फिर तुरंत अन्य पक्षों को बेचकर प्रोसीड्स ऑफ क्राइम (अपराध की कमाई) को ठिकाने लगाया। ईडी अब उन अन्य लाभार्थियों की तलाश कर रही है जिन्होंने इस सिंडिकेट को चलाने में मदद की। एफडी और लॉकरों पर भी लगी रोक शहर में निदेशालय की तरफ से सिंहवाहिनी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स के सेक्टर-100 स्थित पंजीकरण ठिकाने और इसके निदेशक प्रदीप सिंह के सेक्टर-105 स्थित घर पर छापा मारा गया। निदेशालय ने इस कंपनी के बैंक खातों, फिक्स्ड डिपॉजिट और लॉकरों पर रोक लगा दी है। इसके अलावा, टोयोटा हाइब्रिड, लैंड रोवर डिफेंडर और महिंद्रा थार रॉक्स जब्त कर ली है।

सरकारी खजाने को पांच करोड़ से अधिक का हुआ नुकसान, वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी) इसमें सरकारी खजाने को पांच करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचा है। ऑडिट विभाग ने एक दिसंबर 2019 से लेकर 10 फरवरी 2025 तक की अवधि के दौरान हुई वित्तीय अनियमितताओं की रिपोर्ट दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को सौंप दी है। दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) के विशेष ऑडिट को लेकर वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। इसमें सरकारी खजाने को पांच करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचा है। ऑडिट विभाग ने एक दिसंबर 2019 से लेकर 10 फरवरी 2025 तक की अवधि के दौरान हुई वित्तीय अनियमितताओं की रिपोर्ट दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को सौंप दी है। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार तत्कालीन रजिस्ट्रार अपने आधिकारिक दायित्वों के तहत डीएमसी में डॉक्टरों के रजिस्ट्रेशन के नवीनीकरण के लिए कम शुल्क लेने के कारण सरकारी खजाने को 5.57 करोड़ रुपए से अधिक के नुकसान के लिए जिम्मेदार हैं। यह विशेष ऑडिट पूर्व पदाधिकारियों द्वारा गैर कानूनी रूप से प्राप्त वित्तीय लाभों की वसूली और सरकारी राजस्व को हुए नुकसान का आकलन के उद्देश्य से किया गया। स्वास्थ्य विभाग वसूली की तैयारी में डीएमसी अधिनियम और नियमों के तहत इस्तीफा देने के लिए जरूरी तीन महीने की अनिवार्य नोटिस पीरियड के बदले लगभग 13 लाख रुपये की अतिरिक्त वसूली की भी सिफारिश की गई है। स्वास्थ्य विभाग अभी विशेष ऑडिट रिपोर्ट में दिए नतीजों और सुझावों की बारीकी से जांच कर रहा है। दस्तावेजों के रखरखाव में खामियों के संकेत विशेष ऑडिट रिपोर्ट में कई प्रक्रियात्मक, वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं को उजागर किया गया है। रिपोर्ट में निर्धारित सेवानिवृत्ति आयु के बाद सेवा को अनियमित रूप से जारी रखने और उसका विस्तार करने से संबंधित मामले, अनिवार्य स्वीकृतियों के बिना किए गए व्यय, सरकारी वित्तीय नियमों के अनुपालन में चूक, अनियमित भुगतान, आधिकारिक रिकॉर्ड व सेवा दस्तावेजों के रखरखाव में खामियों की ओर संकेत किया गया है। दिल्ली सरकार के मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि व्यवस्था को प्रभावित करने वाली किसी भी अनियमितता से सख्ती से निपटा जाएगा। महंगे उपहारों की खरीद की वेतन, भत्तों और संबंधित खर्चों के रूप में प्राप्त 3.23 करोड़ रुपये से अधिक की राशि की वसूली की भी सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है भी जिम्मेदार हैं। रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाकर नियमों का उल्लंघन ऑडिट के अनुसार तत्कालीन रजिस्ट्रार के मामले में रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 साल से बढ़ाकर 65 वर्ष किया जाना भारत सरकार और दिल्ली सरकार की ओर से समय-समय पर जारी आदेशों और निर्देशों का उल्लंघन मिला। रिपोर्ट में वेतन एवं भत्तों, वाहन किराए, मेडिकल

खर्चों की भरपाई, टेलीफोन खर्चों की भरपाई, कॉन्फ्रेंस में भाग लेने पर हुए व्यय से उत्पन्न होने वाले वित्तीय प्रभावों का भी उल्लेख किया गया है। वित्तीय अनियमितता की रिपोर्ट को तत्कालीन रजिस्ट्रार ने किया खारिज दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) में वित्तीय अनियमितता संबंधी ऑडिट रिपोर्ट को तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. गिरीश त्यागी ने खारिज कर दिया। उन्होंने 17 मई को होने वाले डीएमसी प्रतिनिधि चुनाव से पहले रिपोर्ट जारी करने पर सवाल उठाए हैं। सेवा विस्तार का मुद्दा चुनिंदा और भ्रामक तरीके से उठाया गया है। रजिस्ट्रार के रूप में केवल काउंसिल का कर्मचारी था।

भ्रष्टाचार मामले में आईएएस अधिकारी पद्मा जायसवाल बर्खास्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने भ्रष्टाचार और लापरवाही के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत एक बेहद दुर्लभ और सख्त कदम उठाया है। 2003 बैच की एजीएमयूटी कैडर की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पद्मा जायसवाल को सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, यह निलंबन और बर्खास्तगी का अंतिम आदेश कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सिफारिश पर भारत की राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद जारी किया गया है। गौरतलब है कि कार्मिक विभाग सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन कार्य करता है और यह कैडर से जुड़े मामलों में केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिशों पर अंतिम निर्णय लेता है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम और आदेश पर पद्मा जायसवाल ने किसी भी तरह की जानकारी होने से इनकार किया है। यह सख्त प्रशासनिक कार्रवाई करीब 18 साल पुराने एक गंभीर मामले से जुड़ी हुई है। यह पूरा मामला वर्ष 2007-08 का है, जब पद्मा जायसवाल अरुणाचल प्रदेश

के पश्चिम कामेंग जिले में उपायुक्त (डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) के पद पर तैनात थीं। फरवरी 2008 में वहां के स्थानीय निवासियों द्वारा उनके खिलाफ एक आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें उन पर अपने पद का दुरुपयोग करने और बड़े पैमाने पर सरकारी धन के गबन के गंभीर आरोप लगाए गए थे। इन वित्तीय अनियमितताओं और आरोपों के बाद उन्हें अप्रैल 2008 में सस्पेंड कर दिया गया था। हालांकि, बाद में अक्टूबर 2010 में उनका निलंबन बहाल भी कर दिया गया था। पद्मा जायसवाल ने अपने दो दशक से अधिक लंबे प्रशासनिक करियर में देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में काम किया। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, गोवा और पुडुचेरी में कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर अपनी जिम्मेदारी संभाली थी। शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो उन्होंने सेंट जेवियर्स स्कूल से शुरुआती पढ़ाई करने के बाद पंजाब यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल से उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। उनके पास एमबीए की डिग्री है और वह इंस्टीटूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया से प्रमाणित कंपनी सेक्रेटरी भी हैं। वह यूजीसी रिसर्च फेलो के रूप में भी कार्य कर चुकी हैं। लेकिन इतने मजबूत शैक्षणिक और प्रशासनिक बैकग्राउंड के बावजूद भ्रष्टाचार के पुराने मामले में लगे आरोपों के चलते आखिरकार उन्हें सेवा से हाथ धोना पड़ा।

बिश्नोई गैंग की खुली धमकी : अगली बार सीधे सिर में गोली

पुणे (एजेंसी)। पुणे में कारोबारी अशोक नैन के एजे फर्नीचर मॉल पर हुई फायरिंग की घटना ने फिर शहर की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। इस मामले में अब कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आने से सनसनी मच गई है। गैंग की ओर से आरजू बिश्नोई और फरार गैंगस्टर शुभम लोनकर ने पोस्ट कर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। इसके साथ ही एक ऑडियो क्लिप भी तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें आरजू की आवाज़ होने का दावा हो रहा है और कारोबारी को सीधे जान से मारने की धमकी दी गई है। वायरल ऑडियो में खुद को आरजू बिश्नोई बताकर एक व्यक्ति स्पष्ट कहता है कि पुणे के मॉल पर जो फायरिंग हुई है, उसकी जिम्मेदारी वह और उसका गिरोह लेते हैं। ऑडियो में दावा किया गया है कि कारोबारी नैन को पहले समझाने की कोशिश की गई थी, लेकिन पैसों के घमंड के कारण कारोबारी ने बात नहीं मानी। इसके बाद कारोबारी को छोटा सा ट्रेलर दिखाने की बात कही गई, जो मॉल पर फायरिंग के रूप में सामने आया। ऑडियो में सीधे तौर पर धमकी देकर कहा गया है कि अगली बार गोली मॉल पर नहीं, बल्कि सीधे अशोक के सिर पर चलाई जाएगी। इस खौफनाक धमकी भरे वायरल ऑडियो और पोस्ट के सामने आने के बाद दिल्ली और पुणे पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हुई हैं। शुरुआती जांच में सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो की सत्यता की जांच हो रही है। साइबर सेल यह पता लगाने में जुटी है कि यह ऑडियो वास्तव में गैंग से जुड़ा है या किसी अन्य माध्यम से दहशत फैलाने के लिए तैयार किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, शुभम लोनकर का नाम पहले भी कई गंभीर आपराधिक मामलों में सामने आ चुका है, विशेष रूप से एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की साजिश से जुड़ाव के आरोपों के बाद वह फरार बताया जा रहा है। जांच एजेंसियां मानती हैं कि यह गैंग व्यापारियों और बड़े कारोबारियों को डराकर उनसे जबरन वसूली करने की कोशिश कर रहा है। फायरिंग की इस घटना और उसके बाद मिली जानलेवा धमकी से लोकल व्यापारियों में दहशत का माहौल है। कई व्यापारियों ने अपनी सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी है और संदिग्धों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मोदी कैबिनेट में बड़े फेरबदल की सुगबुगाहट : आगामी चुनावों और 2029 की रणनीति पर फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद से ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल और विस्तार की अटकलें तेज हुई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए 9 जून 2024 को शपथ ग्रहण के बाद से अब तक केंद्रीय कैबिनेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भले ही केंद्र में अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल नहीं किया है, लेकिन जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) जैसे अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगियों के समर्थन से सरकार का गठन किया है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने अभी तक सहयोगी दलों के साथ अतिरिक्त मंत्री पदों की संभावनाओं को लेकर कोई औपचारिक चर्चा शुरू नहीं की है, लेकिन जल्द ही इस दिशा में भी कदम उठाए जा सकते हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक ने इन अटकलों को और हवा दी थी। हालांकि, एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित अंतराल पर होती रहती हैं और मौजूदा परिस्थितियों में ऐसी बैठक असामान्य नहीं है। भाजपा के भीतर हो रहे ये संगठनात्मक और संभावित सरकारी बदलाव आगामी चुनावी रणनीतियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पार्टी इसके जरिए 2027 के विधानसभा चुनावों, राष्ट्रपति चुनाव और विशेष रूप से 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत आधार तैयार करने की दिशा में काम कर रही है। इसी कड़ी में संभावना है कि कुछ वरिष्ठ नेताओं, जो वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं या प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं, उन्हें संगठन को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय टीम में भेजा जा सकता है। पार्टी का जोर युवा नेतृत्व, महिलाओं और कुछ पेशेवरों को भी मौका देने पर है, क्योंकि भाजपा अगले दशक की अपनी चुनावी रणनीति बना रही है।

उत्तर भारत में हाहाकार मचाएगी भीषण लू

समय से पहले आ रहा मॉनसून!

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के विभिन्न हिस्सों में इस समय मौसम के कई अलग-अलग और विपरीत रूप देखने को मिल रहे हैं। जहां एक तरफ उत्तर और मध्य भारत झुलसाने वाली भीषण लू (हीटवेव) की चपेट में आने की कगार पर है, वहीं दूसरी तरफ दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। इस बीच, भीषण गर्मी से परेशान लोगों के लिए एक राहत भरी खबर भी सामने आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के इस बार तय समय से लगभग एक सप्ताह पहले यानी 26 मई तक केरल तट पर दस्तक देने की प्रबल संभावना है, जबकि इसकी सामान्य तिथि 1 जून होती है।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश मौसम की सबसे गंभीर और दोहरी मार झेल रहा है। राज्य में हाल ही में आए विनाशकारी आंधी-तूफान के कारण भारी तबाही हुई है और 100 से अधिक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मौसम विभाग ने आगरा, मथुरा, कानपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, बलिया और बरेली सहित समूचे पश्चिमी यूपी बेल्ट में फिर से बारिश और 65 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। इस आंधी-पानी के बीच राजधानी लखनऊ सहित कई इलाकों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद बेहद कम है, क्योंकि राज्य में 16 से 21 मई के बीच भीषण लू का अलर्ट जारी किया गया है, खासकर 18 और 19 मई को गंभीर लू चलने की आशंका है।

दूसरी तरफ, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी होने का अनुमान है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 17 से 21 मई के बीच गंभीर हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हालांकि, आज शाम राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है, लेकिन यह गर्मी से राहत देने के लिए नाकाफी होगा। राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ में भी पारा सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस ऊपर बना हुआ है। पश्चिमी राजस्थान में जहां भीषण लू का प्रकोप रहेगा, वहीं पूर्वी हिस्से के अलवर, जोधपुर और अजमेर जैसे जिलों में धूल भरी आंधी और बारिश का अलर्ट है। छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी गर्म हवाएं चलने की आशंका है।

इसके विपरीत, देश के पूर्वी, पूर्वोत्तर और दक्षिणी हिस्सों में प्री-मॉनसून गतिविधियों के कारण मौसम मेहरबान है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड सहित पूरे पूर्वोत्तर में अगले एक सप्ताह तक भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। वहीं, बिहार और पश्चिम बंगाल में खाड़ी से आ रहे निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण 80 से 85 किमी/घंटे की तूफानी हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। दक्षिण भारत के केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में भी अच्छी प्री-मॉनसून बारिश हो रही है। अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी में परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हो चुकी हैं, जिससे मॉनसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। हालांकि, प्रशांत महासागर में उभरते अल नीनो के प्रभाव के कारण कुछ क्षेत्रों में कुल वर्षा सामान्य से कम रहने की आशंका भी जताई गई है।

कश्मीर में शराबबंदी की मांग को लेकर सीएम आवास घेरा, कहा- हम भीख मांग लेंगे पर शराब बंद कीजिए

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आवास के बाहर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। बीजेपी की मुख्य मांग कश्मीर घाटी में पूर्ण रूप से शराबबंदी लागू करने की है। प्रदर्शन के दौरान स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कई प्रमुख नेताओं को हिरासत में ले लिया, जिन्हें बाद में रिहा कर दिया गया। बीजेपी ने चेतावनी दी है कि यदि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरकार ने शराबबंदी पर जल्द कदम नहीं उठाया, तो पार्टी दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड से लेकर उत्तर कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित करनाह तक बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू करेगी। मुख्यमंत्री आवास के बाहर मीडिया से बात करते हुए बीजेपी नेता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि कश्मीर सूफियों और संतों की पवित्र भूमि है, और यहां किसी भी कीमत पर नई शराब की दुकानें खुलने नहीं दी जाएंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार युवाओं को नशे की ओर धकेल रही है। वहीं, प्रदर्शन में शामिल बीजेपी महासचिव अनवर खान ने मुख्यमंत्री और फारूक अब्दुल्ला पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर सरकार को केवल शराब से मिलने वाले राजस्व (रेवेन्यू) की ही चिंता है, तो बीजेपी कार्यकर्ता सत्तारूढ़ पार्टी के लिए मस्जिदों के बाहर भीख मांगकर पैसे जुटाने को तैयार हैं, लेकिन युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे। कार्यकर्ताओं ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शुरू किए गए 100 दिवसीय नशामुक्ति अभियान के दायरे में शराब की बिक्री को भी शामिल करने की मांग की। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर में शराबबंदी की मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया था। इसके बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी सरकार का बचाव करते हुए कहा कि साल 1977 में शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने भी राजस्व के भारी नुकसान को देखते हुए बैन लगाने से इनकार किया था।

जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं

-हार के बाद ममता ने बैठक में कहा- मैं नए सिरे से खड़ी करूंगी पार्टी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने हाल के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाग लेने वाले अपने उम्मीदवारों से पार्टी संगठन को फिर से खड़ा करने का आह्वान किया है उन्होंने कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। यहां कालीघाट में अपने घर पर तृणमूल उम्मीदवारों के साथ हुई बैठक में उन्होंने कहा कि हाल के विधानसभा चुनाव में करारी हार के बावजूद पार्टी संगठन फिर से उठ खड़ा होगा। इस बैठक में पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक ममता बनर्जी ने कहा कि जो लोग दूसरी पार्टियों में जा रहे हैं, उन्हें जाने दीजिए। मैं पार्टी को नए सिरे से खड़ा करूंगी। जो लोग पार्टी में बने रहेंगे, उनसे मैं कहती हूं कि क्षतिग्रस्त पार्टी कार्यालयों को फिर से तैयार कीजिए, उन्हें रंगिए और फिर से खोलिए। जरूरत पड़ने पर मैं भी उन्हें रंग दूंगी। टीएमसी कभी नहीं झुकेगी। जनादेश लूटा गया है। चुनावी नतीजों में नाटकीय उलटफेर के बाद टीएमसी के सत्ता गंवाने के कुछ दिनों बाद ममता बनर्जी की ये टिप्पणियां सामने आईं।

पार्टी ने लिखा कि आज, हमारी अध्यक्ष ममता बनर्जी और हमारे राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कालीघाट में हमारे उम्मीदवारों से मुलाकात की। उन्होंने अकल्पनीय अत्याचारों और निरंतर धमकियों का सामना करते हुए भी अद्वितीय साहस के साथ चुनाव लड़ा। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि बनर्जी ने इस बैठक का इस्तेमाल चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ाने के लिए किया। पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवा चुकी टीएमसी ने वफादारी और राजनीतिक ताकत के महत्व देने का संदेश देते हुए पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने गुरुवार को काकोली घोष दस्तीदार को हटाकर कल्याण बनर्जी को लोकसभा में दल का मुख्य व्हिप नियुक्त किया। रिपोर्ट के मुताबिक कल्याण को पार्टी के आंतरिक उथल-पुथल के बीच लोकसभा में तृणमूल के मुख्य व्हिप के पद से हटा दिया गया था। हालांकि, अब पार्टी ने अपने सबसे कठिन राजनीतिक दौर में कल्याण पर भरोसा जताया है। ममता ने बैठक के बाद कल्याण को मुख्य सचेतक बनाने की घोषणा की। उनका यह कदम पार्टी सांसदों से एकजुट रहने की अपील के बीच आया है। बैठक में सभी सांसद मौजूद थे। यह बैठक समीक्षा, मनोबल बढ़ाने और राजनीतिक संदेश देने के लिए आयोजित की गई थी।

2047 तक नशामुक्त भारत का लक्ष्य तय, गिरोहों को खत्म करने रोडमैप तैयार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की नशे को उखाड़ फेंकने की डेडलाइन तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। विदेशों से खुफिया जानकारी जुटाने और उसका विश्लेषण करने वाली भारत की प्रमुख एजेंसी, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) ने वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस वर्ष मादक पदार्थ-एक सीमाहीन खतरा, एक सामूहिक जिम्मेदारी विषय पर कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने 2047 तक नशामुक्त भारत का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने मादक पदार्थों के गिरोहों को खत्म करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया है और इस लक्ष्य की दिशा में काम कर रही हैं।

केंद्रीय मंत्री शाह ने साफ कहा कि मादक पदार्थों के प्रति भारत की जीरो टोलरेंस की नीति के तहत, देश यह तय करेगा कि एक ग्राम भी मादक पदार्थ देश में प्रवेश न कर सके या भारत को पारगमन मार्ग के रूप में इस्तेमाल करके देश से बाहर न जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मादक पदार्थों की तस्करी केवल पुलिस या मादक पदार्थों के खिलाफ काम करने वाली कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि इसका समाज और आने वाली पीढ़ियों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। इसलिए, उन्होंने कहा कि इसके लिए एक व्यापक समाधान की जरुरत है। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि मादक पदार्थों के धन का इस्तेमाल आतंकवादियों और आपराधिक गिरोहों को वित्त पोषित करने और समानांतर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है, लेकिन मादक पदार्थों के सेवन से मानव शरीर को होने वाले स्थायी नुकसान पर बड़े पैमाने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

शाह ने चेतावनी दी कि इस खतरे को हराने के लिए दुनिया के सभी जिम्मेदार देशों के पास अभी भी मिलकर काम करने का समय है, और कहा कि अगर अभी संयुक्त प्रयास शुरू नहीं किए गए, तो 10 साल बाद दुनिया को पता चलेगा कि जो नुकसान हुआ है उसे ठीक करने में बहुत देर हो चुकी है। शाह ने मादक पदार्थों के खिलाफ युद्ध में एक एकीकृत वैश्विक प्रयास का आह्वान किया और इस मुद्दे से निपटने के लिए एक एकीकृत कानूनी ढांचे की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने आगे कहा कि जब तक नियंत्रित पदार्थों की परिभाषा और मादक पदार्थों की तस्करी के लिए समान दंड मानकों पर वैश्विक स्तर पर एकमत नहीं होगा, तब तक मादक पदार्थों के गिरोह नीतिगत विसंगतियों का फायदा उठाते रहेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की गुंजाइश को रेखांकित करते हुए उन्होंने मादक पदार्थों की खेपों को रोकने और ड्रग सरगनाओं को गिरफ्तार या निर्वासित करने के लिए वास्तविक समय की खुफिया जानकारी साझा करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दो सालों में भारत ने मित्र देशों के सहयोग से 40 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय अपराधियों को सफलतापूर्वक वापस देश में लाया है।

पश्चिम बंगाल में योगी मॉडल की दस्तक: अतिक्रमणों पर चलेगा बुलडोजर

यूपी से मंगवाए दो दर्जन बुलडोजर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में एक नई सरकार के गठन के बाद, राज्य में सख्त प्रशासनिक अभियान शुरू हुआ है, जिसमें योगी मॉडल का प्रभाव साफ दिख रहा है। सिलीगुड़ी में अवैध अतिक्रमणों और अनाधिकृत ढांचों को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर विध्वंस अभियान की तैयारी हो रही है। दार्जिलिंग के सांसद राजू बिस्टा ने पुष्टि की है कि इस अभियान को गति देने के लिए उत्तर प्रदेश से 24 बुलडोजर मंगाए गए हैं, जो जल्द ही कार्रवाई में दिखाई देने वाले है। इस अभियान की रूपरेखा तय करने के लिए सिलीगुड़ी उपमंडल कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बैठक आयोजित की गई थी। इसमें उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम), पुलिस आयुक्त, दार्जिलिंग जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य एजेंडा कानून व्यवस्था को मजबूत करना, अवैध निर्माणों को हटाना, मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना और अवैध शराब की दुकानों व पबों पर कार्रवाई करना था।

बैठक के बाद सांसद बिस्टा ने स्पष्ट किया कि सिलीगुड़ी में बड़े पैमाने पर अनाधिकृत निर्माण हो चुके हैं, जिन्हें कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जोर दिया कि इन अवैध ढांचों को तेजी से हटाने के लिए ही उत्तर प्रदेश से दो दर्जन बुलडोजर मंगवाए गए हैं। सांसद बिस्टा ने सिलीगुड़ी नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाकर आरोप लगाया कि वहां पूरे शहर में अवैध निर्माण रोकने में पूरी तरह विफल रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकारी जमीन, नदी किनारे और शहर के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों पर हुए अवैध अतिक्रमणों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाना चाहिए, अन्यथा प्रशासन बुलडोजर का इस्तेमाल कर उन्हें ध्वस्त करेगा। सांसद बिस्टा ने कहा कि सिर्फ अतिक्रमण ही नहीं, बल्कि नशीले पदार्थों के नेटवर्क, अवैध नदी खनन, अनाधिकृत टोल वसूली और भूमि दलाली जैसी गतिविधियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बात दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान, भाजपा नेताओं ने राज्य में योगी मॉडल को लागू करने का वादा किया था। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में, आपराधिक गिरोहों और अवैध अतिक्रमणों पर की गई बुलडोजर कार्रवाई ने राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक ध्यान आकर्षित किया था, जिसे कानून व्यवस्था में सुधार और माफिया गतिविधियों पर अंकुश लगाने का श्रेय दिया जाता है। अब बंगाल में शुरू हो रहे ये सख्त उपाय, राज्य में इसी दृष्टिकोण को दोहराने की दिशा में एक बड़ा कदम माने जा रहे हैं, जो प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में एक नए अध्याय का संकेत देते हैं।

चारधाम यात्रा में चिंताजनक आंकड़ा : 25 दिनों में 40 श्रद्धालुओं की मौत

-केदारनाथ में सर्वाधिक जान गई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है, लेकिन इसके साथ ही मौतों का चिंताजनक आंकड़ा सामने आया है। यात्रा शुरू होने के मात्र 25 दिनों के भीतर, 19 अप्रैल से 13 मई तक, कुल 40 श्रद्धालुओं की जान गई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की 14 मई सुबह 10 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार, 13 मई तक 12 लाख 64 हजार 217 श्रद्धालुओं ने चारों धामों के दर्शन किए हैं, लेकिन इस भारी संख्या के बीच मौतों का बढ़ता आंकड़ा गंभीर चिंता का विषय है। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा 22 मौतें केदारनाथ धाम में दर्ज की गई हैं, जो यात्रा का सबसे दुर्गम पड़ाव माना जाता है। इसके अलावा, बद्रीनाथ में 7, यमुनोत्री में 6 और गंगोत्री में 5 श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने इन मौतों के पीछे मुख्य कारणों में हार्ट अटैक, हाई एल्टीट्यूड सिकनेस (ऊंचाई पर होने वाली बीमारी), हाइपरटेंशन और अन्य पुरानी बीमारियों को बताया है। यात्रा मार्ग के ऊंचाई वाले क्षेत्रों से होकर गुजरने और ऑक्सीजन का स्तर कम होने के कारण बुजुर्गों तथा पहले से बीमार यात्रियों की तबीयत बिगड़ने के मामले अधिक सामने आ रहे हैं। एक ओर राज्य सरकार लगातार बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और मेडिकल तैयारियों का दावा कर रही है। यात्रा शुरू होने से पहले ही कई समीक्षा बैठकें आयोजित की गई थीं और सभी विभागों को तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। यात्रियों के लिए विशेष एडवाइजरी भी जारी की गई थी, जिसमें बुजुर्गों, हाई ब्लड प्रेशर, शुगर और हृदय रोग से पीड़ित लोगों को यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच कराने और सावधानी बरतने की सलाह दी गई थी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सुबोध उनियाल ने भी यात्रियों से शरीर के संकेतों को नजरअंदाज न करने और परेशानी होने पर तुरंत रुकने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कई यात्री अत्यधिक उत्साह में तेजी से यात्रा पूरी करने का प्रयास करते हैं, जिससे हार्ट अटैक और हाई एल्टीट्यूड की समस्या बढ़ जाती है। यह स्थिति यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य चुनौतियों की गंभीरता को रेखांकित करती है, जहां श्रद्धालुओं को अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

अरावली खनन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, अगले आदेश तक कोई अनुमति नहीं

-विशेषज्ञ समिति की नई परिभाषा तय होने तक अरावली के ÷एक इंच÷ हिस्से में भी खनन पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर्वतमाला में खनन गतिविधियों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा, कि जब तक अदालत द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की नई परिभाषा तय नहीं कर देती, तब तक क्षेत्र के किसी भी हिस्से में खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। अदालत ने दो टूक कहा कि अरावली के ÷एक इंच÷ हिस्से का भी खनन के लिए इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान कहा, कि यह अत्यंत संवेदनशील विषय है और अदालत इसकी ÷टुकड़ों में सुनवाई÷ नहीं करेगी। पीठ ने कहा कि जब तक न्यायालय पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो जाता, तब तक किसी भी प्रकार की गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट वर्तमान में 'अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा और संबंधित मुद्दे' शीर्षक से स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा है। सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अरावली क्षेत्र में जो कुछ हो रहा है, उसे लेकर अदालत को जो प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं, वे काफी चिंताजनक हैं।

पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी भी खनन पट्टा धारक के पक्ष में कोई राहत नहीं दी जाएगी। अदालत ने कहा कि यदि किसी खनन पट्टे को रद्द किया जाता है, तो संबंधित पक्ष उसे कानूनी रूप से चुनौती दे सकता है, लेकिन अदालत जल्दबाजी में कोई आदेश पारित नहीं करेगी।

नए खनन पट्टे पर पहले लगी रोक

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को मंजूरी देते हुए दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में आने वाले अरावली क्षेत्रों में नए खनन पट्टे जारी करने पर रोक लगा दी थी। यह फैसला विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया था। समिति ने अपनी सिफारिश में कहा था कि जिस भू-भाग की ऊंचाई स्थानीय स्तर से 100 मीटर या उससे अधिक हो, उसे अरावली पहाड़ी माना जाए। वहीं, 500 मीटर के भीतर स्थित दो या अधिक पहाड़ियों के समूह को अरावली पर्वतमाला की श्रेणी में रखा जाए।

नई परिभाषा पर आपत्तियां

हालांकि, इस नई परिभाषा को लेकर पर्यावरणविदों और विभिन्न संगठनों ने गंभीर आपत्तियां जताई थीं। उनका कहना था कि 100 मीटर ऊंचाई और 500 मीटर दूरी का मानदंड लागू होने से अरावली के बड़े हिस्से पर्यावरणीय संरक्षण के दायरे से बाहर हो सकते हैं। विरोध के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 29 दिसंबर 2025 को अपने पूर्व आदेश पर रोक लगा दी थी और सभी खनन गतिविधियों पर अंतरिम प्रतिबंध जारी रखा था। अब अदालत ने साफ संकेत दे दिए हैं कि पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर किसी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी और विशेषज्ञ समिति की अंतिम रिपोर्ट आने तक अरावली में खनन पूरी तरह बंद रहेगा।

संक्षिप्त डायरी

अयोध्या से जुड़ेगा बिहार का सीतामढ़ी, फोरलेन रोड के नर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण शुरू

पटना (एजेंसी) भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या जल्द ही जानकी जन्मभूमि से जुड़ने वाली है. राम-जानकी पथ का निर्माण किया जाना है, जो कि सीतामढ़ी से होकर गुजरेगी. इसके लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है. राम-जानकी पथ के निर्माण को लेकर काम में तेजी ला दी गई है. फोरलेन निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है. बताया जा रहा है कि 3( ) के प्रकाशन के बाद पांच सदस्यीय कमेटी अलाइमेंट वाले एरिया का निरीक्षण कर जमीन के किस्म का निर्धारण कर रही है. इसमें लगभग एक महीने का वक्त लग सकता है. इसके बाद अधिसूचना जारी की जाएगी. जमीन अधिग्रहण में लग सकता है एक महीने का समय जमीन अधिग्रहण को लेकर अधिसूचना जारी करने के बाद इस पर दावा और आपत्ति लिया जाएगा. इसके बाद निष्पादन किया जाएगा और अधिघोषणा का प्रकाशन किया जाएगा. इसके बाद जमीन मालिकों को राशि भुगतान किया जाएगा. जानकारी के मुताबिक, यह फोरलेन जिले के अंचलों के 49 राजस्व गांवों से होते हुए गुजरेगी.

विराट रामायण से भी गुजरेगा राम-जानकी पथ जानकारी के मुताबिक, राम-जानकी पथ बिहार के गोपालगंज, मोतिहारी, शिवहर और सीतामढ़ी समेत अन्य जिलों से होकर गुजरेगी. यह फोरलेन सड़क कई मायने में खास मानी जा रही है. राम-जानकी पथ निमार्णाधीन विराट रामायण मंदिर से होकर गुजरेगा, जहां श्रद्धालु दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग का दर्शन कर सकेंगे और मंदिर में पूजा भी कर सकेंगे. इसके अलावा जिस भी जिले से यह सड़क गुजरेगी, वहां की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकेगी. रोजगार को बढ़ावा मिल सकेगा. इसके साथ ही पेट्रोल पंप, होटल, फुड प्लाजा के अलावा कई तरह के छोटे-बड़े रोजगार लोग कर सकेंगे. फोरलेन के बनने से हो सकेंगे ये फायदे इस फोरलेन के बन जाने से गोपालगंज से सीतामढ़ी (पुनौरा धाम) तक का सफर कम समय में पूरा होगा. अयोध्या से आने वाले श्रद्धालु सीधे धार्मिक स्थलों तक पहुंच सकेंगे, जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. साथ ही जमीन की कीमतों में भी बढ़ोतरी होगी. यह रूट उत्तर प्रदेश-बिहार सीमा के पास मेहरौना घाट से शुरू होकर सिवान, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी होते हुए भिट्ठामोड़ (नेपाल सीमा) तक जाएगा. सीतामढ़ी-भिट्ठामोड़ रूट में एनएच-27ए और एनएच-227 के हिस्से भी शामिल रहेंगे.

पटना में वट सावित्री पूजा के दौरान बरगद के पेड़ में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

पटना (एजेंसी) पटना के फतुहा प्रखंड कार्यालय परिसर में वट सावित्री पूजा के दौरान बरगद के पेड़ में भीषण आग लग गई. जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई. हालांकि राहत की बात रही कि इस घटना में कोई श्रद्धालु हताहत नहीं हुआ. राजधानी पटना के फतुहा प्रखंड कार्यालय परिसर में शनिवार को वट सावित्री पूजा के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पूजा के दौरान परिसर में स्थित प्राचीन बरगद के पेड़ में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि राहत की बात रही कि इस घटना में कोई श्रद्धालु हताहत नहीं हुआ। पूजा के दौरान दीये की लौ से लगी आग शनिवार को वट सावित्री व्रत के अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं बरगद के पेड़ के पास पूजा-अर्चना कर रही थीं। महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के साथ पेड़ के चारों ओर कच्चा सूत लपेटकर परिक्रमा कर रही थीं। इसी दौरान पूजा में जलाए गए घी के दीये की लौ पेड़ में बंधे सूखे धागों के संपर्क में आ गई, जिससे आग लग गई। देखते ही देखते धू-धू कर जलने लगा पेड़ सूखे धागों के कारण आग तेजी से फैल गई और कुछ ही देर में बरगद का पेड़ सुलगने लगा। आग की लपटें उठती देख पूजा कर रहीं महिलाओं और अन्य श्रद्धालुओं में चीख-पुकार मच गई। लोग अपनी पूजा सामग्री छोड़कर सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगे। स्थानीय लोगों ने संभाला मोर्चा घटना के बाद परिसर में मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक पेड़ का निचला हिस्सा और पूजा सामग्री जलकर राख हो चुकी थी। समय रहते टला बड़ा हादसा घटना में किसी के झुलसने या घायल होने की सूचना नहीं है। समय रहते श्रद्धालु सुरक्षित दूरी पर हट गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद परिसर में काफी देर तक दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

पटना में वट सावित्री पूजा के दौरान बरगद के पेड़ में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

पटना (एजेंसी) पटना के फतुहा प्रखंड कार्यालय परिसर में वट सावित्री पूजा के दौरान बरगद के पेड़ में भीषण आग लग गई. जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई. हालांकि राहत की बात रही कि इस घटना में कोई श्रद्धालु हताहत नहीं हुआ. राजधानी पटना के फतुहा प्रखंड कार्यालय परिसर में शनिवार को वट सावित्री पूजा के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पूजा के दौरान परिसर में स्थित प्राचीन बरगद के पेड़ में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि राहत की बात रही कि इस घटना में कोई श्रद्धालु हताहत नहीं हुआ। पूजा के दौरान दीये की लौ से लगी आग शनिवार को वट सावित्री व्रत के अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं बरगद के पेड़ के पास पूजा-अर्चना कर रही थीं। महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के साथ पेड़ के चारों ओर कच्चा सूत लपेटकर परिक्रमा कर रही थीं। इसी दौरान पूजा में जलाए गए घी के दीये की लौ पेड़ में बंधे सूखे धागों के संपर्क में आ गई, जिससे आग लग गई। देखते ही देखते धू-धू कर जलने लगा पेड़ सूखे धागों के कारण आग तेजी से फैल गई और कुछ ही देर में बरगद का पेड़ सुलगने लगा। आग की लपटें उठती देख पूजा कर रहीं महिलाओं और अन्य श्रद्धालुओं में चीख-पुकार मच गई। लोग अपनी पूजा सामग्री छोड़कर सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगे। स्थानीय लोगों ने संभाला मोर्चा घटना के बाद परिसर में मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक पेड़ का निचला हिस्सा और पूजा सामग्री जलकर राख हो चुकी थी। समय रहते टला बड़ा हादसा घटना में किसी के झुलसने या घायल होने की सूचना नहीं है। समय रहते श्रद्धालु सुरक्षित दूरी पर हट गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद परिसर में काफी देर तक दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

पूरे बिहार में जमीन सर्वे के लिए चलेगा स्पेशल ड्राइव, CM सम्राट ने अधिकारियों को दी चेतावनी

बिहार जमीन सर्वे और परिमार्जन कार्य समय पर पूरा करने का मिला अल्टीमेटम

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री और अधिकारियों के साथ बैठक की. इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को अल्टीमेटम दिया. साथ ही आदेश दिया कि पूरे बिहार में स्पेशल ड्राइव चलाकर जमीन सर्वे का काम पूरा किया जाए. बिहार में जमीन सर्वे का काम तेजी से निपटाया जा रहा है. इस बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री और अधिकारियों के साथ बैठक की. इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिया कि जमीन सर्वे के काम में तेजी लाई जाए. उन्होंने यह भी कहा कि स्पेशल ड्राइव चलाकर पूरे बिहार में जमीन सर्वे के काम को पूरा करें. सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को दिया अल्टीमेटम बैठक के दौरान सीएम सम्राट चौधरी ने यह स्पष्ट किया कि भूमि परिमार्जन का जो भी काम बिहार में हो रहा है, उस काम को किसी भी हालत में समय सीमा के अंदर पूरा करें. साथ ही जितने भी अधिकारी की जरुरत हो, उन्हें इस काम में लगाइए और पूरा कीजिए. इस तरह से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारियों को अल्टीमेटम दिया है. मंत्री दिलीप जायसवाल ने भी दिया आदेश सीएम सम्राट चौधरी के साथ बैठक खत्म होने के बाद विभाग के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि सरकार का मानना है कि भूमि विवाद के मामले में कई घटनाएं हो रही हैं, इसे रोकना है और इसे रोकने के लिए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है भूमि सर्वे का काम जल्द से जल्द पूरा कराया जाए. खासकर भूमि परिमार्जन का काम जो बिहार में चल रहा है, उसे जल्द से जल्द पूरा किया जाए. शुक्रवार को मंत्री दिलीप जायसवाल ने दिया था आदेश इससे पहले शुक्रवार को बिहार सरकार ने लंबित जमीन और राजस्व मामलों के निपटारे के लिए विशेष अभियान चलाने का फैसला लिया था. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने अधिकारियों को 30 जून तक ई-मापी, जमाबंदी सुधार और लंबित आवेदनों का निष्पादन करने का निर्देश दिया था.

पटना में बनेगा इंदौर जैसा स्ट्रीट फूड हब, चंपारण मटन से लेकर ठेकुआ तक मिलेगा एक ही जगह

पटना (एजेंसी) पटना में इंदौर की तर्ज पर आधुनिक स्ट्रीट फूड हब बनाया जाएगा, जहां चंपारण मटन, लिट्टी-चोखा, खाजा और ठेकुआ जैसे बिहार के पारंपरिक व्यंजन एक ही जगह मिलेंगे. इस योजना पर करीब 4 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. पटना में अब इंदौर की तर्ज पर आधुनिक स्ट्रीट फूड हब बनाया जाएगा. इस फूड हब में चंपारण मटन, लिट्टी-चोखा, मखाना, खाजा और ठेकुआ जैसे बिहार के पारंपरिक व्यंजन लोगों को एक ही जगह मिलेंगे. पटना नगर निगम ने इस योजना का प्रस्ताव शहरी विकास एवं आवास विभाग को भेज दिया है. इस प्रोजेक्ट का निर्माण प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत किया जाएगा. तीन जगहों पर बनेगा फूड हब पटना में स्ट्रीट फूड हब के लिए तीन प्रमुख स्थानों का चयन किया गया है. इनमें जेपी गंगा पथ (दीघा गोलंबर), कोतवाली स्थित खटाल गली और मीठापुर का निमार्णाधीन कॉमन सर्विस सेंटर परिसर शामिल हैं. करीब 4 करोड़ रुपये की लागत से इन फूड हब का निर्माण किया जाएगा. सड़क किनारे की दुकानों को मिलेगा व्यवस्थित स्वरूप इस योजना के तहत शहर में ऑफ-स्ट्रीट फूड वेंडिंग जोन विकसित किए जाएंगे. इसका उद्देश्य सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से लगने वाली दुकानों को व्यवस्थित और आधुनिक रूप देना है. यहां स्थायी निर्माण नहीं होगा, बल्कि आधुनिक अस्थायी ढांचे तैयार किए जाएंगे, जहां भोजन बनाने, बेचने और खाद्य सामग्री रखने की बेहतर व्यवस्था होगी. लोगों के बैठने और सफाई की भी होगी व्यवस्था फूड हब में लोगों के बैठने के लिए आकर्षक और आरामदायक जगह बनाई जाएगी. साथ ही साफ-सुथरे शौचालय, पेयजल, बेहतर लाइटिंग, पार्किंग, लैंडस्केपिंग और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी. बिहार के व्यंजनों को मिलेगा बड़ा मंच इस योजना की सबसे खास बात यह है कि यहां बिहार के पारंपरिक व्यंजनों को प्राथमिकता दी जाएगी. केंद्र सरकार के नियम के अनुसार, स्ट्रीट फूड हब की कम-से-कम 50 प्रतिशत दुकानों में बिहार के स्थानीय व्यंजन, मिठाइयां और पारंपरिक स्नैक्स अनिवार्य रूप से उपलब्ध होंगे. इससे बिहार के खानपान और सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है.

फतुहा में गंगा घाट पर बड़ा हादसा, 15 वर्षीय किशोर डूबा, परिवार में मचा कोहराम

पटना (एजेंसी) पटना के फतुहा स्थित मस्ताना गंगा घाट पर शनिवार को स्नान के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया. (एस के सिंह की रिपोर्ट) पटना के फतुहा स्थित मस्ताना गंगा घाट पर शनिवार को स्नान के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया. 15 वर्षीय किशोर गंगा नदी के गहरे पानी में डूब गया और लापता हो गया. घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. स्नान के दौरान अचानक गहरे पानी में गया किशोर फतुहा थाना क्षेत्र के रसलपुर निवासी अखिलेश यादव का 15 वर्षीय पुत्र साहिल कुमार अपने दोस्तों और परिजनों के साथ मस्ताना गंगा घाट पर स्नान करने गया था. स्नान के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गया. घटना के बाद साथ मौजूद लोगों ने शोर मचाया, जिससे घाट पर हड़कंप मच गया. बचाने की कोशिशें हुईं नाकाम, नाविक भी उतरे नदी में स्थानीय लोगों और घाट पर मौजूद नाविकों ने किशोर को बचाने के लिए तुरंत नदी में उतरकर खोजबीन शुरू की. हालांकि, तेज धारा और गहराई के कारण किशोर का कोई पता नहीं चल सका. घटना के बाद पूरे घाट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों की भारी भीड़ जुट गई पुलिस और गोताखोरों की टीम ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन सूचना मिलते ही फतुहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया. गंगा नदी में किशोर की तलाश लगातार जारी है. समाचार लिखे जाने तक किशोर का कोई सुराग नहीं मिल पाया था. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, घाट पर जुटी भीड़ घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया. परिवार के लोग घाट पर पहुंचकर रो-रोकर बेहाल हो गए. घाट पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी जमा हो गए और माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया

मनरेगा के लिए बिहार सरकार ने जारी किए 66 करोड़, गांवों में सड़क-तालाब समेत विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार ने मनरेगा के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 66 करोड़ 66 लाख रुपये के राज्यांश की मंजूरी दी है. इस राशि से ग्रामीण इलाकों में सड़क, नाला, तालाब और अन्य विकास कार्यों को तेजी मिलेगी और लंबित योजनाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी. बिहार सरकार ने ग्रामीण विकास को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्यांश के रूप में 66 करोड़ 66 लाख 66 हजार रुपये की मंजूरी दी गई है. ग्रामीण विकास विभाग ने इस राशि को खर्च करने की स्वीकृति जारी कर दी है. इससे राज्य में चल रहे मनरेगा कार्यों को नई गति मिलेगी. केंद्र सरकार से मिली राशि के आधार पर फैसला विभाग के अनुसार, केंद्र सरकार ने बिहार के लिए सामग्री मद में कुल 200 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है. इसके अनुपात में राज्य सरकार ने अपना हिस्सा जारी किया है. यह राशि राज्यांश के रूप में दी गई है, ताकि योजनाओं का काम बिना रुकावट चलता रहे. गांवों में विकास कार्य होंगे तेज इस फंड का उपयोग गांवों में चल रहे विकास कार्यों में किया जाएगा. इसमें सड़क निर्माण, नाला सफाई, तालाब निर्माण और जल संरक्षण जैसे काम शामिल हैं. इसके अलावा मिट्टीकरण और अन्य बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्य भी इस राशि से पूरे किए जाएंगे. सरकार का मानना है कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदलेगी. लंबित योजनाओं को मिलेगा लाभ राज्य के कई जिलों में मनरेगा की कई योजनाएं लंबित हैं. अब इस राशि के मिलने से उन कार्यों को पूरा करने में तेजी आएगी. इससे ग्रामीण लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे. अधिकारियों ने जताई उम्मीद ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि फंड मिलने से योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार होगा. काम की गति बढ़ेगी और अधिक लोगों को मनरेगा के तहत रोजगार मिलेगा. गांवों में बढ़ेगा विकास का दायरा सरकार का दावा है कि इस राशि से गांवों में विकास कार्यों का दायरा और बढ़ेगा. सड़क और जल संरक्षण जैसे कार्यों से लोगों की बुनियादी सुविधाएं बेहतर होंगी. मनरेगा के लिए जारी यह राशि ग्रामीण विकास में अहम भूमिका निभाएगी. इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा बल्कि गांवों में स्थायी विकास की दिशा में भी तेजी आएगी.

ब्लैक आउट होते ही कारोबारी को मारी गोली, पटना में 10 हजार की सुपारी लेकर पहुंचे थे शूटर, STF ने दबोचा

पटना (एजेंसी) पटना में ब्लैक आउट के दौरान मसाला कारोबारी पिंटू कुमार की हत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. STF ने वारदात में शामिल शूटर को गिरफ्तार कर लिया है. हत्या साइलेंसर लगी पिस्टल से की गई थी.पटना के सुलतानगंज थाना क्षेत्र स्थित मुसल्लहपुर हाट में गुरुवार शाम हुए कारोबारी हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. STF और पटना पुलिस ने वारदात में शामिल एक शूटर को गिरफ्तार कर लिया है. मृतक की पहचान 25 वर्षीय मसाला व्यवसायी पिंटू कुमार के रूप में हुई है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हत्या के लिए शूटर को 10 हजार रुपये एडवांस दिए गए थे. मुख्य शूटर की उम्र 16 से 18 साल के बीच बताई जा रही है. ब्लैक आउट का इंतजार कर रहे थे अपराधी घटना उस समय हुई जब पटना में युद्ध की मॉक ड्रिल को लेकर शाम 7 बजे ब्लैक आउट किया गया था. पूरे इलाके की बिजली काट दी गई थी. कारोबारियों को लगा कि कुछ देर बाद बिजली आ जाएगी, इसलिए किसी ने जेनरेटर नहीं चलाया. इसी अंधेरे का फायदा अपराधियों ने उठाया. पुलिस के अनुसार, हत्यारे पहले से पिंटू कुमार की गद्दी के आसपास मौजूद थे. वे सिर्फ ब्लैक आउट होने का इंतजार कर रहे थे. साइलेंसर लगी पिस्टल से मारी गोली ब्लैक आउट होने के ठीक दो मिनट बाद अपराधी पिंटू कुमार के पास पहुंचे. उन्होंने सिर में पिस्टल सटाकर गोली मार दी. पिस्टल में साइलेंसर लगा था, इसलिए गोली की आवाज किसी को सुनाई नहीं दी. वारदात के बाद दोनों अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर पैदल ही मौके से फरार हो गए. पिता ने बताई खौफनाक रात घटना के समय पिंटू कुमार के पिता नेपाली साव भी वहीं मौजूद थे. उन्होंने बताया कि अंधेरा इतना ज्यादा था कि कुछ दिखाई नहीं दे रहा था. किसी ने मोबाइल की लाइट तक नहीं जलाई थी. उन्होंने कहा कि गोली चलने की आवाज भी सुनाई नहीं दी. जब पिंटू चीखा, तब लोगों को कुछ समझ आया. इसके बाद लोग दौड़कर उसकी गद्दी तक पहुंचे. अस्पताल पहुंचने से पहले मौत घायल पिंटू कुमार को तुरंत पीएमसीएच ले जाया गया. लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई. घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है. पुलिस जल्द करेगी बड़ा खुलासा पटना पुलिस और STF लगातार मामले की जांच कर रही है.

बिहार में बड़ा निवेश ! गया पहुंचे उद्योग निदेशक, स्टील कंपनियों ने दिखाई करोड़ों के निवेश में दिलचस्पी

पटना (एजेंसी) बिहार को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है. (अनुराग प्रधान की रिपोर्ट) बिहार को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है. उद्योग निदेशक मुकुल कुमार गुप्ता ने बिहार इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग सिटी (आइएमसी) गया का दौरा कर वहां चल रहे विकास कार्यों और निवेश की संभावनाओं का जायजा लिया. इस दौरान कई बड़े उद्योग समूहों के प्रतिनिधि भी परियोजना स्थल पर पहुंचे, जिससे बिहार में औद्योगिक निवेश को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं. उद्योगपतियों ने किया परियोजना स्थल का निरीक्षण दौरे के दौरान टॉपवर्थ स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड, लोधा कॉर्पोरेशन और अंकूर स्टील से जुड़े उद्योगपति अभय लोधा, अनमोल लोधा, राजकुमार और महिंद्रा शर्मा ने भी आइएमसी गया परियोजना स्थल का निरीक्षण किया. उनके साथ बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) के अधिकारी भी मौजूद रहे. अधिकारियों ने निवेशकों को परियोजना से जुड़ी विभिन्न सुविधाओं और विकास योजनाओं की जानकारी दी. मास्टर प्लान के जरिए दिखायी गयी औद्योगिक संभावनाएं निरीक्षण के दौरान निवेशकों को आइएमसी गया का मास्टर प्लान मैप दिखाया गया और स्थल भ्रमण के माध्यम से उपलब्ध भूमि पार्सल की जानकारी भी दी गयी. अधिकारियों ने बताया कि यहां विश्वस्तरीय औद्योगिक इकोसिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिससे बड़े उद्योगों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं मिल सकेंगी. स्टील और पावर सेक्टर में निवेश को लेकर बढ़ी उम्मीद दौरे के दौरान उद्योगपतियों ने आइएमसी गया में स्टील और पावर उत्पाद निर्माण इकाइयां स्थापित करने में गहरी रुचि दिखाई. इसे बिहार में तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक माहौल और निवेशकों के बढ़ते भरोसे का बड़ा संकेत माना जा रहा है. माना जा रहा है कि यदि ये निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतरते हैं तो राज्य में हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं. बिहार को औद्योगिक राज्य बनाने की दिशा में सरकार का फोकस उद्योग विभाग के अधिकारियों ने कहा कि बिहार सरकार राज्य को उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है.

बिहार के इन लोगों के लिए इलेक्ट्रिक बस चलवाएगी सरकार, पटना में सफर होगा आसान

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार 18 मई से सचिवालय कर्मियों के लिए विशेष इलेक्ट्रिक और पिंक बस सेवा शुरू कर रही है. पटना के कई प्रमुख इलाकों से सीधी बस सुविधा मिलेगी. इसका मकसद ट्रैफिक कम करना, पेट्रोल-डीजल बचाना, महिला सुरक्षा बढ़ाना और सरकारी कर्मचारियों को सस्ता, सुरक्षित सफर देना है. : बिहार में सरकारी कर्मचारियों के लिए अब सचिवालय आना-जाना पहले से ज्यादा आसान होने वाला है. बिहार राज्य पथ परिवहन निगम 18 मई से सचिवालय कर्मियों के लिए विशेष इलेक्ट्रिक और पिंक बस सेवा शुरू करने जा रहा है. सरकार का मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा कर्मचारी निजी गाड़ी छोड़कर सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें, ताकि पटना की सड़कों पर ट्रैफिक कम हो और पेट्रोल-डीजल की बचत हो सके. परिवहन विभाग के मुताबिक अभी बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी अपनी कार, बाइक या दूसरे निजी वाहनों से सचिवालय पहुंचते हैं. इससे ट्रैफिक जाम बढ़ता है और ईंधन की खपत भी ज्यादा होती है. नई बस सेवा शुरू होने के बाद कर्मचारियों को सुरक्षित, समय पर और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा. इससे सड़क पर निजी वाहनों की संख्या कम होगी और पर्यावरण को भी फायदा पहुंचेगा. पटना में पहले से चल रही 25 इलेक्ट्रिक बसों का होगा बेहतर इस्तेमाल बिहार राज्य पथ परिवहन निगम पहले से पटना शहर में 25 इलेक्ट्रिक बसें चला रहा है. अब इन्हीं बसों को सचिवालय कर्मियों की सुविधा के लिए खास रूट पर लगाया जाएगा. इलेक्ट्रिक बसों के इस्तेमाल से नो फ्यूल यानी बिना पेट्रोल-डीजल वाली यात्रा को बढ़ावा मिलेगा. इससे न सिर्फ खर्च घटेगा बल्कि प्रदूषण भी कम होगा. मल्टी मॉडल हब पटना जंक्शन से विशेष इलेक्ट्रिक और पिंक बस सेवा शुरू होगी. यह बस आर ब्लॉक, इनकम टैक्स, विद्युत भवन, पटना हाईकोर्ट और बिहार म्यूजियम होते हुए नया और पुराना सचिवालय तक जाएगी. सुबह 8:30 बजे से सेवा शुरू होगी और शाम में वापसी बसें मिलेंगी. दानापुर से आने वालों को राहत दानापुर स्टेशन से चलने वाली बस सगुना मोड़, आरपीएस मोड़, गोला रोड, जगदेव पथ, आशियाना नगर, इस रूट पर सुबह 8:15 बजे से बस सेवा उपलब्ध रहेगी. धनुकी मोड़ से बस सेवा कुम्हरार, भूतनाथ रोड, एनएमसीएच, राजेंद्र नगर टर्मिनल, कंकड़बाग कॉलोनी मोड़, करबिगहिया स्टेशन और आर ब्लॉक होते हुए विकास भवन तक जाएगी. इससे पूर्वी पटना के कर्मचारियों को सीधा फायदा मिलेगा. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें कुर्जी और गांधी मैदान से भी चलेगी पिंक बस कुर्जी से पिंक बस पी एंड एम मॉल, साईं मंदिर, पाटलिपुत्र कॉलोनी, एएन कॉलेज, बोरिंग रोड और हड़ताली मोड़ होकर सचिवालय पहुंचेगी. वहीं गांधी मैदान से डाकबंगला, इनकम टैक्स, नियोजन भवन, विद्युत भवन, हाईकोर्ट और बिहार म्यूजियम के रास्ते बसें चलेंगी. महिला कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए शाम 5 बजे छुट्टी के समय भी विशेष पिंक बस सेवा उपलब्ध रहेगी, ताकि सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित हो सके. यह नई व्यवस्था सिर्फ यात्रा सुविधा नहीं, बल्कि पटना में ट्रैफिक कंट्रोल, ईंधन बचत और स्वच्छ परिवहन की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है. अगर कर्मचारी बड़ी संख्या में इस सेवा का उपयोग करते हैं,

तपती गर्मी और सुरक्षा

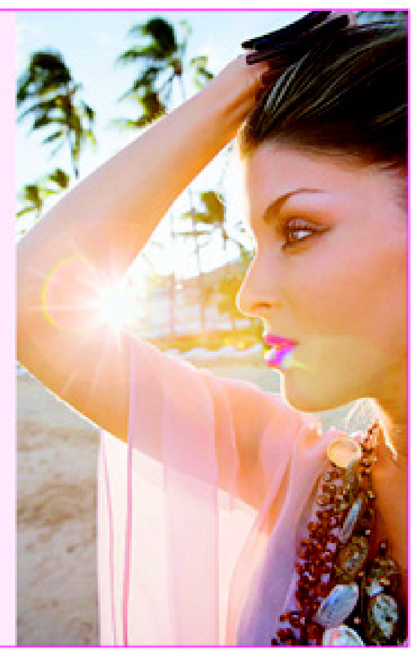

गर्मियाँ आते ही ठंडा वातावरण मन को भाने लगता है। घर और कार्यालयों को भी ठंडा रखने की कवायदें शुरू हो जाती हैं, लेकिन पूरे समय तो आप घर या दफ्तर की चहारदीवारी से घिरे नहीं रह सकते तो कौन से सुरक्षा के तरीके अपनाएँ, जब बाहर सूर्य से मुकाबला करना हो, आइए जानें।

■ **उबला पानी :** अक्सर पानी का बदलाव शरीर पर दुष्प्रभाव छोड़ता है। इससे बचने के लिए अपने साथ उबला हुआ पानी ले जाएँ या सादे पानी में एक हल्दी की गाँठ डाल लें।

■ **नीबू, नमक, शकर और खाने का सोडा :** अपने साथ नीबू, शकर, नमक व खाने का सोडा भी रखें। जब अधिक गर्मी सताए या जी मिचलाए तो एक कप पानी में एक चम्मच शकर, नीबू का रस व एक चुटकी सोडा मिलाकर पी लें। नीबू चूसना भी फायदेमंद रहेगा। सादा नमक का पानी बार-बार पीने से भी गर्मी अधिक परेशान नहीं करेगी।

■ **सेंधा नमक और अजवाइन :** यदि आपको पित्त गिरने की शिकायत रहती है तो अपने साथ सेंधा नमक और अजवाइन मिलाकर रखें। दो-तीन बार खा लें।

■ **प्याज :** लू से बचने के लिए एक प्याज अपने पॉकेट या पर्स में लपेटकर रखें। इसे बार-बार सूँघने से लू नहीं लगेगी।

■ **कच्चे आम का पना :** कच्चे आम को उबालकर उसको ठंडा कर लें। ठंडे पानी में गूदे को मैश करके छान लें। थोड़ी-सी हींग, सौंफ और जीरा भूनकर पीस लें। सूखा पुदीना, शकर, काला और सेंधा नमक इस शरबत में मिलाएँ। इस शरबत को बाहर जाने से पहले पी लेने से लू नहीं लगेगी या गंतव्य स्थान पर पहुँच कर पी लें।

■ **गीला तौलिया व आँवला :** गर्मी में खासतौर पर सफर के दौरान एक गीला तौलिया हमेशा सिर पर रखें या हो सके तो एक गीला कपड़ा खिड़की पर बाँध लें। यदि अचानक नकसीर फूट जाए तो गीला कपड़ा नाक पर रख लें और ठंडा पानी सिर पर डालें। यदि आपको नकसीर की बीमारी है तो शुद्ध घी में आँवला पीसकर बराबर मात्रा में मिला लें और इसे भी साथ रख लें। इसे लगाने से खून रुक जाएगा।

■ **त्रिकुटी चूर्ण :** कम से कम खाइए। फिर भी अपचन न हो, इसके लिए त्रिकुटी का चूर्ण शहद के साथ सुबह ही खा लीजिए। काली पीपल, काली मिर्च व सौंठ को बराबर मात्रा में लेकर पावडर बना लीजिए। सफर में शहद के साथ यह चूर्ण खाने से आपको पेट संबंधी समस्या परेशान नहीं करेगी।

■ **आई ड्रॉप व कॉटन :** यदि आपकी आँखें जल्दी लाल हो जाती हैं तो आँखों को साफ करने का लोशन व रुई भी साथ में रखिए। लोशन में रुई का फाहा भिगोकर थकी और लाल आँखों पर रखिए। आपको बहुत आराम मिलेगा।

■ **धूप का चश्मा :** एक बड़ी फ्रेम वाला धूप का चश्मा भी गर्मी से बचाव की जरूरत को पूरा करता है। यह आँखों के साथ-साथ चेहरे की धूप से रक्षा करेगा।

■ **बड़ा स्कार्फ :** तैलीय मेकअप बिलकुल न करें, क्योंकि यह पसीने के साथ मिलकर आपके चेहरे को बदसूरत बना देगा। खुले बाल सफर में उड़-उड़कर उलझ जाते हैं तो बाद में ज्यादा टूटते हैं। एक बड़ा स्कार्फ बालों पर बाँध लें तो आप इस मुसीबत से भी बच जाएँगी।

फायदे गर्मी के

- शाम को इडली डोसा बनाना है, रात में दाल-चावल भिगोना भूल गए। याद भी आया तो सुबह 10 बजे। एक काम कीजिए उबलने जितना गर्म पानी कर दाल चावल भिगो दें। 1 बजे तक अच्छी तरह भीग जाएँगे। पीसकर घोल को ढँककर धूप में रख दें या स्टेबीलाइजर पर रख दें। सिर्फ 3 से 4 घंटों में अच्छा खमीर वाला घोल तैयार हो जाएगा। जब चाहें इडली-डोसा बना लें।
- रोज दही चाहिए? रात में जमाना भूल गए। सुबह उठकर दूध को कुनकुना गर्म करें। जामन थोड़ा अधिक डालें। अच्छी तरह मिलाकर ढक्कन बंद डिब्बे में धूप में रखें या स्टेबीलाइजर पर और यह लीजिए 12 बजे तक दही तैयार है।
- छोले या राजमा रात में भिगोना भूल गए हों तो सुबह तेज गर्म पानी में डाल दें। तीन घंटे में ही भीग जाएँगे।
- गर्मियों में भी कुनकुने पानी से नहाने की आदत है तो बाल्टी भर पानी तेज धूप में रख दें।
- कभी भी बाहर से आने पर पना पीना चाहिए। उबली हुई केरियाँ फ्रीज में अवश्य रखें और तुरंत इनसे पना बना लें।

नई ताजी केरी का मुरब्बा या छुंदा चाहिए तो केरी किसकर शकर मिलाकर सोलर कुकर में रख दें। एक दिन में तैयार हो जाएगा। या पतीले पर कपड़ा बाँधकर धूप में रखें तीन दिन में चाशनी तैयार हो जाएगी।

मैंगो लस्सी

सामग्री : 2 कप दही, 1 कप मैंगो पल्प (आम का गूदा), आधा टी स्पून इलायची पावडर, आधा कप शकर, आधा कप आम (बारीक कटा), 1 बड़ा चम्मच पिस्ता कतरन, बर्फ (अंदाज से)।

विधि : सर्वप्रथम ब्लैंडर में आम का गूदा एवं शकर मिलाकर चलाएँ। फिर इसमें दही, इलायची पावडर एवं बर्फ मिलाकर पुनः एक बार चलाएँ। मैंगो लस्सी तैयार है। इसे काँच के गिलासों में भरें। ऊपर से प्रत्येक गिलास में बारीक कटे आम के टुकड़े डालें। पिस्ता कतरन छिड़ककर ठंडी-ठंडी मैंगो लस्सी पेश करें। पीने वाले आपकी तारीफ किए बिना नहीं रहेंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3891

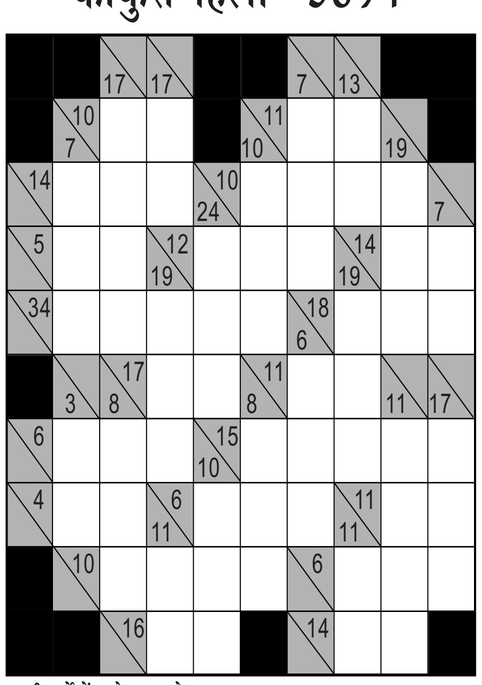

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3890 का हल

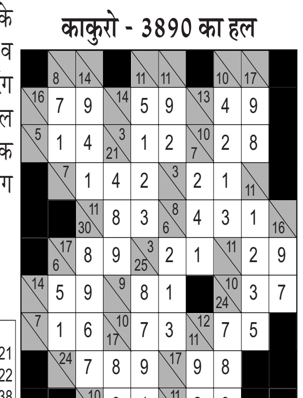

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली - 3891

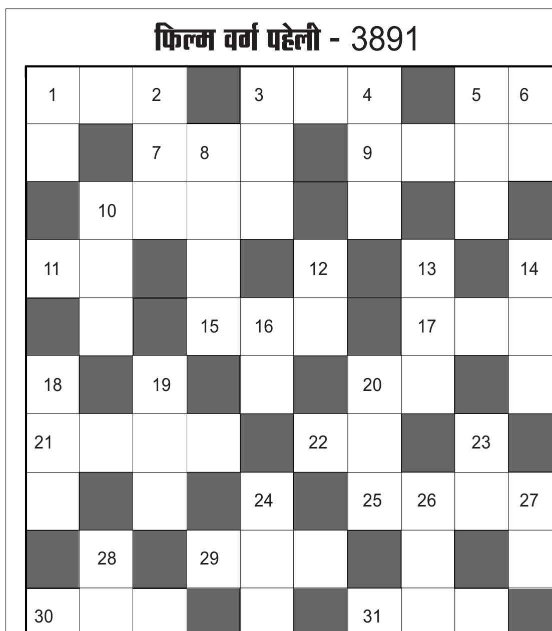

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3890

सूडोकु -3891

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3890 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3891

बाएँ से दाएँ

1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने क चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2

Disclaimer (अस्वीकरण) :

टाइम्स ऑफ पीडिया में पब्लिश किये गए आलेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं। इसमें दी गई किसी भी सूचना डाटा की सटीकता, संपूर्णता, व्यावहारिकता अथवा सच्चाई के प्रति टाइम्स ऑफ पीडिया उत्तरदायी नहीं है। आलेख में सभी सूचनाएं ज्यों की त्यों प्रस्तुत की गई हैं। इस आलेख में दी गई कोई भी सूचना अथवा तथ्य अथवा व्यक्त किए गए विचार टाइम्स ऑफ पीडिया के नहीं हैं, तथा टाइम्स ऑफ पीडिया उनके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है।
(TOP Legal Cell)

संक्षिप्त डायरी

सोशल मीडिया पॉलिसी तोड़ने वाले पुलिसकर्मियों पर होगी कार्रवाई, एडीजी अमिताभ यश ने जारी किए निर्देश

लखनऊ (एजेंसी) सोशल मीडिया पॉलिसी तोड़ने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई होगी। इसके लिए एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने निर्देश जारी किए हैं। उत्तर प्रदेश में सोशल मीडिया पर अनुचित और आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। जारी पत्र में कहा गया है कि सोशल मीडिया पॉलिसी-2023 लागू होने के बावजूद कई कर्मचारी अनुशासनहीन पोस्ट कर रहे हैं। इससे विभाग की छवि प्रभावित हो रही है। एडीजी कानून एवं व्यवस्था अमिताभ यश की ओर से जारी आदेश में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों, इकाई प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों को ऐसे मामलों की जांच कर दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यालय ने पुलिसकर्मियों को अपनी आधिकारिक पोस्ट, यूआरएल और अन्य जरूरी सूचनाएं सुरक्षित रखने को भी कहा है। पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि सोशल मीडिया पर की गई अनुचित गतिविधियां न केवल सरकारी कार्य को प्रभावित करती हैं, बल्कि प्रदेश पुलिस की गरिमा और विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचाती हैं। पुलिस मुख्यालय ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को 8 फरवरी 2023 को जारी सोशल मीडिया पॉलिसी का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

बाढ़ की निगरानी के लिए जून से सभी 18 मंडलों में शुरू होंगे नियंत्रण कक्ष

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में बाढ़ की निगरानी के लिए जून से सभी 18 मंडलों में नियंत्रण कक्ष शुरू होंगे। 16 हजार किमी से अधिक लंबाई में नालों की सफाई और 300 बाढ़ परियोजनाओं का कार्य जारी है। उत्तर प्रदेश में जलशक्ति विभाग मानसून के दौरान जनहानि शून्य करने और कृषि भूमि का नुकसान कम करने की कवायद में जुट गया है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना, नालों की सफाई, तटबंधों की सुरक्षा, बाढ़ सुरक्षा समितियों के गठन समेत तमाम उपाय किए जा रहे हैं। सभी 18 मंडलों में 31 मई तक एकीकृत बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करने की तैयारी है, जिन्हें एक जून से शुरू कर दिया जाएगा। ये कक्ष 15 अक्टूबर तक 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। जलस्तर की रियल टाइम निगरानी और आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई इनके जरिए सुनिश्चित कराई जाएगी। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के मुताबिक, इस वर्ष रिकॉर्ड गति से कार्य करते हुए अबतक लगभग 4 हजार किलोमीटर लंबाई के तटबंधों को सुरक्षित किया गया है। वहीं नदियों-नालों के किनारे बसे गांवों और कृषि भूमि को कटान से बचाने के लिए 300 परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिसे 15 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रेनेज सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मार्च 2026 तक 16 हजार किलोमीटर से अधिक लंबाई में नालों की सिल्ट सफाई का काम पूरा हो चुका है।

पिस्टल के बल पर युवक को थूक चाटने के लिए किया मजबूर, वायरल वीडियो में दिखी हैवानियत

चंदौली (एजेंसी) चंदौली जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स एक युवक के साथ गाली- गलौच करते हुए उसे पिस्टल दिखाकर धमकी दे रहा है। हालांकि पुलिस के अनुसार घटना पुरानी है। पुलिस के पास मामला दर्ज हो चुका है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने जिले में सनसनी फैला दी है। वीडियो में एक युवक पिस्टल के बल पर दूसरे युवक को गाली देते हुए थूक कर चाटने के लिए मजबूर करता दिखाई दे रहा है। युवक के इनकार करने पर उसे गोली मारने की धमकी भी दी जा रही है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश व्याप्त है। लिस के अनुसार वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे आरोपी की पहचान आंशु सिंह पुत्र राकेश कुमार सिंह निवासी भगतपुरा, थाना बबुरी के रूप में हुई है। वीडियो में आरोपी युवक दूसरे युवक के साथ अमानवीय व्यवहार करते हुए उसे अपमानित करता नजर आ रहा है। चंदौली के पुलिस अधीक्षक आकाश पटेल ने बताया कि यह वीडियो लगभग 9 से 10 माह पुराना है। घटना के संबंध में थाना जमालपुर, जनपद मिजार्पुर में संबंधित धाराओं में मुकदमा पहले ही दर्ज किया जा चुका है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है। एसपी ने बताया कि वायरल वीडियो के बाद थाना बबुरी पुलिस ने आरोपी आंशु सिंह को पूछताछ के लिए थाने पर बुलाया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने पूर्व कृत्य के लिए माफी मांगी है। पुलिस द्वारा अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है। हालांकि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद मामले को लेकर क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है।

काशी में 56 परिवार मां गंगा को लगाएंगे 50 भोग, 12 राज्यों से आई साड़ियां भी चढ़ाई जाएंगी

वाराणसी (एजेंसी) 84 घाटों पर मां गंगा का पूजन कर श्रद्धालु आरती उतारेंगे। 11 घाटों पर होने वाली आरती में विशेष अनुष्ठान होंगे। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर स्थित मां गंगा मंदिर में विशेष श्रृंगार होगा। ज्येष्ठमास शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को वृष लग्न में मां गंगा धरती पर प्रकट हुई थीं। इस तिथि पर गंगा स्नान, पूजन अर्चन का विशेष फल मिलता है। गंगा आरती की समितियां विशेष पूजा और आरती करेंगी। अस्सी घाट पर सुबह और शाम पूजा और आरती होगी। ब्रह्मराष्ट्र एकम विश्व महासंघ न्यास की ओर मां गंगा प्राकट्य उत्सव मनाया जाएगा। श्रीकठम पीठ के पीठाधीश्वर डॉ. सचिंद्रनाथ महाराज ने बताया कि मां गंगा का विधिवत पूजन होगा। चुनरी मनोरथ, छप्पन भोग और सम्मान होगा। इस बार 56 परिवारों के घर पकवान बनाकर मां को भोग लगाया जाएगा। केरल, कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, तेलंगाना सजित 12 राज्यों के श्रद्धालु मां गंगा को चढ़ाने के लिए साड़ियां भेजेंगे। काशी में रह रहे गुजराती, मराठी, राजस्थानी, सिंधी, मारवाड़ी, कायस्थ समाज की ओर से भी साड़ियां चढ़ाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि 11 वैदिक ब्राह्मण 11 लीटर दूध से मां का अभिषेक करेंगे। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती में 501 लीटर दूध से अभिषेक होगा। मां गंगा को आरपार की माला चढ़ाई जाएगी। दशाश्वमेध घाट पर गंगा सेवा निधि, गंगोत्री सेवा 10-10 फल, दीप से करेंगे मां मां गंगा की पूजा गंगा दशहरा पर हर घाटों पर मां गंगा की विशेष पूजा गी। श्रद्धालु गंगा स्नान कर पूजा और दान करेंगे। मंगला गौरी मंदिर के महंत पं. नारायण गुरु ने बताया कि मां को 10-10 आम, केले आदि नैवेद्य चढ़ाए जाएंगे। 10 दीप जलाए जाएंगे। मां को लड्डू का भी भोग लगेगा।

गोरखपुर को मिली बड़ी सौगात, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का मुख्यमंत्री योगी ने किया शिलान्यास

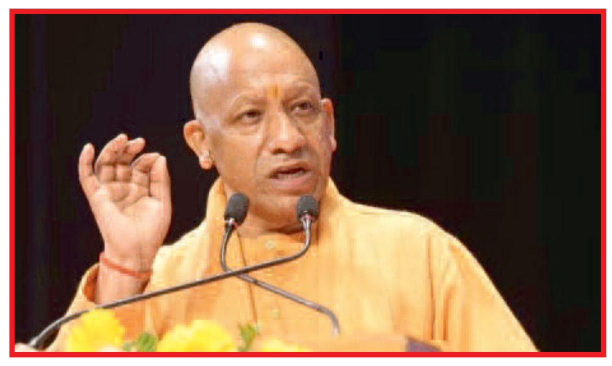

गोरखपुर। (एजेंसी) गोरखपुर-वाराणसी राजमार्ग पर ताल नदोर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिलान्यास किया। 393 करोड़ रुपये की लागत से 46 एकड़ में स्टेडियम का निर्माण हो रहा है। 23 दिसंबर 2027 तक निर्माण कार्य पूरा किया जाना है। यानी 19 महीने में स्टेडियम तैयार हो जाएगा। शिलान्यास अवसर पर भारत सरकार के प्राकृतिक एवं पेट्रोलियम गैस मंत्री हरदीप पुरी, प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव और इंडियन आयल के चेयरमैन भी मौजूद हैं। स्टेडियम स्थल पर मंच के पीछे मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया। उन्होंने स्टेडियम का मॉडल देखा और अधिकारियों से जानकारी ली। इसके बाद मंच पर पहुंच कर शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री का है ड्रीम प्रोजेक्ट गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद प्रशासन की तरफ से ताल नदोर में उपलब्ध कराई गई जमीन पर 24 दिसंबर 2025 से निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। औपचारिक शिलान्यास होने से पूर्व, सरकार की तरफ से जारी परियोजना लागत की प्रथम किश्त 63.39 करोड़ रुपये से काम आगे बढ़ रहा है। कार्यदाई संस्था लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड एक (भवन) के अनुसार अब तक करीब सात प्रतिशत काम हुआ है। स्टेडियम का निर्माण 23 दिसंबर 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा। गोरखपुर ग्रामीण के विधायक विपिन सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को गोरखपुर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हैं। उनका कहना है कि इंटरनेशनल स्टेडियम के बन जाने से गोरखपुर आने वाले समय में विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और खेल के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए भी जाना जाएगा। गोरखपुर में बन रहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम 46 एकड़ क्षेत्रफल में आकार लेगा। कुल 30 हजार दर्शक क्षमता का यह स्टेडियम ह्यग्राउंड प्लस टू फ्लोरह्ल के हिसाब से बनेगा। इसके मेन ग्राउंड पर खिलाड़ियों के लिए सात प्लेइंग पिच और चार प्रैक्टिस पिच होगी। स्टेडियम के पूर्वी और पश्चिमी स्टैंड में प्रत्येक में 14490 दर्शक बैठ सकेंगे। नार्थ पैवेलियन 208 वीआईपी व 382 मीडियाकर्मियों और साउथ पैवेलियन 1708 वीवीआईपी व वीआईपी के लिए होगा। रात्रिकालीन मैच भी हो सकें, इसके लिए मेन स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय मानक के चार हाई मास्ट लाइट की व्यवस्था रहेगी। यहां क्रिकेट के अलावा अन्य बड़े आयोजन भी होंगे। कनेक्टिविटी के लिहाज से बेहतरीन स्थान पर बन रहा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम ताल नदोर में बन रहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम कनेक्टिविटी के लिहाज से बेहतरीन जगह पर है। गोरखपुर-वाराणसी राजमार्ग फोरलेन से जुड़ा यह स्थान, गोरखपुर एयरपोर्ट से करीब 24 किमी की दूरी पर है और रेलवे स्टेशन से करीब 20 किमी है।

दो फैक्ट्रियों में वेतन बढ़ोतरी को लेकर हंगामा, काम बंद कर धरने पर बैठे मजदूर, पुलिस बल तैनात

कानपुर (एजेंसी) रायपुर और उमरन में दो प्लास्टिक फैक्ट्रियों के मजदूरों ने वेतन वृद्धि और शासन की दरें न मिलने पर शनिवार को भारी हंगामा और धरना प्रदर्शन किया। कानपुर देहात में रनियां की दो प्लास्टिक फैक्टरियों में वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर मजदूरों ने हंगामा और धरना प्रदर्शन किया है। पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचकर मजदूरों को समझाने का प्रयास कर रहा है। रायपुर स्थित कानपुर प्लास्टिक फैक्टरी में वेतन वृद्धि को लेकर शनिवार सुबह आठ बजे मजदूरों ने हंगामा शुरू कर दिया। वहीं, उमरन स्थित आरपी पॉलीपैक में करीब 40 मजदूरों ने दोबारा धरना दिया।मजदूरों का कहना है कि उनकी मांगें पूरी होनी चाहिए। मजदूर अखिलेश कुमार ने बताया कि दो दिन पहले फैक्टरी प्रबंधन ने शासन द्वारा निर्धारित दरें देने की बात कही थी। हालांकि, इसके बाद दो दिनों से प्रबंधन इन निर्धारित दरों को देने से इनकार कर रहा है। पुलिस प्रशासन दोनों जगहों पर स्थिति को नियंत्रित करने और मजदूरों को समझाने में जुटा है।

'हमारी भूल, कमल का फूल' के नारे, 12वें दिन भी धरने पर डटी महिलाएं, 108 बार किया 'राम' नाम जाप

मेरठ(एजेंसी) मेरठ के शास्त्री नगर सेक्टर-2 में सेटबैक वापस लेने की मांग को लेकर महिलाओं का धरना 12वें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने 'हमारी भूल, कमल का फूल' के नारे लगाए और आवास विकास परिषद के खिलाफ विरोध जताया। मेरठ के शास्त्री नगर सेक्टर-2 में महिलाओं का धरना शनिवार को 12वें दिन भी जारी रहा। तेज गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाएं धरना स्थल पर पहुंचीं और आवास विकास परिषद के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए अपनी नाराजगी जताई। महिलाओं ने 'हमारी भूल, कमल का फूल' के नारे लगाकर विरोध दर्ज कराया और सेटबैक वापस लेने की मांग दोहराई। धरना स्थल पर जुटीं महिलाओं का कहना है कि सेटबैक वापस लेने की मांग को लेकर पिछले कई माह से लगातार आवाज उठाई जा रही है, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। गर्मी के बावजूद महिलाएं लगातार धरने पर बैठकर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रही हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। 108 बार किया राम नाम का जाप धरने के दौरान महिलाओं ने सामूहिक रूप से 108 बार राम नाम का जाप भी किया। इसके माध्यम से उन्होंने अपनी मांगों के जल्द समाधान की प्रार्थना की और आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से जारी रखने का संकल्प जताया। महिलाओं का कहना है कि यह आंदोलन केवल उनके घरों और अधिकारों से जुड़ा है, इसलिए वे पीछे हटने वाली नहीं हैं।

अगला जन्म मिला तो आपके सारे सपने पूरे करूंगा', सुसाइड नोट में छलका बीटेक छात्र का दर्द

गोरखपुर (एजेंसी) गोरखपुर के दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के छात्र घनेंद्र चौधरी की खुदकुशी के मामले में कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। सुसाइड से पहले उसने अपने आईफोन पर वीडियो बनाने के साथ ही नोट भी लिखा है। मम्मी-पापा! मुझे माफ कर देना... मैं आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। अच्छा बेटा बन पाया न ही अच्छा छात्र। अगर अगला जन्म मिला तो फिर आऊंगा और आपके सारे सपने पूरे करूंगा। महादेव बॉयज हॉस्टल के कमरे से मिले इस सुसाइड नोट की हर पंक्ति 23 वर्षीय घनेंद्र चौधरी के भीतर चल रहे मानसिक संघर्ष को बयां कर रही थीं। नोट पढ़ने के बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी और आसपास के लोग भी भावुक हो उठे। कमरे की तलाशी के दौरान मिला सुसाइड नोट पूरे घटनाक्रम का सबसे दर्दनाक पहलू बन गया। शुरूआती जांच में यह भी सामने आया कि घनेंद्र पढ़ाई को लेकर दबाव में था। हॉस्टल वार्डेन संदीप पांडेय के अनुसार, वह मार्च महीने में हॉस्टल में रहने आया था। उसका स्वभाव बेहद शांत था और वह किसी से ज्यादा बातचीत नहीं करता था। वार्डेन ने बताया कि हॉस्टल में प्रवेश के दौरान भरे गए फार्म में अंग्रेजी की कई गलतियां थीं। इंजीनियरिंग स्तर की पढ़ाई के बावजूद वह सामान्य अंग्रेजी भी ठीक से नहीं लिख पा रहा था। परिजनों के आने के बाद होगा शव का पोस्टमार्टम थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है। उनके आने के बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। इसके साथ ही सुसाइड की असल वजह भी स्पष्ट हो जाएगी। सुसाइड से पहले उसने अपने आईफोन पर वीडियो बनाने के साथ ही नोट भी लिखा है। इससे प्रथम दृष्टया कारण हताशा प्रतीत हो रहा है। पुलिस इसकी जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि बुधवार को शाम चार बजे के आसपास घनेंद्र बाहर से हॉस्टल में पहुंचा था। इसके बाद हॉस्टल से नहीं निकला। इस समय उसकी परीक्षाएं भी चल रही हैं। पिछले महीने उसका रूम पार्टनर महादेव छात्रावास से चला गया था, जिसके बाद वह द्वितीय तल पर स्थित कक्ष संख्या 301 में अकेले ही रह रहा था। हॉस्टल का सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। फुटेज में वह एक बार रात में करीब 9:30 बजे और दूसरी बार रात करीब 12:30 बजे कमरे से निकला था। उसने रात में डिनर भी नहीं किया था। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि उसने बुधवार सुबह नाश्ता किया था। पुलिस की पूछताछ में छात्रावासियों ने बताया कि रात करीब 9:30 बजे घनेंद्र कमरे से बाहर निकला था, तब आईपीएल का क्रिकेट स्कोर पूछकर कमरे में चला गया था। सीसीटीवी फुटेज में रात 12:30 बजे वह कमरे से बाहर निकलकर टॉयलेट की तरफ जाते और फिर हाथ-मुंह धोकर निकलते दिख रहा है। माना जा रहा है कि उसके बाद ही उसने आत्महत्या की। पुलिस ने कमरा नंबर 301 में ताला लगा दिया है। देर रात तक घनेंद्र के परिजन गोरखपुर नहीं पहुंच सके थे।

आंधी में उड़ने वाले नन्हे मियां से मिले प्रभारी मंत्री, कहा- जाको राखे साइयां मार सके न कोय

बरेली (एजेंसी) बरेली के भमोरा इलाके में तेज आंधी में उड़े नन्हे मियां से जिले के प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने मुलाकात की। उनका हाल जाना। प्रभारी मंत्री ने नन्हे मियां को 11 हजार रुपये सहायता राशि दी। बरेली के आंवला तहसील परिसर में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता विभाग व जिले के प्रभारी जेपीएस राठौर ने आपदा प्रभावित परिवारों को सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक बांटे। इस दौरान वह पीड़ित नन्हे मियां से भी मिले। नन्हे मियां बुधवार को आई तेज आंधी में 50 फुट ऊंचाई तक उड़ गए थे और मक्का में खेत में गिरे थे। इससे वह घायल हो गए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर घटना के मात्र 24 घंटे के भीतर सहायता राशि सीधे पीड़ितों के बैंक खातों में भेज दी गई, जबकि पिछली सरकारों में इसके लिए पीड़ितों को चप्पलें घिसनी पड़ती थीं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। केंद्र व प्रदेश में सरकार आने के बाद हमने गरीब परिवारों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई गई हैं। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि आज जनधन योजना के तहत खोले गए खाते में सरकार की ओर से भेजी गई पूरी सहायता राशि पहुंच रही है। कांग्रेस सरकार में 100 में से 15 रुपये ही मिल पाते थे। पीड़ितों को दिए प्रतीकात्मक चेक प्रभारी मंत्री ने जनहानि होने पर बेहटा जुनु की पुष्पा देवी और हर्रामपुर के राजेश कुमार को चार-चार लाख रुपये के प्रतीकात्मक चेक सौंपे। आपदा में घायल होने पर राजकुमार, अशोक कुमार, गुलशन को आठ-आठ हजार के प्रतीकात्मक चेक दिए। कृषक दुर्घटना योजना के तहत फूलवती, उर्मिला, नवीता, कन्यावती, चांदनी, महिपाल, वरफा देवी को पांच-पांच लाख रुपये के चेक सौंपे। नन्हे मियां को दी सहायता राशि प्रभारी मंत्री ने गांव बमियाना के पीड़ित नन्हे मियां को 11 हजार रुपये नकद दिए। उनके प्रकरण पर कहा कि जाको राखे साइयां मार सके न कोय...। मकान क्षति के 30 पीड़ितों को कुल 1,62,000 रुपये और पशु हानि के नौ पीड़ितों को भी सहायता राशि वितरित की गई। डरूआपुर गांव में जिन 10 किसानों की गेहूं की फसल खाक हुई थी, उन्हें कुल 2,29,973 रुपये की सहायता राशि दी गई।

विपरीत परिस्थितियों में फंसे मेधावियों को परीक्षा से वंचित करना ठीक नहीं

प्रयागराज (एजेंसी) इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में फंसे किसी मेधावी छात्र को केवल नियमों की जटिलताओं के कारण परीक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता। मानवीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नियमों में आवश्यक संशोधन पर विचार किया जाना चाहिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में फंसे किसी मेधावी छात्र को केवल नियमों की जटिलताओं के कारण परीक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता। मानवीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नियमों में आवश्यक संशोधन पर विचार किया जाना चाहिए। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने डीएलएड छात्रा करिश्मा की याचिका निस्तारित कर दी। कोर्ट ने नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) को निर्देश दिया कि वह ऐसे छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सहानुभूतिपूर्वक विचार करे। आवश्यकता पर कड़े नियमों में संशोधन पर भी मंथन करे। करिश्मा डीएलएड 2021 बैच की छात्रा हैं। पाठ्यक्रम का सत्र दो वर्ष विलंबित हो गया था। इसी बीच वर्ष 2022 की परीक्षा के दौरान उनके पिता का निधन हो गया, जिसके कारण वह गणित की परीक्षा नहीं दे सकीं। उन्होंने कोर्ट से गुहार की थी कि 2026 की परीक्षा में शामिल होने का अंतिम अवसर दिया जाए। राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन रेगुलेशन 2014 के अनुसार दो वर्षीय डीएलएड पाठ्यक्रम अधिकतम तीन वर्ष में पूरा किया जाना अनिवार्य है। साक्षी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के मामले का हवाला देते हुए कहा कि नियमों में ढील देने का अधिकार राज्य सरकार अथवा विभागीय सचिव के पास नहीं है। लांकि, अदालत ने माना कि छात्रा के मामले में देरी उसकी व्यक्तिगत लापरवाही के कारण नहीं, बल्कि पिता के निधन और शैक्षणिक सत्र में देरी जैसी असाधारण परिस्थितियों के कारण हुई। कोर्ट ने यह भी कहा कि एनसीटीई रेगुलेशन 2014 में ऐसी मानवीय आकस्मिक परिस्थितियों को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, जिससे छात्रों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कोर्ट ने एनसीटीई को सुझाव दिया कि वास्तविक कारणों से परीक्षा से वंचित रहने वाले छात्रों को न्यूनतम योग्यता प्राप्त करने का निष्पक्ष अवसर देने के लिए आवश्यक हो तो नियमों में संशोधन पर भी विचार किया जाए।

होटल के 10 कमरों में लगे थे हिडन कैमरे, बेचता था कपल्स के अश्लील वीडियो, कानपुर में जिस्मफरोशी का खुलासा

कानपुर (एजेंसी) विनायकपुर में होटल रिद्धि पैलेस पर छापेमारी कर पुलिस ने जिस्मफरोशी रैकेट और हिडन कैमरा नेटवर्क पकड़ा है। संचालक प्रमोद गुप्ता के मोबाइल से 250 अश्लील वीडियो मिले हैं, जिन्हें वह विभिन्न साइट्स पर बेचता था। मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। कानपुर के रावतपुर में होटल रिद्धि पैलेस में पकड़े गए जिस्मफरोशी रैकेट का मास्टरमाइंड होटल संचालक प्रमोद गुप्ता ने होटल करीब ढाई महीने पहले किराये पर लिया। होटल के सभी 10 कमरों में एडॉप्टर में लगे हिडन कैमरे लगाए। इन कमरों में आने वाले ग्राहकों के चोरी छिपे अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें साइट्स को बेच देता था। पुलिस के अनुसार जब प्रमोद गुप्ता का मोबाइल जब्त किया गया, तो वह आनाकानी करने लगा। मोबाइल का पासवर्ड डालने को कहा, तो आनाकानी करने लगा। कड़ाई करने पर मोबाइल खोला, तो उसकी गैलरी में कई अश्लील वीडियो मिले जो होटल के कमरे के ही थे। इस पर होटल के कमरों खंगाला तो हिडन कैमरे मिले। प्रत्येक कमरे में बेड के सामने एलईडी टीवी लगी मिली, जबकि नीचे सेट टॉप बॉक्स रखा था। इसका एडॉप्टर इलेक्ट्रिक सॉकेट में लगा हुआ था। एडॉप्टर खोला, तो उसमें कैमरा मिला। पुलिस की पूछताछ में संचालक ने बताया कि अश्लील वीडियो साइट्स को बेचता था। पुलिस के अनुसार फिलहाल भवन स्वामी की भूमिका सामने नहीं आई है। पकड़ी गईं तीन महिलाएं फैक्टरियों में काम करने वाली नई उम्र की गरीब युवतियों को रुपयों का प्रलोभन देकर इस पेशे में उतारती थीं। एक युवक से संबंध बनाने पर उन्हें 500 रुपये मिलते थे। होटल आने वाले पुरुषों से1000-1500 रुपये लिए जाते थे। बाकी रुपयों का बंटवारा संचालक और दलाल महिलाओं और अंबिका में हो जाता था। कस्टमर बन कर गया पुलिस कर्मी और धर दबोचा रैकेट चलने की सूचना पर क्राइम ब्रांच और रावतपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने जाल बिछाकर भंडाफोड़ किया। सबसे पहले एक पुलिस कर्मी होटल में कस्टमर बनकर पहुंचा। उसे 1200 रुपये रेट बताया गया, जबकि पुलिस कर्मी 700 रुपये में टिका रहा। देर तक बातचीत में 1000 रुपये में डील फिक्स हुई। सूचना पुख्ता होने पर बाहर खड़ी टीम ने छापा मारा, तो जिस्मफरोशी रैकेट का भंडाफोड़ हो गया। आपत्तिजनक हालत में मिले युवक-युवतियां विनायकपुर के पंचवटी स्थित होटल रिद्धि पैलेस में रावतपुर पुलिस ने छापा मारकर जिस्मफरोशी रैकेट का खुलासा किया। होटल के कमरों में युवक-युवतियां आपत्तिजनक हालत में मिले। पुलिस ने होटल संचालक प्रमोद गुप्ता, तीन महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर जांच शुरू की।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

बच्चों की ग्रोथ जानने के लिए कराएं ये 5 जरूरी टेस्ट, हर पेरेंट्स को होनी चाहिए इसकी जानकारी

हर माता-पिता की यह चाहत होती है कि उनका बच्चा सेहतमंद, तंदुरुस्त और अपनी उम्र के हिसाब से अच्छे से विकास करे। बच्चे का कद, वजन, मानसिक विकास और शारीरिक क्षमता सही दिशा में बढ़ रही है या नहीं, यह जानना बहुत ज़रूरी होता है। केवल बाहरी लक्षणों को देखकर अंदाज़ा लगाना हमेशा सही नहीं होता। कई बार बच्चों की ग्रोथ धीमी हो रही होती है लेकिन मां-बाप को इसका पता देर से चलता है। ऐसे में समय-समय पर कुछ ज़रूरी मेडिकल टेस्ट करवा लेना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। डॉक्टर भी सलाह देते हैं कि बच्चों की सही ग्रोथ जानने और किसी परेशानी की पहचान करने के लिए कुछ बेसिक हेल्थ टेस्ट ज़रूर करवाए जाने चाहिए। ये टेस्ट पोषण, ग्रोथ हार्मोन और शरीर के बाकी ज़रूरी फंक्शन को समझने में मदद करते हैं।

ग्रोथ हार्मोन लेवल टेस्ट

यह टेस्ट यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि बच्चे के शरीर में ग्रोथ हार्मोन सही मात्रा में नहीं। अगर ग्रोथ हार्मोन की कमी हो जाए, तो बच्चे की हाइट रुक सकती है और ओवरऑल ग्रोथ भी धीमी हो सकती है। इस टेस्ट से यह भी जाना जा सकता है कि बच्चा अक्सर थका-थका क्यों रहता है, मांसपेशियां कमजोर क्यों हैं और कद क्यों नहीं बढ़ रहा। अगर कोई दिक्कत मिले, तो सही समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है।

थायरॉइड फंक्शन टेस्ट

थायरॉइड हार्मोन शरीर के

बन रहा है या।

विकास और दिमाग की ग्रोथ में बहुत अहम रोल निभाता है। अगर थायरॉइड में गड़बड़ी हो जाए, तो बच्चे की ग्रोथ रुक सकती है, वजन अचानक बढ़ या घट सकता है और बच्चा सुस्त पड़ सकता है। इस टेस्ट से यह भी पता लगाया जा सकता है कि बच्चा पढ़ाई में ध्यान क्यों नहीं दे पा रहा या हर समय थका-थका क्यों लगता है।

विटामिन डी और कैल्शियम लेवल टेस्ट

बच्चों की हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी और कैल्शियम बहुत जरूरी हैं। अगर इनकी कमी हो जाए, तो बच्चे की हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, चलने में देरी हो सकती है और बार-बार मांसपेशियों में खिंचाव या दर्द की शिकायत हो सकती है। इस टेस्ट से हड्डियों की हेल्थ का अंदाज़ा लगता है और जरूरत पड़ने पर सप्लीमेंट या डाइट में बदलाव किया जा सकता है।

हीमोग्लोबिन और आयरन लेवल टेस्ट

हीमोग्लोबिन और आयरन की कमी बच्चों में थकान, चिड़चिड़ापन और विकास में रुकावट का कारण बन सकती है। अगर बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है, खाना नहीं खाता या ध्यान नहीं लगाता, तो यह टेस्ट जरूर करवाएं। यह टेस्ट पोषण स्तर और एनीमिया जैसी दिक्कतों की पहचान करता है ताकि सही इलाज शुरू हो सके।

ब्लड शुगर और मेटाबॉलिज्म प्रोफाइल

यह टेस्ट यह बताता है कि बच्चे का शरीर खाने को कैसे पचा रहा है और ऊर्जा में कैसे बदल रहा है। अगर बच्चा मोटा हो रहा है, बार-बार प्यास लग रही है, कमजोरी महसूस कर रहा है या अचानक वजन बढ़ या घट रहा है, तो यह टेस्ट करवाना जरूरी है। इससे डायबिटीज या मेटाबॉलिज्म से जुड़ी समस्याओं का भी पता चलता है। समय रहते डॉक्टर की सलाह लेकर ये टेस्ट करवा लेने से किसी भी बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है और बच्चे को सेहतमंद भविष्य दिया जा सकता है।

किसी से भी मिलने में शर्माता है बच्चा, ऐसी टिप्स जो झिझक को करेगी दूर

सोशल स्किल्स यानी सामाजिक कौशल हर इंसान के लिए बहुत ज़रूरी होते हैं। जो लोग बिना झिझक के किसी से भी बात कर लेते हैं उन्हें न सिर्फ उनकी पर्सनल लाइफ में बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी बहुत फायदा होता है। ऐसे लोग ज़िंदगी की दौड़ में अक्सर आगे रहते हैं और कई बार लीडिंग रोल भी निभाते हैं।

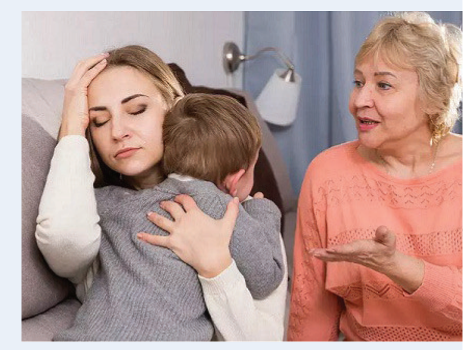

सोशल स्किल्स का विकास बचपन से होता है

लोगों में ये सोशल स्किल्स बचपन से ही विकसित होने लगती हैं। सभी माता-पिता यही चाहते हैं कि उनका बच्चा स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करे। वे चाहते हैं कि उनका बच्चा मॉनीटर बने, क्लास रिप्रेजेंटेटिव बने, हेड बॉय या हेड गर्ल बने और जब वो स्कूल से बाहर आए तो काम की जगह भी लीडिंग रोल निभाए।

झिझकने वाले बच्चों के लिए पेरेंट्स की चिंता

लेकिन कई बच्चे दूसरों से बात करने में शर्माते हैं, वे झिझकते हैं। ऐसे बच्चों को लेकर माता-पिता बहुत चिंतित हो जाते हैं। उन्हें डर होता है कि कहीं उनके बच्चे का भविष्य खतरे में तो नहीं है। पेरेंट एजुकेटर अर्पिता अक्षय पिथावा कहती हैं कि ऐसे शर्माने वाले बच्चों को सही तरीके से समझाया जाए तो उनकी झिझक दूर हो सकती है। इससे बच्चों की सोशल स्किल्स में सुधार होता है और वे ज्यादा आत्मविश्वासी बनते हैं।

बच्चे की सोशल स्किल्स कैसे सुधारें

इंट्रोवर्ट होना बुरा नहीं है: पेरेंट्स को यह समझना बहुत ज़रूरी है कि इंट्रोवर्ट होना बुरा नहीं होता। अगर बच्चे के सामने बार-बार ये कहा जाए कि वह बहुत शर्माता है या किसी से बात नहीं करता, तो इससे बच्चे का कॉन्फिडेंस कम हो जाता है। इसलिए पेरेंट्स को बच्चे के सामने इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए।

अपनी कहानियां बच्चे से शेयर करें: अपने बचपन की या अपनी ऑकवर्ड कहानियों को बच्चे के साथ शेयर करें। उसे बताएं कि जब आप पहली बार ऑफिस गए थे तो आपका दिन कैसा गुजरा था। इससे बच्चे के दिमाग में यह बात बनती है कि पहले और अब के समय में आपके भीतर कितना बदलाव आया है। इस तरह बच्चे खुद भी प्रेरित होते हैं।

गेस्ट आने से पहले बच्चे को तैयार करें: अगर घर में कोई मेहमान आने वाला है या आप कहीं जाने वाले हैं, तो बच्चे को पहले से तैयार करें। उसे समझाएं कि जब मेहमान आए तो उन्हें कैसे नमस्ते या हाय-हैलो कहना है। इंट्रोवर्ट बच्चे अचानक से यह नहीं समझ पाते कि दूसरों के सामने कैसे व्यवहार करना चाहिए। इसलिए बच्चे को पहले से प्रिपेयर करना बहुत जरूरी होता है।

रोल प्ले खेलें: रोल प्ले एक बहुत अच्छा तरीका है बच्चों की सोशल स्किल्स बढ़ाने का। आप बच्चे के साथ रोल प्ले खेल सकते हैं, जिसमें आप टीचर बनें और बच्चा स्टूडेंट। इस तरह बच्चा बातचीत करना और खुद को व्यक्त करना सीखता है। इससे उसके कॉन्फिडेंस में भी वृद्धि होती है।

हमउम्र बच्चों के साथ खेलना: अपने बच्चे के उम्र के दूसरे बच्चों को घर बुलाएं। हमउम्र बच्चों के साथ खेलना और बातचीत करना बच्चे के लिए घुलने-मिलने को आसान बनाता है। इससे बच्चे की कम्युनिकेशन स्किल्स भी बेहतर होती हैं और वह दूसरों के साथ सहज महसूस करता है।

अगर माता-पिता इन तरीकों को अपनाएं तो बच्चों में सोशल स्किल्स का विकास होता है और उनकी झिझक भी दूर होती है। इससे बच्चे स्कूल और जीवन दोनों में आगे बढ़ सकते हैं।

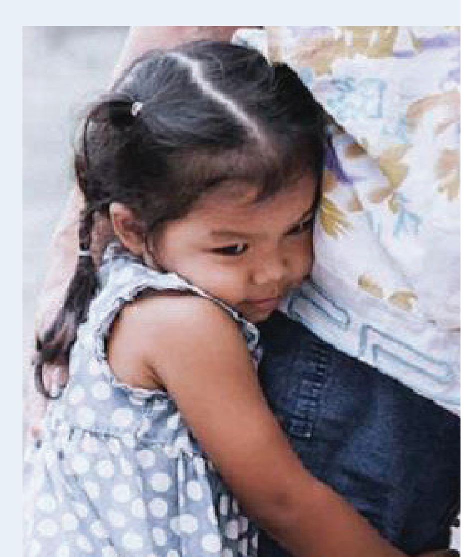

बरसात में बच्चों की यूं करें देखभाल, तो वे नहीं पड़ेंगे बार-बार बीमार

मानसून में मच्छरों और संक्रमण पैदा करने वाले कीटाणुओं का खतरा बढ़ जाता है जो निस्संदेह आपके बच्चों के लिए हानिकारक होते हैं। ऐसे मामलों से बचने के लिए माता-पिता को अपने शिशुओं का ध्यान रखने के लिए एक्स्ट्रा एफर्ट करने की जरूरत होती है। इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में जानेंगे जिनसे बच्चे को बीमार पड़ने से बचाया जा सके ।

माता-पिता बारिश के मौसम में अपने बच्चों को ऐसे रखें ख्याल

मानसून बहुत जल्द दस्तक देने जा रहा है, जो धीरे-धीरे गर्मी का प्रचंड रूप शांत करके लोगों को राहत दिलाएगा। वहीं, गर्मी से बेहाल लोग भी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, यह मौसम दूसरों के लिए जितना सुकून लेकर आएगा, नए माता-पिता के लिए उतनी ही परेशानियां क्योंकि मानसून का महीना केवल बारिश ही नहीं बल्कि बीमारी के लिए भी मशहूर है। ऐसे में नए पेरेंट्स अपने बच्चे का ख्याल कैसे रखें यह सबसे बड़ा सवाल है। इस आर्टिकल में हम इसी के बारे में जानने की कोशिश करेंगे कि मानसून के दौरान छोटे बच्चों को बीमारियों से कैसे बचाकर रखें।

मानसून में बच्चों को बीमारी से कैसे बचाएं?

बारिश के मौसम में पानी से होने वाले संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है, ऐसे में बच्चों के बीमार पड़ने की संभावना भी अधिक रहती है। इसलिए पहली बार माता-पिता बने कपल को अपने बच्चे को मानसून में स्वस्थ्य रखने के लिए अधिक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इसके लिए आदतों में कुछ बदलाव और थोड़ी सावधानी आपका काम काफी आसान कर सकती है।

बारिश से बचाएं

कोशिश करें कि अपने बच्चे को बारिश में भीगने से बचाएं। इसके लिए छाते, रेनकोट और रेन बूट जैसी आजमाई हुई चीजें आपके काम आ सकती हैं। बच्चों को बाहर ले जाने से पहले ध्यान दें कि उनके पास सभी आवश्यक चीजें हैं। बरसात के मौसम के दौरान, तापमान में भी तेजी से गर्माहट और ठंडक का अनुभव होता है। वहीं नमी से बचने के लिए बच्चों को आरामदायक सूती कपड़े पहनाएं, लेकिन जब मौसम ठंडा हो जाए, तो उन्हें थोड़े मोटे कपड़े पहनाएं। ध्यान रखें कि बच्चे के कपड़े पूरी तरह सूखे हों क्योंकि बरसात के मौसम में कपड़े नमी सोख लेते हैं, जिससे फंगल इंफेक्शन हो सकता है।

डायपर गीला न रहे

बरसात के मौसम में बच्चे को एक मिनट के लिए भी गीला डायपर न पहनने दें। सर्द या बरसात के दिनों में बच्चे अन्य मौसमों की तुलना में अधिक पेशाब करते हैं, जिससे उनकी स्किन पर रैशेज हो सकते हैं। इसके अलावा इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है और उन्हें ठंड भी लग सकती है। इसलिए, याद रखें कि जैसे ही आपको लगे कि आपके बच्चे की नैपी गीली या गंदी हो गई है, तो उसे तुरंत बदल दें।

बीमारियों को नजरअंदाज न करें

बुखार, शारीरिक दर्द, छींक आना और अन्य लक्षण मानसून से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा इस मौसम में वायरल इंफेक्शन होने का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे कोई भी लक्षण नजर आने पर सीधे अपने डॉक्टर से संपर्क करें और बीमारी से लड़ने के लिए उचित सावधानी बरतें, भले ही यह शुरुआती दौर में ही क्यों न हों।

मच्छरों को दूर रखें

मच्छर के काटने से नवजात शिशु को गंभीर परेशानियां हो सकती हैं, जिससे उनके शरीर पर रेडनेस और सूजन भी हो सकती है। ऐसे में बच्चे के मच्छरदानी में रखें, जिससे वे अच्छी और भरपूर नींद सो सकें। वहीं शाम के वक्त उन्हें पूरी तरह से ढके हुए कपड़े पहनाएं। अगर आपके पास मच्छरों को भगाने के लिए कोई नेचुरल रेमेडी है, तो उसका भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मानसून सीजन में बच्चे को कब नहलाएं?

बड़ों की तरह बच्चों को रोजाना नहाने की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि वे अपना अधिकांश समय घर के अंदर ही बिताते हैं। ऐसे में मानसून सीजन में बच्चे को हफ्ते में दो से तीन बार नहलाना काफी होगा। खासकर उमस भरे मौसम में, गर्मी से राहत दिलाने के लिए यह काफी होगा। लेकिन अगर आप बच्चे को बाहर लेकर गए हैं, तो उसे गुनगुने पानी से नहलाएं। बचपन की अधिकांश यादें बारिश में खेलने और कागज की नाव चलाने से बनती है। इसलिए उनकी यादों को बनने से रोकना नहीं है बल्कि सही देखभाल के जरिए उन्हें बरसात के मौसम का अधिकतम लाभ उठाने देना है।

आसमान की रानी फिलीपाइन ईगल

तेजी से लुप्त होते पक्षियों की श्रेणी में आती है फिलीपाइन ईगल। यह चील प्रजाति की ही है, पर दूसरी चीलों से अधिक बड़ी और ताकतवर होती है। यह मुख्य तौर से फिलीपींस में पाईजाती है। पशुओं का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिक कहते हैं कि जिस तरह जंगल का राजा शेर होता है, उसी तरह फिलीपाइन ईगल आसमान कीरानी है। इसे 4 जुलाई 1995 को फिलीपींस की नेशनल बर्ड घोषित किया गया था।

क्या सच में दूध पीने से बढ़ती है बच्चों की हाइट?

बचपन में सही पोषण और हेल्दी लाइफस्टाइल बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। यह न सिर्फ उसकी हाइट, हड्डियों की मजबूती बल्कि दिमागी विकास में भी मदद करता है। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा लंबा, तंदुरुस्त और तेज़ दिमाग वाला हो। इसलिए वे बच्चों के खानपान का खास ध्यान रखते हैं।

क्या दूध पीने से बच्चों की हाइट बढ़ती है?

दूध को पारंपरिक रूप से संपूर्ण आहार माना जाता है। इसमें मौजूद कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन्स बच्चों की हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत करते हैं। अक्सर हम सुनते हैं कि दूध पीने से लंबाई बढ़ती है। डॉक्टरों का कहना है कि दूध सीधे तौर पर लंबाई नहीं बढ़ाता लेकिन यह उन पोषक तत्वों की पूर्ति करता है जो हाइट ग्रोथ में मदद करते हैं। यानी अगर दूध को बैलेंस डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल के साथ लिया जाए तो यह हाइट बढ़ाने में मददगार हो सकता है।

हाइट किन बातों पर निर्भर करती है?

अनुवांशिकता : माता-पिता की हाइट का सीधा असर बच्चों पर पड़ता है। अगर माता-पिता लंबे हैं तो बच्चों के लंबे होने की संभावना ज्यादा होती है।

पोषण : सही और संतुलित पोषण से हड्डियों और मांसपेशियों का विकास सही ढंग से होता है। बच्चों की डाइट में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और जरूरी विटामिन्स होना चाहिए।

फिजिकल एक्टिविटी: योग, स्ट्रेचिंग, स्विमिंग और आउटडोर खेल बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। माता-पिता बच्चों के साथ समय बिताएं और उन्हें एक्टिव रखें।

नींद: गहरी नींद के दौरान ग्रोथ हार्मोन रिलीज होते हैं। बच्चों को हर दिन 8-10 घंटे की नींद जरूर देनी चाहिए।

दूध पीने का सही समय और तरीका

दूध सुबह या रात को सोने से पहले देना सबसे अच्छा माना जाता है। दूध में ज्यादा मीठा या चॉकलेट पाउडर न मिलाएं। इससे पोषण कम हो सकता है। दूध को हल्का गर्म करके देना बेहतर है ताकि वह जल्दी पच सके। अगर बच्चा दूध नहीं पीता या उसे लैक्टोज इन्टॉलरेंस है तो आप फोर्टिफाइड सोया मिल्क, बादाम मिल्क या ओट मिल्क दे सकते हैं।

बच्चे की हाइट नहीं बढ़ रही तो क्या करें?

बच्चे की डाइट में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन ष्ठ शामिल करें। दूध, अंडा, दालें, हरी सब्जियां, फल और नट्स रोजाना खिलाएं। बच्चे को रोज खेल-कूद, योग और एक्सरसाइज के लिए प्रोत्साहित करें। पर्याप्त नींद (8-10 घंटे) दिलाना जरूरी है। इसके बावजूद हाइट नहीं बढ़ रही है तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

क्या खिलाने से बच्चों की हाइट बढ़ सकती है?

बच्चों को प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन डी और जिंक युक्त आहार देना चाहिए। दूध, दही, अंडा, हरी सब्जियां, दालें, अंकुरित अनाज और फल इनकी डाइट का हिस्सा हों। जंक फूड और सॉफ्ट ड्रिंक्स से बचाव जरूरी है।

क्या लटकने से लंबाई बढ़ती है?

हां, लटकने से रीढ़ की हड्डी पर खिंचाव आता है जिससे लंबाई बढ़ाने में थोड़ी मदद मिलती है। यह एक्सरसाइज पोश्चर सुधारने और मांसपेशियों को मजबूत करने में भी मदद करती है। लेकिन सिर्फ लटकने से लंबाई नहीं बढ़ती, इसके साथ अच्छी डाइट, पर्याप्त नींद और अन्य एक्सरसाइज जरूरी हैं।

दूध बच्चों के विकास में सहायक जरूर है, लेकिन यह अकेले लंबाई नहीं बढ़ा सकता। इसके लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, अच्छी नींद और स्वस्थ जीवनशैली जरूरी है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को संपूर्ण पोषण दें और उनके मानसिक व शारीरिक विकास पर ध्यान दें।

संक्षिप्त समाचार

बोलीविया की राजधानी में खनिकों और पुलिस के बीच झड़प

सुक्रे, एजेंसी। शुक्रवार को बोलीविया की राजधानी में खनिकों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। खनिक सरकारी महल में घुसने का प्रयास कर रहे थे और डायनामाइट चार्ज का उपयोग कर रहे थे। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस छोड़ी। खनिक श्रम सुधारों, ईंधन और राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। राष्ट्रपति रोड्रिगो पाज के प्रशासन को चुनौती मिल रही है। किसानों की मांग पर एक कानून रद्द होने के बावजूद प्रदर्शन जारी हैं।

अमेरिकी सीमा गश्ती प्रमुख माइकल बैंक्स का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय सीमा गश्ती एजेंसी के प्रमुख माइकल बैंक्स ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में बताया कि उनका इस्तीफा तुरंत प्रभावी है। बैंक्स ने कहा कि यह सही समय है। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने देश की सीमा को सबसे सुरक्षित बना दिया है। पहले यह सीमा कम सुरक्षित और अराजक थी। गृह सुरक्षा विभाग ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

रूबियो ने कहा- ताइवान पर चीन की सैन्य कार्रवाई बड़ी गलती होगी

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप के साथ चीन दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बृहस्पतिवार को साफ किया कि ताइवान के प्रति अमेरिका की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चीन की ओर से बलपूर्वक ताइवान पर कब्जा करना चीन की भयानक भूल होगी। रुबियो ने कहा कि चीन, द्विपक्षीय वार्ताओं के दौरान लगातार ताइवान का मुद्दा उठाता है। हालांकि, जिनपिंग की ओर से दी गई चेतावनी पर उन्होंने कोई सीधी टिप्पणी करने से परहेज किया।

कनाडा ने 2050 तक बिजली ग्रिड दोगुना करने की रणनीति पेश की

ओटावा, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को स्वच्छ बिजली रणनीति का अनावरण किया। इसका लक्ष्य 2050 तक कनाडा के बिजली ग्रिड को दोगुना करना और ऊर्जा लागत कम करना है। इस रणनीति में प्राकृतिक गैस की बड़ी भूमिका होगी। निर्माण पर 1 ट्रिलियन कनाडाई डॉलर से अधिक खर्च होने का अनुमान है। कार्नी ने कहा कि यह योजना सामर्थ्य, प्रतिस्पर्धा और शुद्ध शून्य उत्सर्जन का मार्ग है। इसमें पनबिजली, परमाणु, पवन, सौर सहित विभिन्न ऊर्जा स्रोतों का उपयोग होगा। कनाडाई जलवायु संस्थान ने इसे सही दिशा में बताया पर कुछ मुद्दे अस्पष्ट हैं।

आतंक के खिलाफ भारत-फिलीपीन एकजुट, बढ़ेगा तकनीकी सहयोग

मनीला , एजेंसी। भारत और फिलीपीन ने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और मजबूत करने पर सहमति जताई है। मनीला में आयोजित भारत-फिलीपीन आतंकरोधी संयुक्त कार्य समूह की दूसरी बैठक में दोनों देशों ने सीमा पार आतंकवाद समेत हर प्रकार के आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत में हाल में हुए आतंकी हमलों का भी जिक्र किया। इसमें पिछले वर्ष 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए विस्फोट की कड़ी आलोचना की गई। फिलीपीन ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति अपनी एकजुटता और अटूट समर्थन दोहराया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. विनोद बहाड़े ने किया, जबकि फिलीपीन की ओर से विदेश विभाग के सहायक सचिव मार्शल लुई एम. अल्फेरेज सह-अध्यक्ष रहे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में आतंकियों द्वारा उभरती तकनीकों के दुरुपयोग को रोकने और आतंकवाद के वित्तपोषण पर लगाम लगाने के लिए खुफिया और अन्य सूचनाएं साझा करने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने कानून प्रवर्तन, न्यायिक सहायता और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। बैठक में कट्टरपंथ और हिंसक उग्रवाद को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों देशों ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और व्यापक बनाने की जरूरत है। भारत और फिलीपीन ने संयुक्त राष्ट्र, एफएटीएफ और आसियान क्षेत्रीय मंच जैसे बहुपक्षीय मंचों पर एक-दूसरे का समर्थन जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने फिलीपीन की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की।

फिर कटघरे में काश पटेल, समुद्र में छुट्टी और यात्राओं को लेकर चौंकाने वाले दावे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल एक बार फिर मुश्किलों में घिर गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी सरकारी यात्राओं के दौरान काम के साथ-साथ निजी मौज-मस्ती को मिला दिया। ताजा विवाद उनके हवाई दौरे को लेकर है, जहां उन्होंने पर्ल हार्बर स्मारक जैसे पवित्र और संवेदनशील स्थान पर 'स्नॉर्कलिंग' (समुद्र की सतह पर तैरना) की। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस जगह वह तैराकी कर रहे थे, वह द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए 900 से अधिक अमेरिकी सैनिकों की जलमग्न समाधि है। इस खुलासे के बाद अमेरिका में उनके पद के दुरुपयोग को लेकर बहस छिड़ गई है।

हवाई दौरे के दौरान आखिर क्या छिपाया गया : सरकारी ईमेल से मिले दस्तावेजों के आधार पर यह खुलासा हुआ है कि पिछले साल अगस्त में काश पटेल जब हवाई गए थे, तो एफबीआई ने इसे पूरी तरह सरकारी दौरा बताया था। आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया कि उन्होंने वहां कानून लागू करने वाली एजेंसियों से मुलाकात की। लेकिन, एफबीआई ने यह बात दबा ली कि आधिकारिक काम खत्म होने के बाद पटेल दो दिनों के लिए वहां वापस लौटे और 'वीआईपी स्नॉर्कलिंग' का लुत्फ उठाया। उन्होंने यूएसएस एरिजोना युद्धपोत के मलबे के पास तैराकी की, जो एक मिलिट्री कब्रिस्तान है। आम

लोगों के लिए यहां तैरना या गोताखोरी करना सख्त मना है, क्योंकि यह 1941 में जापान के हमले में मारे गए वीरों की याद में बना एक अत्यंत पवित्र स्थल है।

क्या काश पटेल का यह व्यवहार एक पुराने पैटर्न का हिस्सा है : काश पटेल पर संसाधनों के गलत इस्तेमाल के आरोप नए नहीं हैं। आलोचकों का कहना है कि वे अक्सर सरकारी विमान और सुविधाओं का उपयोग अपनी छुट्टियों और निजी शौक पूरा करने के लिए करते हैं। अभी कुछ समय पहले फरवरी में भी वह तब विवादों में आए थे, जब मिलान में शीतकालीन ओलंपिक के दौरान अमेरिकी हॉकी टीम के साथ जश्न मनाते हुए उनका वीडियो सामने आया था। उस समय पटेल ने सफाई दी थी कि वह साइबर अपराध की जांच के लिए वहां गए थे। अब पर्ल हार्बर के पवित्र स्थल पर उनकी इस गतिविधि को 'गंभीर विचलन' माना जा रहा है, जिससे उनकी पेशेवर छवि पर सवाल उठ रहे हैं।

स्नॉर्कलिंग के लिए सेना और पार्क सर्विस ने कैसे दी अनुमति : यूएसएस एरिजोना स्मारक की देखरेख नौसेना और नेशनल पार्क सर्विस करती है। हालांकि यहां गोताखोरी वर्जित है, लेकिन ओबामा प्रशासन के समय से ही कुछ बेहद खास वीआईपी अधिकारियों को यहां तैराकी की गोपनीय अनुमति दी जाती रही है। नौसेना ने इस बात की पुष्टि की है कि पटेल की इस यात्रा के लिए सैन्य अधिकारियों ने समन्वय किया था। तैराकी के दौरान उन्हें हिदायत दी गई थी कि वे जहाज के मलबे को न छुएं। हालांकि, पार्क सर्विस ने इस पूरे मामले से दूरी बना ली है और कहा है कि वे इस गतिविधि में शामिल नहीं थे। 1993 के बाद से किसी भी अन्य एफबीआई निदेशक ने इस तरह की गतिविधि वहां नहीं की है।

शहीदों के सम्मान और नैतिकता पर क्या कह रहे हैं विशेषज्ञ : पूर्व संघीय अभियोजकों और विशेषज्ञों का कहना है कि एफबीआई निदेशक का ध्यान अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा पर होना चाहिए, न कि ऐसी विवादास्पद गतिविधियों पर। पूर्व सैनिकों ने भी इस पर नाराजगी जताई है। एक पूर्व मरीन सैनिक ने कहा कि शहीदों की समाधि पर इस तरह मौज-मस्ती करना वैसा ही है जैसे किसी चर्च में शादी से पहले की शराब पार्टी करना। यह स्थल एक सैन्य कब्रिस्तान है और इसे पूरी गरिमा के साथ सम्मान दिया जाना चाहिए।

आईसीसी के वांछित फिलीपीनी सीनेटर रोनाल्ड संसद से फरार

मनीला , एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के वांछित फिलीपीन के सीनेटर रोनाल्ड डेला रोजा सीनेट (संसद) से फरार हो गए हैं। मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों का सामना कर रहे रोजा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए सीनेट में शरण ले रखी थी। घटना बुधवार की रात उस समय हुई जब सीनेट की सुरक्षा में तैनात कर्मियों और एक सरकारी एजेंट के बीच तीखी बहस के दौरान अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। इस अफरा-तफरी का फायदा उठाकर सीनेटर कड़ी सुरक्षा वाले परिसर से निकलने में कामयाब रहे। सरकारी एजेंट उन्हें गिरफ्तार करने पहुंचे थे। पूर्व पुलिस प्रमुख रहे रोजा पर आरोप है कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते के कार्यकाल में मादक पदार्थ विरोधी अभियान के दौरान 32 लोगों की हत्या की थी। घटना के बाद देश में तनाव को देखते हुए राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने देर रात टीवी पर संबोधन जारी कर जनता से शांति बनाए रखने की अपील की। फिलहाल, पुलिस इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। सीनेट के अध्यक्ष एलन कैयेतानो ने स्पष्ट किया।

पाकिस्तान का विदेश मंत्रालय बोला - भारत में दोनों देशों के बीच संवाद की मांग उठाने का स्वागत है

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने भारत में दोनों देशों के बीच संवाद की मांग उठाने का स्वागत किया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि शांति, सुरक्षा और साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए रचनात्मक साझेदारी और बातचीत जरूरी हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी से साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भारत के पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज नरवणे की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया था। जनरल नरवणे ने आरएसएस नेता दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान का समर्थन किया था कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए हमेशा एक खिड़की खुली रहनी चाहिए।

आधिकारिक प्रतिक्रिया का करेंगे इंतजार :पाकिस्तान : ताहिर अंद्राबी ने कहा, 'भारत के भीतर से संवाद के लिए आवाजें उठना साफ तौर पर एक सकारात्मक विकास है। हमें उम्मीद है कि भारत की ओर से बातचीत की कोशिश होगी। हम निश्चित रूप से देखेंगे कि क्या भारत में इन आवाजों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया आती है।'

बैक-चैनल संपर्क पर साधी चुप्पी : हालांकि, अंद्राबी ने दोनों पक्षों के बीच बैक-चैनल संपर्क की पुष्टि या खंडन करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'ट्रैक टू या बैक चैनल के बारे में - खैर, मैं इसके बारे में नहीं जानता और उन पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। अगर मैं टिप्पणी करता, तो कोई बैक चैनल नहीं होता। बैक चैनल या ट्रैक टू, नाम

अपने आप में स्पष्ट है।

शांति और कूटनीति के प्रति प्रतिबद्धता : प्रवक्ता ने इस बात पर भी जोर दिया कि पाकिस्तान का मानना है कि रचनात्मक साझेदारी और ईमानदार संवाद शांति, सुरक्षा और सभी के लिए साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा, 'हम कूटनीति के सिद्धांतों, संप्रभुता के सम्मान और सार्थक अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं, जो क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सद्भाव का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर क्या बोला पाकिस्तान : अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच स्थायी शांति के लिए अपनी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति प्रक्रिया बरकरार है और चल रही है। उन्होंने कहा, 'हम कोशिशों में लगे हुए हैं। हम आशावादी बने हुए हैं। शांति प्रक्रिया में गति लाना मुख्य रूप से दो प्रमुख वार्ताकारों का विशेषाधिकार है। पाकिस्तान अपनी ओर से कोशिश में लगा हुआ है।

होर्मुज खुलने के बाद भी तुरंत नहीं सुधरेंगे हालात, सिंगापुर के पीएम ने दी बड़े संकट की चेतावनी

सिंगापुर , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे भारी टकराव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पिछले दो महीने से अधिक समय से बंद है, जिससे पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने अपनी जनता को आगाह करते हुए स्पष्ट किया है कि अगर होर्मुज का यह समुद्री रास्ता फिर से खुल भी जाता है, तो भी हालात तुरंत सामान्य नहीं होंगे। बंदरगाहों और ऊर्जा ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, साथ ही जलमार्गों को बारूदी सुरंगों से मुक्त करने और जहाजों की सुरक्षित आवाजाही का विश्वास बहाल करने में काफी लंबा समय लगेगा। प्रधानमंत्री ने 1970 के दशक के तेल संकट की याद दिलाते हुए चेतावनी दी है कि इस रुकावट का असर सिर्फ ऊर्जा और पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दुनियाभर में उर्वरक, खाद्य पदार्थों और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति भी बुरी तरह से प्रभावित होगी। खाड़ी देशों पर बहुत अधिक निर्भर होने के कारण एशिया के कई देशों में पहले से ही ईंधन की भारी कमी हो गई है, जिससे उड़ानें रद्द हो रही हैं और कारखानों का काम रुक गया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने भी इस वर्तमान संकट को 70 के दशक से कहीं ज्यादा खतरनाक बताया है। प्रधानमंत्री वोंग ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बहुत तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए आपूर्ति में होने वाली इस निरंतर बाधा और आने वाले बेहद कठिन समय का सामना करने के लिए सभी को मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना चाहिए।

भारतीय जहाज पर हमले की यूएई ने की निंदा: बोला- समुद्री सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

अबू धाबी , एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को अबू धाबी दौरे से ठीक पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान तट के पास भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। यूएई ने इसे आतंकी हमला और अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया साथ ही भारत के साथ पूरी एकजुटता की बात कही है।

भारतीय जहाज पर हुआ हमला खतरनाक उकसावा : यूएई के विदेश मंत्रालय (एमओएफए) ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास भारतीय जहाज पर हुआ हमला 'खतरनाक उकसावा' है, जिसका उद्देश्य अहम समुद्री रास्तों की स्थिरता को नुकसान पहुंचाना है। मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय

व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है और इससे वैश्विक समुद्री सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है।

भारत के हर कदम का समर्थन - संयुक्त अरब अमीरात : यूएई ने भारत को भरोसा दिलाया कि वह भारतीय जहाजों और समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करेगा। बयान में कहा गया कि यह हमला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव का उल्लंघन है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने की बात कही गई है। यूएई ने बिना किसी देश या संगठन का नाम लिए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अहम समुद्री रास्तों का इस्तेमाल 'आर्थिक दबाव' या 'ब्लैकमेल' के लिए करना समुद्री डकैती जैसा है और इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता, लोगों की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरा पैदा होता है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी की घटना की निंदा : वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय झंडे वाले जहाज पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है और व्यापारिक जहाजों तथा आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जाना बेहद चिंताजनक है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित हैं और ओमान प्रशासन ने उन्हें बचाने में मदद की है। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों पर हमले और समुद्री व्यापार में बाधा डालने वाली घटनाओं से बचना चाहिए। हालांकि भारत सरकार ने अभी तक जहाज का नाम या हमले में किसी नुकसान की आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन सरकारी सूत्रों के मुताबिक नई दिल्ली पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी की अबू धाबी यात्रा के दौरान यह मुद्दा प्रमुखता से उठ सकता है। भारत और यूएई के बीच खाड़ी क्षेत्र और अरब सागर में समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होने की संभावना है।

हथियार तस्करी के मामले में भारतीय मूल के युवक को सजा

सैक्रामेंटो, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के 27 वर्षीय युवक जशनप्रीत सिंह को अवैध हथियारों की तस्करी और मशीन गन रखने के मामले में पांच साल चार महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। जशनप्रीत कैलिफोर्निया के लोदी शहर का रहने वाला है और उसने 'पंजाबी डेविल्स' नाम का एक मोटरसाइकिल गैंग बनाया था। यह गैंग अमेरिका के कुख्यात बाइकर्स संगठन 'हेल्स एंजल्स' से जुड़ा बताया गया है।'

कैलिफोर्निया के स्टॉकटन इलाके में सक्रिय बाइकर गैंग : अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक 'पंजाबी डेविल्स' कैलिफोर्निया के स्टॉकटन इलाके में सक्रिय था। अमेरिकी अटॉर्नी एरिक ग्रांट ने बताया कि जशनप्रीत सिंह को गैरकानूनी तरीके से हथियार बेचने

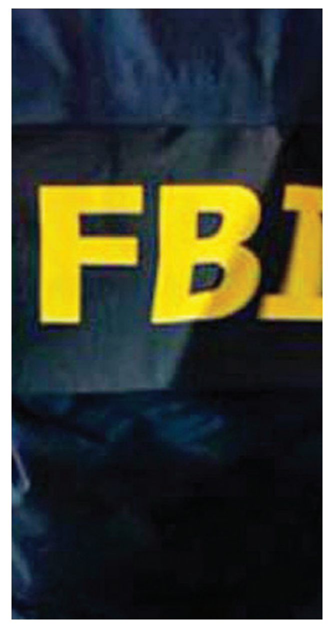

और मशीन गन रखने का दोषी पाया गया। अदालत में पेश दस्तावेजों के अनुसार, जून 2025 में उसने एक अंडरकवर पुलिस अधिकारी को कई खतरनाक हथियार बेचने की कोशिश की थी। इनमें शॉर्ट बैरल राइफल, तीन असॉल्ट हथियार, मशीन गन में बदलने वाले उपकरण और एक रिवॉल्वर शामिल थे।

पुलिस की छापेमारी में घर से मिले हथियार : इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा, जहां से और भी हथियार बरामद हुए। अधिकारियों को एक मशीन गन, मशीन गन कन्वर्जन डिवाइस और साइलेंसर मिला। जांच के दौरान पुलिस को एक हैंड ग्रेनेड और सैन्य इस्तेमाल में आने वाला क्लेमोर माइन जैसा विस्फोटक भी मिला। खतरे को देखते हुए बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही इन विस्फोटकों को नष्ट कर दिया।

अमेरिका से भागने की कोशिश की दौरान गिरफ्तारी : शुरुआत में जशनप्रीत सिंह पर सैन जोएक्विन काउंटी में राज्य स्तर पर केस दर्ज किया गया था। लेकिन जुलाई 2025 में वह अदालत में पेश नहीं हुआ, जिसके बाद उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। इसी दौरान एफबीआई को जानकारी मिली कि उसने भारत जाने के लिए टिकट बुक कर ली है और वह सैन फ्रांसिस्को एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाला है। 26 जुलाई 2025 को अमेरिकी अधिकारियों ने उसे सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया, इससे पहले कि वह भारत भाग पाता। फिलहाल वह अमेरिकी संघीय हिरासत में है।

होर्मुज पर अमेरिका के साथ चीन, परमाणु हथियार को लेकर भी सख्त

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई ऐतिहासिक शिखर बैठक में दोनों नेताओं ने वैश्विक स्थिरता और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मुलाकात में ताइवान, हॉर्मुज स्ट्रेट, ईरान का परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। साल 2017 के बाद चीन में दोनों नेताओं की यह पहली आमने-सामने की बैठक थी। बैठक ऐसे समय में हुई जब विश्व युद्ध की आशंकाओं, ऊर्जा संकट और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रहा है। जिनपिंग ने ट्रंप का औपचारिक स्वागत करते हुए ताइवान मुद्दे पर सख्त चेतावनी दी। उन्होंने इसे चीन-अमेरिका संबंधों का सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। जिनपिंग ने चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान पर कोई भी गलत कदम दोनों देशों के बीच टकराव और युद्ध की स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने पूछा कि क्या चीन और अमेरिका थ्यूसीडाइड्स ट्रैप से बच सकते हैं? और इसके बजाय बड़े देशों के बीच सहयोग का नया मॉडल बनाने का सुझाव दिया। दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि विश्व के तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हॉर्मुज स्ट्रेट हमेशा खुला और सुरक्षित रहना चाहिए। जिनपिंग ने स्पष्ट किया कि चीन इस मार्ग पर किसी भी प्रकार की सैन्य तैनाती या टोल वसूली का विरोध करता है। दोनों पक्ष इस बात पर भी एकमत हुए कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाए। वहीं, ट्रंप ने बैठक को 'बेहद सकारात्मक और सफल' बताया। उन्होंने जिनपिंग को अपना दोस्त और महान नेता करार दिया। वाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं ने रिश्तों को और मजबूत बनाने, व्यापार सहयोग बढ़ाने, अमेरिकी कंपनियों के लिए चीनी बाजार खोलने और चीन से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर जोर दिया। जिनपिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि 2026 दोनों देशों के संबंधों में नया अध्याय साबित हो। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाए और रिश्तों को कभी बिगड़ने नहीं दिया जाए। बता दें कि इस बैठक में एलन मस्क, टिम कुक समेत अमेरिका के कई प्रमुख उद्योगपतियों ने भी हिस्सा लिया।

पाकिस्तान की वो खूबसूरत हसीना जो बनी 'कोकीन क्वीन', कराची की लेडी डॉन पिंकी कौन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अपराध की दुनिया से जुड़े कई नाम समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इस बीच 'लेडी डॉन' पिंकी का नाम इन दिनों सबसे अधिक चर्चा में है। पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हाई-प्रोफाइल ड्रग तस्कर अनमोल उर्फ पिंकी को गिरफ्तार किया है। कराची पुलिस और संघीय जांच एजेंसियों के संयुक्त अभियान में इस महिला को गिरफ्तार किया गया, जिस पर देश के प्रमुख शहरों में कोकीन का विशाल सप्लाई नेटवर्क चलाने का आरोप हैं।

पुलिस के अनुसार, पिंकी विशेष रूप से कुलीन वर्ग और निजी पार्टियों को नशीले पदार्थों की आपूर्ति करती थी। पुलिस ने आधिकारिक बयान में बताया कि पिंकी पूरे कराची में कोकीन और अन्य घातक ड्रग्स की सप्लाई में सक्रिय थी। छापेमारी के दौरान उसके ठिकाने से एक पिस्तौल, लाखों रुपये की कोकीन, रसायन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस का दावा है कि वह देश की सबसे वांछित ड्रग सप्लायर्स में शामिल थी और लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बचती रही थी।

किशोरावस्था से शुरू हुआ अपराध की दुनिया में सफर : पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिंकी का जन्म 1995 में कराची के बलूच पारा इलाके में हुआ था। मात्र 14 साल की उम्र में वह घर छोड़कर चली गई थी। शुरू में मॉडलिंग का सपना देखने वाली पिंकी बाद में डांस पार्टियों और हाई-सोसायटी के जरिए प्रभावशाली लोगों से जुड़ी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय वकील से शादी की, जिसके कथित रूप से वैश्विक कोकीन कारोबार से संबंध थे। बाद में उसने एक पुलिस अधिकारी से भी शादी की। अपने भाइयों नासिर और शौकत की मदद से पिंकी ने ड्रग कारोबार का विस्तार किया। उसने ऑनलाइन रिसर्च कर घरेलू स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन तैयार करना शुरू कर दिया।

अमीरों तक पहुंचा नेटवर्क : जांचकर्ताओं के अनुसार, पिंकी का नेटवर्क कराची, लाहौर और इस्लामाबाद तक फैला हुआ था। यह मुख्य रूप से ष्ठ॥ और क्लिफ्टन जैसे महंगे इलाकों को लक्षित करता था। उसने अपना प्रोडक्ट आकर्षक नाम देकर बेचा 'क्वीन मैडम पिंकी- नाम ही काफी है, आनंद लें'। महिला कूरियर, ट्रेन, बाइक और व्हाट्सएप के जरिए डिलीवरी का जाल बिछाया गया था। बताया जा रहा है कि दो किस्म की कोकीन बेची जाती थी। पहला 'व्हाइट कोक' 8850 रुपये प्रति ग्राम और दूसरा 'गोल्डन कैटेगरी' 13728 रुपये प्रति ग्राम। पूछताछ में पिंकी ने दावा किया कि पाकिस्तान में उससे बेहतर कोकीन कोई नहीं बनाता है। इस गिरफ्तारी ने ड्रग माफिया, पुलिस भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के संरक्षण के मुद्दों को फिर से उठा दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पिंकी को करीब पांच साल पहले पंजाब में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 2.4 करोड़ रुपये की रिश्वत देकर वह छूट गई थी। उस पर फिंगरप्रिंट मिटाने के लिए तेजाब इस्तेमाल करने का भी आरोप है। वहीं, गिरफ्तारी के बाद पिंकी की अदालत पेशी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फुटेज में उसे बिना हथकड़ी के, सनग्लासेस लगाए और पानी की बोतल लेकर चलते दिखाया गया, जबकि जांच अधिकारी उसके पीछे-पीछे चल रहा था। इसे VIP ट्रीटमेंट बताते हुए सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं। वीडियो वायरल होने के बाद कराची के एडिशनल द्ब्रल्ल आजाद खान ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लांजर ने कहा कि आरोपी को प्रोटोकॉल कैसे दिया गया? सभी जिम्मेदार अधिकारियों को स्पष्टीकरण देना होगा। लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

18700 रुपए किलो चांदी के दाम गिरे एक दिन में

चांदी की गिरावट और तेजी , बाजार हैरान

ई टी एफ में चांदी की गिरावट में चार बड़े कारण

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमतों में एक ही दिन में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू बाजार में चांदी करीब 18,700 रुपए प्रति किलो तक टूट गई, जिससे निवेशक और कारोबारी दोनों हैरान रह गए। वहीं सिल्वर ईटीएफ में भी करीब 9 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका और डॉलर की मजबूती ने कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा दिया है।

जानकारों का कहना है कि महंगाई के आंकड़े उम्मीद से अधिक आने के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर डॉलर की ओर रुख किया। इसके चलते सोना और चांदी दोनों कमजोर हुए। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में औद्योगिक मांग घटने और बड़े निवेशकों की बिकवाली ने भी चांदी की कीमतों को नीचे खींचा।

हालांकि बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि यह गिरावट लंबे समय तक नहीं रह सकती। औद्योगिक उपयोग और वैश्विक मांग बढ़ने पर आने वाले समय में चांदी में फिर तेजी देखने को मिल सकती है। फिलहाल निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगली नीति बैठक पर टिकी हुई है।

हिंदुस्तान कॉपर का मुनाफा 137 फीसदी बढ़कर 444 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 137.3 प्रतिशत बढ़कर 444.27 करोड़ रुपये रहा। बताया जा रहा है कि बेहतर राजस्व के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। वित्त वर्ष-2024-25 की मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 187.18 करोड़ रुपये था। चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 58 प्रतिशत बढ़कर 1,156 करोड़ रुपये रही, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 731.40 करोड़ रुपये थी। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 1.86 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के बाद लागू होगा। निदेशक मंडल ने निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के माध्यम से 500 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़ने से व्यापारिक संगठन चिंतित

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों पर भी पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली ।

देश में पेट्रोल और डीजल की हालिया मूल्य वृद्धि ने व्यापारिक संगठनों को चिंतित कर दिया है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने चेतावनी दी है कि इसका असर पूरे व्यापारिक ढांचे पर पड़ेगा, जिससे महंगाई बढ़ेगी और उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति प्रभावित होगी। सीटीआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर सबसे बड़ा असर पड़ेगा, जहां ट्रकों का दैनिक डीजल खर्च 250-300 रुपए तक बढ़ जाएगा। इससे माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी और लॉजिस्टिक्स महंगे होंगे। दिल्ली के थोक बाजारों में बाहर से आने वाले सामान का भाड़ा 3 से 5 प्रतिशत तक बढ़ सकता है, जिससे कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, मसाले समेत विभिन्न उत्पाद महंगे होंगे। छोटे व्यापारी और रेस्टोरेंट भी डिलीवरी वैन व जेनरेटर की बढ़ी लागत से जूझेंगे, जिससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं। संगठन का अनुमान है कि बढ़ती महंगाई के कारण उपभोक्ता गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करेंगे, जिससे कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और खानपान सेक्टर में बिक्री 5-8 प्रतिशत तक घट सकती है। ऑटो, ई-रिक्शा व कैब का किराया बढ़ने से बाजारों में फुटफॉल घटेगा। यह वृद्धि पूरी सप्लाई चेन और आम उपभोक्ता पर भारी पड़ेगी।

अप्रैल में निर्यात ने भरी ऊंची उड़ान, सोने के आयात से व्यापार घाटा बढ़ा

सोना-चांदी के बढ़ते आयात से घाटा तीन महीने के शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

पश्चिमी एशिया में जारी संकट और आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं के बावजूद भारत के वस्तु निर्यात ने अप्रैल में शानदार प्रदर्शन किया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार यह 13.8 फीसदी बढ़कर 43.56 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले चार वर्षों में सबसे अधिक है। हालांकि, सोने और चांदी के बढ़ते आयात ने व्यापार घाटे को 28.38 अरब डॉलर पर पहुंचा दिया, जो तीन महीने का उच्च स्तर है। कुल आयात भी 10त्न बढ़कर 71.94 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव ने बताया कि कमोडिटी कीमतों में तेजी और भारतीय उद्योगों के बाजार विविधीकरण प्रयासों से निर्यात को बढ़ावा मिला। पेट्रोलियम उत्पाद (34.7त्न बढ़कर 9.59 अरब डॉलर) और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं निर्यात वृद्धि के प्रमुख वाहक रहे। चीन और सिंगापुर को निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जबकि होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी के कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ व्यापार प्रभावित हुआ। आयात पक्ष पर, सोने का शिपमेंट 81.7 फीसदी बढ़कर 5.63 अरब डॉलर हो गया, जिससे व्यापार घाटे पर दबाव बढ़ा। चांदी का आयात भी दोगुना से अधिक हुआ। सेवाओं का निर्यात भी 13.4त्न की वृद्धि के साथ 37.24 अरब डॉलर रहा, जिससे भारत को 20.58 अरब डॉलर का अनुमानित सेवा व्यापार अधिशेष मिला। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना रहा।

जैन इरिगेशन को 19 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली।

जैन इरिगेशन सिस्टम्स को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 19 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। मुख्य रूप से अधिक खर्च के कारण कंपनी का घाटा बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसे 27.86 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। कुल आय मार्च तिमाही में बढ़कर 1,824.63 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 2024-25 की इसी तिमाही में 1,750.15 करोड़ रुपये थी। हालांकि इस दौरान खर्च बढ़कर 1,774.91 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,703.71 करोड़ रुपये था।पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 39.99 करोड़ रुपये का घाटा हुआ, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 25.69 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था।कुल आय बढ़कर 6,413.31 करोड़ रुपये हो गयी जो एक साल पहले 5,793.24 करोड़ रुपये थी।

आरबीएल बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण को वित्त मंत्रालय ने दी मंजूरी

देश में करीब 26,850 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी के अधिग्रहण की मंजूरी दे दी है। इससे देश में करीब 26,850 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ हो गया है। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग की ओर से भेजे गए एक पत्र में इस प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दी गई है। यह मंजूरी कुल चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के 49 प्रतिशत से अधिक और 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी लेने के लिए दी गई है। इस अधिग्रहण सौदे की घोषणा 18 अक्टूबर, 2025 को की गई थी। इसे भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय निवेशों में से एक माना जा रहा है। प्राथमिक पूंजी निवेश के तौर पर करीब तीन अरब डॉलर (करीब 26,850 करोड़ रुपये) का निवेश किया जाएगा। यह बैंक को वृद्धि के अपने अगले चरण के लिए मजबूत स्थिति में लाएगा।प्रस्तावित निवेश के तहत एमिरेट्स एनबीडी बैंक तरजीही निर्गम के जरिये 280 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 959,045,636 इक्विटी शेयरों को खरीदेगा। इस सौदे के बाद आरबीएल बैंक में इस विदेशी बैंक की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से 74 प्रतिशत के बीच रह सकती है, जो नियामकीय शर्तों पर निर्भर होगी।लेनदेन के बाद बैंक में विदेशी बैंक की अनुषंगी इकाई वाला मॉडल लागू होगा और एमिरेट्स एनबीडी बैंक को प्रवर्तक के रूप में मान्यता मिलेगी ।इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक और प्रतिस्पर्धा आयोग भी इस अधिग्रहण प्रस्ताव को मंजूरी दे चुके हैं।

बाजार में तूफान- पीएम मोदी की किफायत अपील और वैश्विक तनाव ने भारतीय शेयर बाजार को हिलाया

शुरुआती भारी गिरावट के बाद शेयर बाजार में दिखी मामूली रिकवरी, रुपया भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई ।

बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद उथल-पुथल भरा रहा, जो निवेशकों के धैर्य की कड़ी परीक्षा लेता दिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के लोगों से किफायत बरतने की अपील के बाद बाजार में भूचाल आ गया, जिससे शुरुआती कारोबारी दिनों में प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस गिरावट को और गहरा कर दिया। डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जो देश की आर्थिक चिंताओं को बढ़ा रहा था। हालांकि, हफ्ते के मध्य से बाजार में कुछ रिकवरी देखने को मिली, लेकिन शुक्रवार को हुई आखिरी सत्र की बिकवाली ने हफ्ते भर की बढ़त को आंशिक रूप से समाप्त कर दिया, जिससे बाजार का सफर एक रोलरकोस्टर राइड जैसा महसूस हुआ।

पीएम की अपील और बाजार में बड़ी गिरावट- पीएम की अपील और बाजार में बड़ी गिरावट हफ्ते की शुरुआत ही झटके के साथ हुई। प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से किफायत बरतने की अपील का सीधा असर घरेलू शेयर बाजार पर दिखा। सोमवार को शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स करीब 900 अंक तक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 23950 के नीचे आ गया। दिनभर चली बिकवाली के कारण प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,312.91 अंक गिरकर 76,015.28 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 360.30 अंक लुढ़ककर 23,815.85 पर आ गया। भू-राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट- भू-

राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट सोमवार की गिरावट का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा और बाजार पर दबाव और बढ़ गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को लेकर अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बिकवाली ने बाजार को और नीचे धकेल दिया। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 525.44 अंक और निफ्टी 164.5 अंक नीचे आ गया। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,456.04 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 74,559.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 436.30 अंक टूटकर 23,379.55 पर आ गया। गिरावट पर लगाम, बाजार में स्थिरता- दो दिनों की भारी बिकवाली के बाद बुधवार को बाजार में कुछ स्थिरता देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में मामूली बढ़त के बाद, हालांकि सूचकांक नकारात्मक दायरे में फिसल गए, लेकिन दिन के अंत में बिकवाली पर लगाम लगी। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 49.74 अंक बढ़कर 74,608.98 पर बंद हुआ।

ईंधन कीमत वृद्धि का लाभ धो डालेगी रुपये की गिरावट-रिपोर्ट

3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि से मिली 52,700 करोड़ की राहत

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग ने अपनी इकोरैप रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में और गिरावट से तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को वाहन ईंधन की कीमतों में हाल ही में की गई बढ़ोतरी से मिलने वाला पूरा लाभ समाप्त हो सकता है। यह चिंता ऐसे समय में आई है जब शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर 95.81 पर बंद हुआ। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों के मद्देनजर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इस कदम से ओएमसी को खुदरा बिक्री पर हो रहे नुकसान (अंडर-रिकवरी) में करीब 52,700 करोड़ रुपये की राहत मिल सकती है, जो वित्त वर्ष 2026-27 में अपेक्षित कुल नुकसान का लगभग 15 प्रतिशत है। हालांकि, रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि यदि रुपये में मौजूदा औसत स्तर से केवल दो रुपये की और कमजोरी आती है, तो कच्चे तेल के आयात की लागत इतनी बढ़ जाएगी कि ईंधन मूल्य वृद्धि का पूरा लाभ समाप्त हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, रुपया पहले ही एक महत्वपूर्ण गिरावट स्तर के करीब है, जिसके बाद और कमजोरी से लाभ खत्म हो सकता है।

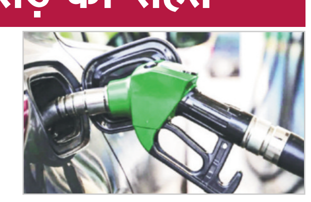

एसबीआई रिपोर्ट में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के हवाले से यह भी बताया गया है कि तेल विपणन कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जो सालाना लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये बैठता है।

सेल का चौथी तिमाही में मुनाफा बढ़कर 1,680 करोड़ पर

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का एकल आधार पर मुनाफा 42 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1,680 करोड़ रुपये रहा।सेल एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 1,178 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 30,813 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 29,316 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 2.35 रुपये के अंतिम लाभांश को भी मंजूरी दी है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ बढ़कर 3,233 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में यह 2,148 करोड़ रुपये था।वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की परिचालन आय 1,10,810 करोड़ रुपये रही, जो 2024-25 में 1,02,478 करोड़ रुपये थी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ए. के. पंडा ने कहा कि बिक्री मात्रा में वृद्धि के साथ माल-भंडार और उधारी में कमी ने हमारी लाभप्रदता को और मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप कर-पूर्व लाभ और कर-पश्चात लाभ में वृद्धि दर्ज की गई है।

ब्रिटेन के स्टील प्रतिबंध से भारत-ब्रिटेन एफटीए की राह मुश्किल

दोनों देश रचनात्मक समाधान की तलाश में

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्रिटेन के नए इस्पात आयात प्रतिबंधों के कारण भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अब देरी से लागू हो सकता है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि ब्रिटेन के इन इस्पात संबंधी उपायों को एफटीए वार्ता के दौरान ध्यान में नहीं रखा गया था। अग्रवाल ने कहा कि दोनों देश इन मुद्दों से निपटने के लिए विशिष्ट एवं रचनात्मक समाधान तलाश रहे हैं ताकि प्रस्तावित व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता जल्द लागू हो सके। यह समझौता पिछले साल जुलाई में हस्ताक्षरित हुआ था और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मई में इसके प्रभावी होने की उम्मीद जताई थी। ब्रिटेन 1 जुलाई 2026 से शुल्क-मुक्त इस्पात आयात पर सीमा लागू करेगा, जिससे कुल कोटा मौजूदा संरक्षण उपाय की तुलना में 60 प्रतिशत कम हो जाएगा। इस स्तर से अधिक आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगेगा। 2025-26 में भारत से ब्रिटेन को 89.34 करोड़ डॉलर मूल्य के इस्पात उत्पादों का निर्यात हुआ, जो ब्रिटेन को होने वाले कुल भारतीय निर्यात का एक

अहम हिस्सा है। अमेरिकी दल अगले महीने भारत आने की संभावना है। दोनों देशों के अधिकारी अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता आगे बढ़ाने के लिए मिलेंगे। भारत धारा-301 के तहत जांच को लेकर भी अमेरिका से बातचीत कर रहा है।

वैश्विक तेल उछला, रूस-वेनेजुएला को मिली आर्थिक संजीवनी

ब्रेंट क्रूड 120 डॉलर के पार, पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली ।

ईरान में जारी युद्ध के कारण पिछले दो महीनों से दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव में हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल से पेट्रोल-डीजल सहित परिवहन और खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे वैश्विक महंगाई बढ़ रही है। इस संकटपूर्ण माहौल के बावजूद, रूस और वेनेजुएला जैसे दो प्रमुख तेल उत्पादक देशों ने अप्रत्याशित रूप से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत किया है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमतें 72 डॉलर से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इस तेजी का सबसे बड़ा फायदा रूस को हुआ, जिसने पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद अपने उरल्स कच्चे तेल की कीमतों और निर्यात राजस्व में भारी वृद्धि देखी। मार्च 2026 में उसका तेल निर्यात करीब 19 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे यूक्रेन युद्ध के चलते आए आर्थिक दबावों से निपटने में मदद मिली। रूस भारत और चीन जैसे देशों को पुराने टैंकरों (शैडो फ्लीट) के जरिए बड़े पैमाने पर तेल भेज रहा है, पहले छूट पर और अब ऊंची कीमतों पर। दूसरी ओर वेनेजुएला ने भी इस संकट का लाभ उठाया है। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले इस देश का उत्पादन अमेरिकी प्रतिबंधों और खराब प्रबंधन के कारण लंबे समय से गिर रहा था। लेकिन ईरान संकट के बाद अमेरिका ने तेल आपूर्ति बनाए रखने के लिए वेनेजुएला पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील दी। अमेरिकी कंपनी शेवरॉन को उत्पादन की अनुमति मिलने के बाद वेनेजुएला का तेल उत्पादन अब 9 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को नई जान मिली है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऊंची तेल कीमतें जहां इन दो देशों को राहत दे रही हैं, वहीं तेल आयात करने वाले देशों में महंगाई और आर्थिक दबाव तेजी से बढ़ रहा है, जबकि पारंपरिक उत्पादक पूरी तरह फायदा नहीं उठा पा रहे।

एनएसई आईपीओ से पहले ब्रोकरेज की हिस्सेदारी न्यूनतम स्तर पर

डीम्युचुअलाइजेशन और हितों के टकराव से बचने के उपायों ने बाजार संचालन को बेहतर बनाया

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय शेयर बाजार (एनएसई) में ब्रोकरेज कंपनियों की हिस्सेदारी उसके बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले तेजी से घट रही है। यह गिरावट मार्च 2019 के उच्चतम स्तर 53.9 फीसदी से मार्च 2026 तक अनुमानित 35.6 फीसदी तक पहुंच गई है, जो मार्च 2016 के बाद का सबसे निचला स्तर होगा। इस बदलाव का मुख्य कारण डीम्युचुअलाइजेशन प्रक्रिया और हितों के टकराव से बचने के लिए किए गए नियामकीय उपाय हैं। भारत सरकार ने 2000 के दशक की शुरुआत में स्टॉक एक्सचेंजों में डीम्युचुअलाइजेशन प्रक्रिया शुरू की थी। इसका उद्देश्य ट्रेडिंग अधिकारों को एक्सचेंज के संचालन से अलग करना था, ताकि ब्रोकर अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए बाजार के कामकाज को प्रभावित न कर सकें। एनएसई की स्थापना ही एक डीम्युचुअलाइज्ड संस्था के रूप में हुई थी, जिससे वह इस दिशा में पहले से ही अग्रसर था। बाजार के जानकारों के अनुसार ब्रोकरों के हित आज भी स्टॉक एक्सचेंजों के साथ जुड़े हुए हैं। वे अपने फीडबैक और क्लाइंट्स को बाजार में लाकर इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने हाल के वर्षों में ट्रेडिंग वॉल्यूम में भारी वृद्धि के बावजूद ब्रोकरों की विफलताओं की घटनाओं में कमी के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समय पर किए गए नियामकीय हस्तक्षेपों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह भारतीय बाजारों की प्रगति और दुनिया के बाकी बाजारों की तुलना में इसके उच्च मानकों का प्रमाण है, जो एक मजबूत इकोसिस्टम को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ये उपाय समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। गौरतलब है कि 2019 में हिस्सेदारी में हुई बढ़ोतरी का श्रेय भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा आईडीबीआईबैंक में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने को दिया जा सकता है, क्योंकि बैंक को एक ट्रेडिंग सदस्य के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

एलआईसी की खरीद के बाद, इसे ट्रेडिंग सदस्य के सहयोगी के रूप में वर्गीकृत किया गया, जिससे कुल हिस्सेदारी बढ़कर 53 फीसदी से अधिक हो गई थी। यह आंकड़ा ब्रोकरों की वास्तविक हिस्सेदारी में वृद्धि नहीं, बल्कि वर्गीकरण संबंधी एक बदलाव का परिणाम था। कुल मिलाकर, यह रुझान भारतीय पूंजी बाजार की परिपक्वता और मजबूत नियामक ढांचे को दर्शाता है।

बर्जर पेंट्स ने बाजार में भरा रंग, शेयर 11 फीसदी उछले, ब्रोकरेज भी उत्साहित

मार्च तिमाही के दमदार नतीजों और वित्त वर्ष 27 की मजबूत संभावनाओं से निवेशकों में जोश

नई दिल्ली ।

देश की दूसरी सबसे बड़ी पेंट कंपनी बर्जर पेंट्स के शेयरों ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया है। मार्च तिमाही के मजबूत नतीजों और वित्त वर्ष 2027 के लिए उज्ज्वल संभावनाओं के चलते कंपनी के शेयर करीब 11 फीसदी तक उछल गए हैं। ज्यादातर ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी की भविष्य की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक राय व्यक्त की है, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

दमदार तिमाही प्रदर्शन और वृद्धि के प्रमुख कारक- बर्जर पेंट्स ने मार्च तिमाही में बिक्री में 6 फीसदी की शानदार बढ़त हासिल की, जो पिछले 12 तिमाहियों में कारोबार वृद्धि का सबसे ऊंचा स्तर है। कंपनी की एकल बिक्री में सालाना आधार पर 11.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। इस प्रदर्शन में कीमतों में वृद्धि से पहले चैनल द्वारा किए गए स्टॉक और बाजार में मांग में सुधार का अहम योगदान रहा। प्रीमियम इमल्शन उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता, बेहतर उत्पाद मिश्रण और चौथी तिमाही के अंत में की गई कीमतों में वृद्धि ने भी बिक्री मूल्य को 6.7 फीसदी ऊपर ले जाने में मदद की। इक्विरस सिक्योरिटीज जैसे विश्लेषक उम्मीद कर रहे हैं कि भले ही चैनल में स्टॉक जमा होने के कारण चौथी तिमाही के ऊंचे वृद्धि स्तरों से कुछ सामान्यीकरण हो, लेकिन भविष्य में वैल्यू ग्रोथ, वॉल्यूम ग्रोथ से आगे निकल जाएगी। ब्रोकरेज फर्मों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 9-10त्न राजस्व वृद्धि का अनुमान लगाया है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

तीसरी बार थाईलैंड ओपन के फाइनल में सात्विक-चिराग की जोड़ी पहुंची

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पुरूष युगल फाइनल में प्रवेश कर लिया है. उन्होंने तीन गेम के रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में मलेशिया के गोह जे फेइ और नूर इजुद्दीन को मात दी। दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने नौवीं रैंकिंग वाली मलेशियाई जोड़ी से 82 मिनट में 19-21 से पहला गेम हारने के बाद लगातार दो गेम 22-20, 21-16 से जीत लिया। फाइनल मैच में भारतीय जोड़ी का मुकाबला इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन की जोड़ी से होगा. ये भी उल्लेखनीय है कि ये भारतीय जोड़ी तीसरी बार फाइनल में प्रेवेश की है. इससे पहले ये जोड़ी 2019 और 2024 में खिताब जीतकर इतिहास रचा था। मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 7-2 का था लेकिन गोह और इजुद्दीन ने पिछ्ले साल इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में उन्हें हराया था. सेमीफाइल मैच में मलेशियाई जोड़ी ने अच्छी शुरूआत करके 3-1 की बढ़त बना ली लेकिन सात्विक और चिराग ने स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया. पहले गेम में मलेशियाई जोड़ी ने ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली. चिराग की गलती से शटल नेट में चली गई और अंतर बढ़ गया. पहला गेम मलेशियाई जोड़ी ने 21-19 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में मुकाबला बराबरी का था और स्कोर 3-3 से 6-6 हो गया. भारतीय जोड़ी ने 9-6 की बढत बना ली लेकिन चिराग के एक रिटर्न पर शटल नेट में जाने से बढत 10-9 की रह गई. ब्रेक के बाद फिर स्कोर 13-13 हो गया. चिराग ने भारत को 16-14 से बढत दिलाई लेकिन फिर रिटर्न नेट में जाने से स्कोर 16-16 हो गया. भारतीय जोड़ी ने फिर 19-16 की बढत बनाई और एक समय स्कोर 20-20 था जब भारतीय जोड़ी ने इजुद्दीन का शॉट वाइड जाने पर यह गेम जीता। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी हावी रही और मलेशियाई जोड़ी वापसी नहीं कर पाई. जिससे भारतीय जोड़ी ने 21-16 से गेम और मैच जीत लिया.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने उज्जैन-में बाबा महाकाल का आर्शीवाद लिया

- **हरमनप्रीत और कोच ने नंदी के कान में कही अपनी मनोकामना**

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार सुबह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने बाबा महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाई। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित अन्य खिलाड़ियों ने तड़के भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। जानकारी के अनुसार भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सदस्य तड़के करीब 3 बजे मंदिर पहुंचे। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ कोच भी शामिल हुए। कप्तान हरमनप्रीत के साथ प्रवीण शर्मा, अमोल मुजुमदार, अरुंधति, शेर सिंह, अनिरुद्ध, भारती, साल्वी, श्रेयंका, रेणुका, राखी, धनंजय, नंदिनी, सचिन, पूर्वा, यस्तिका, शैफाली, दीप्ति, ममता, राधा, क्रांति, रुचा, मुनीश, नल्लापु, गोल्लाने सहित अन्य खिलाड़ी मौजूद रहे। सभी खिलाड़ियों ने ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर की प्रातःकालीन भस्म आरती में दर्शन लाभ लिया। भस्म आरती के दौरान महिला खिलाड़ी पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आईं। करीब दो घंटे तक आरती में शामिल रहने के बाद खिलाड़ियों ने नंदी हॉल में पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल को पुजारी के हाथों जल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती के पश्चात श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का स्वागत और सम्मान भी किया गया।

पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने जड़ा महिला टी-20 का सबसे तेज अर्धशतक

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान महिला टीम के कप्तान फातिमा सना ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इतिहास रच दिया है. उन्होंने 15 गेंद में फिफ्टी जड़ कर महिला टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. सना ने ये उपलब्धि कराची में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के दौरान हासिल की। इसके साथ 24 साल की सना ने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, ऑस्ट्रेलिया की फीबी लिचफील्ड और भारत की ऋचा घोष के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने 18-18 गेंदों में अपनी फिफ्टी बनाई थी.

पाकिस्तान ने 133 रनों जीता मैच – मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. फातिमा सना सिर्फ 19 गेंदों में 62 रन बनाकर नाबाद रहीं. अपनी इस पारी में उन्होंने 10 चौके और दो छक्के लगाए. इसकी बदौलत पाकिस्तान का स्कोर 4 विकेट पर 223 रन तक पहुंच गया. यह महिला टी-20 में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है. इससे पहले इसी सीरीज में पाकिस्तान ने 237 रन बनाए थे. जवाब में वेस्टइंडीज की पूरी टीम 17.1 ओवर में ही 90 रनों पर ढेर हो गई. जिसके साथ पाकिस्तान ने मैच को 133 रनों से अपने नाम कर लिया.

महिला टी-20 में सबसे तेज फिफ्टी

- फातिमा सना (पाकिस्तान) - 15 गेंदें बनाम जिम्बाब्वे (15 मई, 2026)
- सोफी डिवाइन (न्यूजीलैंड) - 18 गेंदें बनाम भारत (11 जुलाई, 2015)
- फीबी लिचफील्ड (ऑस्ट्रेलिया) - 18 गेंदें बनाम वेस्टइंडीज, (2 अक्टूबर, 2023)
- ऋचा घोष (भारत) - 18 गेंदें बनाम वेस्टइंडीज (19 दिसंबर, 2024)
- निदा डार (पाकिस्तान) - 20 गेंदें बनाम दक्षिण अफ्रीका (22 मई, 2019)

टी-20 में पाकिस्तान की तरफ से सबसे तेज फिफ्टी

सना की जबरदस्त पारी से पहले, टी-20 में किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड निदा डार के नाम था, जिन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 गेंदों में यह कारनामा किया था। इसके अलावा सना ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली. उन्होंने 2022 में वारविकशायर के लिए मैरी केली और इसी साल न्यूजीलैंड के सुपर स्मैश टूर्नामेंट में ओटागो के लिए लॉरा हैरिस की उपलब्धि की बराबरी की।

फातिमा सना का 2026 में प्रदर्शन

2026 सना की फॉर्म अविश्वसनीय रही है. वह इस साल महिलाओं के टी-20 में पाकिस्तान की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं. उन्होंने पांच पारियों में 229 रन बनाए हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 206.30 का है. उन्होंने इसी साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 41 गेंदों में 90 रन बनाकर टी-20 में अपना अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया था।

अंशुल कंबोज के दो ओवर में मिशेल ने लगातार 4 छक्के!

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में सीएसके- एलएसजी मैच अंशुल कंबोज के लिए एक बुरे सपने जैसा साबित हुआ. इस सीजन अपनी शानदार गेंदबाजी से छाप छोड़ने वाले सीएसके के इस युवा गेंदबाज ने एलएसजी के खिलाफ एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड बना दिया, जो आईपीएल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया था. लखनऊ के इकाना स्टेडियम में अंशुल आईपीएल के इतिहास में पहले ऐसे गेंदबाज बन गए, जिनके एक ही मैच के दो अलग-अलग ओवरों में लगातार चार-चार छक्के लगे। एलएसजी के विस्फोटक बल्लेबाज मिशेल मार्श ने अंशुल की गेंदबाजी पर पूरी ताकत से हमला बोला. मैच के पांचवें ओवर में मार्श ने अंशुल की पहली चार गेंदों पर लगातार चार छक्के जड़े. इसके बाद, निकोलस पूरन ने 17वें ओवर में भी अंशुल की पहली चार गेंदों पर चार छक्के जड़ दिए. इसके साथ अंशुल कंबोज आईपीएल के इतिहास में दो ओवर में लगातार चार-चार छक्के खाने वाले पहले गेंदबाज बन गए। इसके अलावा एक ही पारी में अपनी 10 गेंदों पर 8 छक्के खाने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए. इससे पहले, यह शर्मनाक रिकॉर्ड यश दयाल के नाम था. यश दयाल के खिलाफ आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज ने 8 छक्के जड़े थे। ये भी उल्लेखनीय है कि अंशुल कंबोज आईपीएल 2026 में ष्टस्य के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. उन्होंने अब तक 12 मैचों में 19 विकेट लिए हैं और पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर हैं।

एलएसजी बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के 71 रनों की पारी से चेन्नई हारा – मैच की बात करें तो सीएसके ने कार्तिक शर्मा के 71 रनों की बदौलत इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 187/5 का स्कोर खड़ा किया. जवाब में लखनऊ ने मार्श के 90 रनों की बदौलत 16.4 ओवर में 3 विकेट खोकर ही लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

- **कंबोज ने 60 से ज्यादा रन लुटाए** – अंशुल ने इस मैच में कुल 2.4 ओवर गेंदबाजी की और 63 रन लुटा दिए. उन्होंने कुल 16 गेंदें फेंकी, जिनमें से 11 गेंदों पर चौके या छक्के लगे. आखिरी 10 गेंदों में अंशुल ने 8 छक्के और 1 चौका दिया, जबकि एक गेंद पर कोई रन नहीं बना. इस तरह, उन्होंने सिर्फ 10 गेंदों में 52 रन लुटा दिए।
- **सीएसके के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज** – इस खराब प्रदर्शन के साथ अंशुल कंबोज चेन्नई सुपर किंग्स के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज भी बन गए. इससे पहले, खलील अहमद ने 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ 3 ओवर में 65 रन दिए थे. जबकि लुंगी एनगिडी 2021 में 4 ओवर में 62 रन खर्च किए थे. जिससे वो सीएसके के तीसरे सबसे महंगे गेंदबाज हैं।

- **आईपीएल 2026 के बीच**

हार्दिक पांड्या 22 मई को महिका शर्मा के साथ ले सकते हैं सात फेरे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या क्रिकेट के साथ- साथ अपनी प्राइवेट लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। उन्हें लेकर सोशल मीडिया पर एक बार फिर कुछ रिपोर्ट्स सामने आई हैं। इनमें ऐस दावा किया जा रहा है कि पांड्या आईपीएल 2026 के सीजन के बीच ही एक बार फिर शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि दोनों को कई बार कई जगहों पर साथ- साथ भी देखा गया है। रिपोर्ट्स में किए जा रहे दावों के अनुसार दोनों 22 मई को एक बेहद निजी तरीके से शादी कर सकते हैं। फिलहाल इसे लेकर कोई भी ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है।

पहला विवाह और तलाक

जानकारी के लिए बता दें कि हार्दिक पांड्या पहले भी अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रह चुके हैं। उन्होंने साल 2020 में लॉकडाउन के दौरान 31 मई को मॉडल नताशा स्टेनकोविक से शादी की थी। दोनों का यह रिश्ता लंबा नहीं चल सका और शादी के करीब 4 साल बाद, जुलाई 2024 में दोनों ने आधिकारिक तौर पर अलग होने (तलाक) का फैसला कर लिया। पहली शादी से हार्दिक का एक बेटा है, जिसका नाम अगस्त्य पांड्या है। भले ही हार्दिक और नताशा का रिश्ता खत्म हो चुका है, लेकिन माता-पिता के तौर पर दोनों मिलकर अपने बेटे की परवरिश (को-पेरेंटिंग) कर रहे हैं। नताशा से अलग होने के बाद हार्दिक का नाम कुछ अन्य महिलाओं के साथ भी जोड़ा गया, लेकिन अब महिका शर्मा के साथ उनकी शादी की खबरें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं।

दिन में ट्रेनिंग रात में पढ़ाई करके देश के लिए मेडल जीतना चाहते हैं रुद्राक्ष खन्ना

जम्मू (जम्मू कश्मीर) (एजेंसी)। देश की सबसे खूबसूरत वादी जम्मू कश्मीर से एक युवा जिमनास्ट रुद्राक्ष खन्ना का उदय हो रहा है, जिसने हाल ही में एरोबिक जिमनास्टिक्स में देश के लिए अपना पहला इंटरनेशनल मेडल जीता और अब वो एशियन चैंपियन बनने के लिए कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हैं। खन्ना ने 2 और 3 मई के बीच

थाईलैंड के बैंकॉक में हुई पहली जेआरसी एरोबिक जिमनास्टिक्स स्टार्स चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल हासिल किया. उन्होंने एक इंडिविजुअल इवेंट में चीन, कजाकिस्तान और तीन अन्य देशों के जिमनास्टों को हराया, जबकि गोल्ड मेडल मेजबान देश थाईलैंड के नाम रहा. थाईलैंड में आयोजित जेआरसी एरोबिक चैंपियनशिप में, वह भारत से एकमात्र जिम्नास्ट थे और उन्होंने देश का नाम रोशन किया।

देश के लिए मेडल जीतना गर्व का पल – ईटीवी भारत के रिपोर्टर आमिर तांत्रे के साथ एक इंटरव्यू में खन्ना ने कहा कि एरोबिक जिमनास्टिक्स में देश के लिए मेडल जीतना उनके लिए गर्व का पल है. उन्होंने कहा, 'यह उपलब्धि मेरे कोचों, सुरिंदर पाल सिंह और कृपाली सिंह के सपोर्ट के बिना मुमकिन नहीं थी, जिन्होंने हमेशा मुझ पर भरोसा किया और हर तरह का सपोर्ट दिया. यह निश्चित रूप से गर्व का पल है, लेकिन बात यहीं नहीं रुकेगी, क्योंकि मैं आने वाली एशियन चैंपियनशिप में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना चाहता हूं।'

- **दो बार एशियन गेम्स में ले चुके हैं भाग** – पांच फीट सात इंच लंबे खन्ना देश में एरोबिक्स और जिमनास्टिक्स के एक युवा एथलीट बनकर उभर रहे हैं. उन्होंने दो बार एशियन गेम्स और इंटरनेशनल जिमनास्टिक्स फेडरेशन द्वारा आयोजित सुजुकी वर्ल्ड जिमनास्टिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन देश के लिए मेडल जीतने से चूक गए. पिछली सुजुकी वर्ल्ड चैंपियनशिप में, वह चौथे स्थान पर रहे और बहुत थोड़े अंतर से मेडल से चूक गए।
- **'शेर-ए-कश्मीर' पुरस्कार से भी सम्मानित** – ये भी उल्लेखनीय है कि जिमनास्टिक्स में उपलब्धियों के लिए, खन्ना को 2025 में जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा खेल के क्षेत्र में 'शेर-ए-कश्मीर' पुरस्कार से भी सम्मानित किया था. खन्ना कहते हैं कि उन्हें अपनी मां, सीमा खरियाल से प्रेरणा मिलती है, जो एक मैराथन धावक हैं और बारामूला तथा पटनीटॉप मैराथन की ब्रांड एंबेसडर हैं. उनकी बहन, सुदीप्ति खन्ना भी एक जिमनास्ट हैं और उन्हें भी इस वर्ष जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा खेल के क्षेत्र में 'शेर-ए-कश्मीर' पदक से सम्मानित किया गया।

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में 19 जुलाई को भिड़ेंगे भारत और पाकिस्तान के फाइटर

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी एक बार फिर आमने सामने आने वाले हैं. लेकिन ये महा मुकाबला क्रिकेट का मैदान नहीं बल्कि मार्श आर्ट्स का रिंग होगा। दरअसल मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाली मलेशिया स्ट्राइक एमएमएचैंपियनशिप में भारत के संग्राम सिंह और पाकिस्तान के आबिद अली आमने सामने होंगे।

इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले का आयोजन रविवार, 19 जुलाई को होगा। ये भारतीय मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा, क्योंकि संग्राम प्रतिष्ठित एशिया चैंपियनशिप खिताब के लिए मुकाबला करने वाले पहले भारतीय फाइटर बन जाएंगे। बता दें कि संग्राम सिंह कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैंपियन हैं और मलेशिया स्ट्राइक एमएमए चैंपियनशिप उनकी चौथी प्रोफेशनल एमएमए मुकाबला होगा।

संग्राम इस मुकाबले के बारे में क्या कहा? आने वाली चुनौती के बारे में बात करते हुए संग्राम ने कहा, 'हो सकता है कि मुझे अभी आबिद अली की उम्र के बारे में ज्यादा जानकारी न हो, लेकिन मैं जानता हूं कि वह एक अनुभवी फाइटर हैं जिन्होंने कई एमएमए मुकाबले जीते हैं. मलेशिया स्ट्राइक एमएमएचैंपियनशिप में एशिया चैंपियनशिप खिताब के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है।'

संग्राम ने आगे बताया कि इस मुकाबले के लिए वह 83-89 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लेंगे. उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले खेल मुकाबले से जुड़े दबाव को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि यह चुनौती उन्हें और भी ज्यादा उत्साहित करती है।

भारतीय पहलवान संग्राम सिंह ने कहा, 'जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होता है, तो स्वाभाविक रूप से भावनाएं चरम पर होती हैं, क्योंकि दोनों देशों के प्रशंसक हमेशा अपनी टीम की जीत चाहते हैं. इसमें दबाव तो होता है, लेकिन साथ ही उत्साह भी होता है. यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है और मैं पूरी एकाग्रता के साथ इसकी तैयारी कर रहा हूं।'

आज प्लेऑफ की जंग में आमने-सामने होंगे पंजाब किंग्स और आरसीबी

धर्मशाला (एजेंसी)। चैलेंजर बेंगुलरु के बीच आईपीएल 2026 का 61वां मुकाबला रविवार को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। प्लेऑफ की रेस के लिहाज से यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

लगातार हार से दबाव में पंजाब किंग्स– श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने इस सीजन शानदार शुरुआत की थी और शुरुआती सात में से छह मुकाबले जीते थे। लेकिन इसके बाद टीम की लय पूरी तरह बिगड़ गई और पीबीकेएस को लगातार पांच हार का सामना करना पड़ा। पंजाब फिलहाल 12 मैचों में 13 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। टीम को प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करने के लिए यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा।

शानदार फॉर्म में आरसीबी– डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी इस सीजन बेहतरीन फॉर्म में नजर आई है।

फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी कंगना की भारत भाग्य विधाता

कंगना रनौत बीते कुछ दिनों से फिल्मों से ज्यादा राजनीति में सक्रिय हैं। लेकिन अब उनके फैंस का इंतजार खत्म हो गया है, क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

कंगना रनौत की आने वाली फिल्म का नाम 'भारत भाग्य विधाता' है। मेकर्स ने इसका पोस्टर जारी कर रिलीज डेट का खुलासा किया है। पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा– 'एक साधारण लोगों की असाधारण कहानी! वो रात, जब इंसानियत डर से भी बड़ी बनकर सामने आई। जब जिम्मेदारी ने बलिदान का रूप लिया, जब एकता ने कर्तव्य निभाया और जब हिम्मत ने कई जिंदगियां बचाईं। भारत के असली हीरोज की अनकही कहानी।' बता दें कि फिल्म में भारत के उन हीरोज की कहानी बताएगी, जो अनसुनी है।

बता दें कि फिल्म में कंगना रनौत लीड रोल में नजर आएंगी। इसे मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। इसके लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया हैं। 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस कंगना की वापस फिल्मों में वापसी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला इम्तियाज अली की आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' से होगा। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित 'मैं वापस आऊंगा' एक लव स्टोरी है। 'मैं वापस आऊंगा' भी 12 जून को रिलीज होगी, जिसमें दिलजीत दोसांझ, शरवरी वाघ और वेदांग रैना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पूजा बत्रा का खुलासा

लंबे कद की वजह से छिनी कई फिल्में

1997 में आई फिल्म 'विरासत' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अभिनेत्री पूजा बत्रा ने मॉडलिंग से अपनी शुरुआत की थी। पूजा बत्रा कई हिंदी फिल्मों का हिस्सा रहीं। हालांकि, सफल डेब्यू के बावजूद उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं रह सका। हाल ही में पूजा बत्रा ने बताया कि उनकी लंबी हाइट के चलते भी उन्हें कई फिल्मों से हाथ धोना पड़ा। क्योंकि अधिकांश एक्टर्स की हाइट उनसे कम थी, लेकिन उनमें ईगो इतना था कि वो हीरोइन को खुद से लंबा नहीं दिखने देना चाहते थे। इसलिए वो हीरोइनों को खुद से छोटा दिखाना चाहते थे।

मेरी हाइट की वजह से हीरो घबरा जाते थे

पूजा बत्रा ने अपने शुरुआती दौर में संगीता बिजलानी की एक सलाह को याद किया। उन्होंने कहा कि मुझे याद है संगीता बिजलानी ने मुझसे कहा था, 'फिल्मों में तुम्हारा कोई चांस नहीं है क्योंकि तुम बहुत लंबी हो'। संगीता की इस चेतावनी से मुझे निराशा हुई थी। लेकिन वह मेरी आदर्श हैं। वह खूबसूरत हैं और एक मॉडल भी हैं। मुझे जो भी रोल मिला, मैंने उसमें अपना बेस्ट दिया। भले ही मेरे कद की वजह से हीरो घबरा जाते थे। यह सच है कि मेरी लंबाई की वजह से मुझे बहुत सी फिल्में नहीं मिलीं। मैंने कई अच्छे रोल खो दिए। पूजा ने दावा किया कि उनके और संगीता जैसी लंबी अभिनेत्रियों ने सुष्मिता और दीपिका जैसी लंबी अभिनेत्रियों के लिए रास्ता बनाया। इन्हें मुझे धन्यवाद कहना चाहिए।

सिनेमा में आए बदलाव से खुश हैं पूजा बत्रा

हिंदी सिनेमा में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि काफी बदलाव हुआ है। न केवल सोच में बदलाव के कारण, बल्कि सिनेमास्कोप में आए तकनीकी बदलावों के कारण भी काफी कुछ सुधार हुआ है। छोटे कद के लोगों को नुकसान होता है, क्योंकि वे कैमरे पर अपनी असल लंबाई से ज्यादा मोटे दिख सकते हैं। दुनिया के ज्यादातर मशहूर अभिनेता बहुत लंबे नहीं हैं। छोटे कपड़े पहनने और अपने फैशन सेंस को पर्दे पर उतारने के लिए पूजा हमेशा फिल्मों में अपने खुद के कपड़े पहनती थीं। उन्हें याद है कि जब वह अपने निजी कपड़ों में सेट पर आती थीं, तो निर्देशक उनसे कहते थे, उसे वही पहनने दो जो उसने पहना है। लेकिन वे उनसे मेकअप हटाने के लिए भी कहते थे क्योंकि उन्हें नैचुरल लुक चाहिए होता था। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं सोचती थी, कम से कम सनब्लॉक तो लगाने दो।'

मिस इंडिया इंटरनेशनल बनने के बाद फिल्मों में की थी एंट्री

पूजा बत्रा ने 1993 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद मॉडलिंग और फिर फिल्मों में एंट्री की थी। उन्होंने साउथ की भी कुछ फिल्मों में काम किया। 2003 में उन्होंने एक ऑर्थोपेडिक सर्जन से शादी की और लॉस एंजिल्स कैलिफोर्निया में बस गईं। लेकिन 2011 में तलाक के बाद वह भारत लौट आईं। इसके बाद उन्होंने 'हम तुम शबाना' (2011), 'एबीसीडी 2' (2015) और अन्य हॉलीवुड फिल्मों से वापसी की। उन्होंने 2019 में अभिनेता नवाब शाह से दोबारा शादी की।

कान फिल्म फेस्टिवल में अपने डेब्यू को कल्याणी प्रियदर्शन ने बताया सुखद अनुभव

'लोका चैप्टर वनः चंद्रा' की सफलता से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन अब इंटरनेशनल लेवल पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। यह कल्याणी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक में अपने डेब्यू पर अब कल्याणी ने खुशी जताई है।

कान फिल्म फेस्टिवल में अपने डेब्यू को लेकर कल्याणी ने कहा कि कान फिल्म फेस्टिवल हमेशा से सिनेमा का एक प्रतिष्ठित उत्सव रहा है, इसलिए इस साल वहां होना बहुत खास लग रहा है। 'लोका चैप्टर वनः चंद्रा' को मिले प्यार के लिए मैं आभारी हूं। मुझे लगता है कि भारतीय सिनेमा को इस समय ग्लोबली एक शानदार तरीके से पहचान मिल रही है। ऐसे में लोका के जरिए इंटरनेशनल लेवल पर पहचान बनाना और अब कान फिल्म फेस्टिवल जैसे मंच का अनुभव करना काफी अच्छा लग रहा है और एक सुखद अनुभव है।

कान फिल्म महोत्सव के लिए अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए कल्याणी ने कहा कि मैं बस पूरे अनुभव का आनंद लेना चाहती हूं और खुद पर ज्यादा दबाव डाले बिना आसानी से आगे बढ़ना चाहती हूं। 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन 23 मई तक किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक समारोह हर साल की तरह फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा के कान शहर के 'पैलेस डेस फेस्टिवल्स' में किया जाएगा। कान फिल्म फेस्टिवल में हर साल कई भारतीय सेलेब्स अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हैं। अब इसी लिस्ट में कल्याणी प्रियदर्शन का भी नाम शामिल होने जा रहा है।

'फोर्स 3' के लिए हर्षवर्धन कर रहे कड़ी मेहनत

अभिनेता हर्षवर्धन राणे फिल्म 'फोर्स 3' के एक्शन सींस के लिए किसी सुनसान इलाके में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्होंने अपने सह-कलाकारों जॉन अब्राहम और तान्या मानिकतला के साथ वर्कआउट वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में 42 साल के हर्षवर्धन ट्राइसेप्स के लिए बैंड एक्सरसाइज करते दिख रहे हैं, फिर भारी वजन उठाकर अपनी पीठ, कंधों और बाइसेप्स की ट्रेनिंग करते दिख रहे हैं। आखिर में शोल्डर श्रग्स से अपना वर्कआउट पूरा किया। हर्षवर्धन ने बताया कि मुंबई जाने में रोजाना दोनों तरफ से 5 घंटे से ज्यादा समय लग जाता है। इसलिए उन्होंने अपने ट्रेनर से अनुरोध किया कि वे शूटिंग लोकेशन पर ही उन्हें ट्रेनिंग दें।

भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'चांद मेरा दिल' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अनन्या ने हाल ही में अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की। इसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में लेना जाना चाहती हैं। अनन्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनके पास योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब एक ऐसी फिल्में बनाना है, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें।

उन्होंने कहा, 'मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे।' अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है।

उन्होंने बताया, 'फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं।' अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है।

विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म 'चांद मेरा दिल' का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है।

छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति श्रद्धा और रितेश के साथ पर्सनल बॉन्डिंग के चलते फीस माफ की

रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' सिनेमाघरों में लगी है। फिल्म को काफी तारीफें मिली हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी यह अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच ऐसी खबर आई कि फिल्म के लिए कुछ सितारों ने बिल्कुल फीस नहीं ली। इनमें अभिषेक बच्चन भी शामिल हैं, जिन्होंने फीस के तौर पर सिर्फ रितेश देशमुख की मां के हाथ के ठेंचा (एक किस्म की चटनी) की डिमांड की थी। अभिषेक बच्चन यह फिल्म बिना फीस के करने को राजी क्यों हुए?

क्यों माफ की अभिषेक बच्चन ने फीस

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया था कि अभिषेक बच्चन ने कथित तौर पर फिल्म 'राजा शिवाजी' के लिए फीस चार्ज की थी। हाल ही में अभिषेक बच्चन ने ऐसी अफवाहों पर प्रतिक्रिया [illegible] अभिनेता ने ऐसे वक्त में अपनी फीस को लेकर प्रतिक्रिया दी है, जब हाल ही में रितेश देशमुख ने कहा था कि फिल्म में गेस्ट अपीयरेंस देने वाले कई सितारों ने फीस नहीं ली। इनमें सलमान खान, विद्या बालन और अभिषेक शामिल हैं। सभी ने छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा और रितेश के साथ अपनी पर्सनल बॉन्डिंग के चलते फीस माफ कर दी थी।

कला का रूप दिल से शुरू होता है

अभिषेक बच्चन ने भी अपनी फीस को लेकर बातचीत में कहा कि एक्टर्स किसी ऐसे विजन के लिए अपनी फीस कम करने या छोड़ने को तैयार रहते हैं, जिस पर उन्हें भरोसा हो। उन्होंने कहा, 'आज के जमाने में ऐसी बहुत सारी रील्स हैं, जिनमें लोग तथ्यों और आंकड़ों के बारे में बात करते हैं। एक्टर ने कहा, 'लोगों [illegible] एक्टर या एक्ट्रेस कितनी ज्यादा फीस ले रहा है और कितनी वैन की मांग कर रहा है, लेकिन असल में यह एक कला का रूप है जो दिल से शुरू होता है। अगर हमें किसी चीज पर भरोसा है, तो हमें अपनी फीस छोड़ने में कोई दिक्कत नहीं होती। यह कोई लेन-देन नहीं है। यह एक इमोशनल ट्रांजैक्शन है।

अभिषेक बच्चन ने की सिर्फ ठेचा की डिमांड

बता दें कि हाल ही में खुद रितेश देशमुख ने इसका खुलासा किया कि सलमान खान, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे बड़े सितारों ने इस ऐतिहासिक फिल्म के लिए कोई फीस नहीं ली है। अभिषेक बच्चन ने तो फीस की जगह सिर्फ रितेश की मां के हाथ का बना हुआ ठेचा मांगा। रितेश ने कहा, 'जब मैंने अभिषेक बच्चन को कहानी सुनाई और बताया कि मैं इस फिल्म का [illegible] शिवाजी महाराज पर है तो उन्होंने कहा– 'मुझे पैसे नहीं चाहिए, मुझे बस तुम्हारी मां के हाथ का बना ठेचा चाहिए'।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिग प्रेस डी–85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी–148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली–110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com